■ आश्विन शुक्ल - 30 ■ संवत 2082 ■ वर्ष - 21 ■ अंक - 74 ■ पृष्ठ - 8 ■ रु. 5/- बेंगलूरु » मंगलवार » 07-10-2025 ■ www.dakshinbharat.com ■ Email : news@dakshinbharat.com

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

ದಕ್ಷಿಣ ಭಾರತ ರಾಷ್ಟ್ರಮತ | ಹಿಂದಿ ದಿನ ಪತ್ರಿಕೆ | बेंगलूरु और चेन्नई से एक साथ प्रकाशित

5 'हर बिहारी बनेगा मुख्यमंत्री', बिहार चुनाव बदलाव का पर्व : तेजस्वी यादव

6 तालिबान और भारत के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत?

7 सबको सनातन धर्म की ही शरण में आना पड़ेगा : योगी

फर्स्ट टेक

सेबेस्तियन लेकोर्नू ने दिया प्रधानमंत्री पद से इस्तीफा

पेरिस/एपी। फ्रांस के नये प्रधानमंत्री सेबेस्तियन लेकोर्नू ने सोमवार को अपने पद से इस्तीफा दे दिया। लेकोर्नू ने एक दिन पहले ही अपने मंत्रिमंडल की घोषणा की थी और वह एक महीने से भी कम समय तक पद पर रहे। फ्रांसीसी राष्ट्रपति कार्यालय ने एक बयान में कहा कि राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने लेकोर्नू का इस्तीफा स्वीकार कर लिया है। लेकोर्नु द्वारा मंत्रियों के चयन की राजनीतिक हलकों में आलोचना की गई थी, विशेष रूप से पूर्व वित्त मंत्री ब्रूनो ले मायेर को रक्षा मंत्रालय में वापस लाने के उनके निर्णय की। अन्य प्रमुख पद पिछले मंत्रिमंडल से काफी हद तक अपरिवर्तित रहे, रूढ़िवादी ब्रूनो रिताइलो आंतरिक मंत्री बने रहे, जो पुलिस और आंतरिक सुरक्षा के प्रभारी थे, जीन-नोएल बारोत विदेश मंत्री जबकि गेराल्ड डर्मैनिन को न्याय मंत्रालय का प्रभार दिया गया था।

कतर के लुलू सुपरमार्केट में यूपीआई भुगतान प्रणाली की शुरुआत

दोहा/भाषा। भारत की एकीकृत भुगतान प्रणाली यूपीआई की पहुंच सोमवार को कतर स्थित लुलू समूह के स्टोर तक हो गई। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने यहां लुलू समूह के सुपरमार्केट स्टोर में यूपीआई सुविधा की शुरुआत की। पिछले महीने दोहा स्थित हमाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के ड्यूटी-फ्री स्टोर पर यूपीआई सुविधा की शुरुआत हुई थी। इस अवसर पर गोयल ने कहा कि यूपीआई की शुरुआत से भारत और कतर के बीच पूंजी के प्रवाह को अधिक सुगम और किफायती बनाया जा सकेगा। उन्होंने कहा, यूपीआई का शुभारंभ सिर्फ एक डिजिटल भुगतान समाधान नहीं है, बल्कि यह भारत और कतर के बीच व्यापार को नई दिशा देने की क्षमता रखता है।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगा भारत

नयी दिल्ली, छह अक्टूबर (भाषा) भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद पी पी चौधरी और डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में सांसदों के दो बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में हिस्सा लेंगे। चौधरी की अध्यक्षता वाला पहला समूह आठ अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच न्यूयॉर्क में होगा जबकि दूसरा समूह 27 अक्टूबर से वहां मौजूद रहेगा। एक सांसद ने कहा कि ये गैर-आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल हैं क्योंकि वे देश का प्रतिनिधित्व नहीं करते बल्कि भारतीय लोकतंत्र और विभिन्न मुद्दों पर देश के एकजुट रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं।

रथोत्सव

सोमवार को मैसूरु में चामुंडी पहाड़ी पर देवी चामुंडेश्वरी का रथोत्सव निकाला गया। जिसे देखने के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु उमड़े।

किसी भी संकट के लिए भारत को ही भरोसेमंद विकल्प होना चाहिए : जयशंकर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ विश्व में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और सहयोग के वादे से ध्यान हट रहा है।

नयी दिल्ली, छह अक्टूबर (भाषा) विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने सोमवार को इस बात पर जोर दिया कि उपमहाद्वीप में किसी भी संकट के लिए भारत को ही भरोसेमंद विकल्प होना चाहिए।

जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय (जेएनयू) में 'भारत और विश्व व्यवस्था: 2047 की तैयारी' विषय पर अरावली शिखर सम्मेलन में विदेश मंत्री ने कहा कि राजनीतिक अस्थिरता के परिदृश्य में भारत को स्वयं ''सहयोग के लिए बुनियादी ढांचे का निर्माण करना होगा।''

जयशंकर ने कहा, ''यह पड़ोस पहले नीति का सार है। इस उपमहाद्वीप में किसी भी संकट के समय भारत को ही भरोसेमंद विकल्प होना चाहिए।'' जयशंकर ने कहा, ''विभाजन के परिणामस्वरूप भारत की रणनीतिक गिरावट को दूर करना होगा।''

विदेश मंत्री ने कहा कि विश्व में प्रतिस्पर्धा बढ़ रही है और सहयोग के वादे से ध्यान हट रहा है। उन्होंने कहा, ''यह हर चीज के शस्त्रीकरण से प्रेरित है। सभी राष्ट्रों को मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। भारत को ऐसी अस्थिरता के बीच रणनीति बनानी होगी और आगे बढ़ना जारी रखना होगा। चुनौती इस जटिल परिदृश्य को समझने की है।''

जेएनयू के पूर्व छात्र ने वैश्विक व्यवस्था को निरंतर आगे बढ़ाने के साथ-साथ राष्ट्र के हितों की रक्षा पर जोर दिया। उन्होंने कहा, ''भारत के दृष्टिकोण से, मांग और जनसांख्यिकी की प्रेरक शक्तियां इसके उत्थान को गति प्रदान करेंगी। हमें 2047 की यात्रा के लिए विचार, शब्दावली और विमर्श तैयार करने होंगे।''

कफ सिरप से मौत

एनएचआरसी ने तीन राज्यों और डीसीजीआई को नोटिस जारी किया

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग (एनएचआरसी) ने मध्य प्रदेश, राजस्थान और उत्तर प्रदेश सरकारों को नोटिस जारी कर उन्हें दूषित कफ सिरप के कारण बच्चों की मौत के आरोपों की जांच करने और नकली दवाओं की बिक्री पर तत्काल प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया है। एनएचआरसी ने भारतीय औषधि महानियंत्रक (डीसीजीआई), केंद्रीय औषधि मानक नियंत्रण संगठन (सीडीएससीओ), स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय (डीजीएचएस) और केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय को नकली दवाओं की आपूर्ति की जांच का आदेश देने और राज्यों में सभी क्षेत्रीय प्रयोगशालाओं को नकली दवाओं के नमूने एकत्र करने और परीक्षण रिपोर्ट प्रस्तुत करने का निर्देश देने को भी कहा है।

बिहार में छह और 11 नवंबर को मतदान, 14 नवंबर को मतगणना

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। निर्वाचन आयोग द्वारा सोमवार को तारीखों का ऐलान करने के साथ ही बिहार में चुनावी बिगुल बज गया। राज्य विधानसभा चुनाव के लिए आगामी छह नवंबर और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा तथा मतगणना 14 नवंबर होगी।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने दोनों निर्वाचन आयुक्तों सुखबीर सिंह संधू और विवेक जोशी के साथ चुनाव कार्यक्रम की घोषणा की और कहा कि बिहार का चुनाव का सभी चुनावों से अहम (मदर ऑफ ऑल इलेक्शंस) होता है।

कुमार ने यहां संवाददाता सम्मेलन में बताया कि पहले चरण में 121 और दूसरे चरण में 122 सीट के लिए मतदान होगा। बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीट हैं।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने यह भी बताया कि चुनाव के लिए अधिसूचना 10 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 17 अक्टूबर को होगी, 18 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 20 अक्टूबर तक नामांकन पत्र वापस लिए जा सकते हैं। उन्होंने कहा कि दूसरे चरण के लिए अधिसूचना 13 अक्टूबर को जारी होगी, नामांकन पत्र दाखिल करने की अंतिम तिथि 20 अक्टूबर को होगी, 21 अक्टूबर को नामांकन पत्रों की जांच होगी और 23 अक्टूबर तक नाम वापस लिए जा सकेंगे।

उनके अनुसार, राज्य में कुल मतदाताओं की संख्या 7.42 करोड़ है, जिनमें पुरुष मतदाता 3.92 करोड़ और महिला मतदाता 3.50 करोड़ हैं। कुमार ने बताया कि 14 लाख मतदाता बिहार विधानसभा चुनाव में पहली बार मतदान कर सकेंगे।

बिहार की वर्तमान विधानसभा का कार्यकाल 22 नवंबर को समाप्त हो रहा है।

राजनीतिक दलों ने निर्वाचन आयोग से अक्टूबर के अंत में छठ पर्व के तुरंत बाद चुनाव कराने का आग्रह किया था, ताकि अधिक से अधिक मतदाताओं की भागीदारी सुनिश्चित की जा सके, क्योंकि बड़ी संख्या में राज्य के बाहर काम करने वाले लोग उस दौरान त्योहारों के लिए घर लौटते हैं।

वकील ने सीजेआई की ओर जूता उछालने की कोशिश की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नयी दिल्ली, छह अक्टूबर (भाषा) भारतीय विधिज्ञ परिषद (बीसीआई) ने भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी आर गवई की ओर कथित रूप से जूता फेंकने का प्रयास करने के मामले में आरोपी वकील राकेश किशोर को सोमवार को तत्काल प्रभाव से निलंबित कर दिया।

अदालती कार्यवाही के दौरान हुई इस अभूतपूर्व घटना से अविचलित रहे प्रधान न्यायाधीश ने अदालत के अधिकारियों और अदालत कक्ष में मौजूद सुरक्षाकर्मियों से इसे नजरअंदाज करने और राकेश किशोर नामक दोषी वकील को चेतावनी देकर छोड़ देने को कहा। न्यायमूर्ति के विनोद चंद्रन के साथ पीठ में बैठे प्रधान न्यायाधीश ने मामलों की सुनवाई जारी रखते हुए वकीलों से कहा, इन सब से विचलित मत होइए। हम विचलित नहीं हैं। ये चीजें मुझे प्रभावित नहीं करती हैं। बार एसोसिएशन, एससीबीए और एससीएओआरए, सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता सहित कई वकीलों और राजनीतिक दलों ने इस घटना की कड़ी निंदा करते हुए इसे संविधान और संस्था पर हमला बताया।

पुलिस ने बताया कि राकेश किशोर की उम्र 71 वर्ष है। दिल्ली पुलिस के अधिकारियों ने मयूर विहार निवासी किशोर से उच्चतम न्यायालय परिसर में तीन घंटे तक पूछताछ की और बाद में कोई औपचारिक शिकायत दर्ज न होने पर दोपहर दो बजे उसे छोड़ दिया। पुलिस ने उसके जूते भी उसे लौटा दिए। पुलिस सूत्रों ने बताया कि पुलिस ने उसके पास से एक नोट बरामद किया है, जिसमें लिखा था 'सनातन धर्म का अपमान नहीं सहेगा हिंदुस्तान'।

सूत्रों ने बताया, हमें यह भी पता चला कि उसके पास सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन और शाहदरा बार एसोसिएशन का कार्ड था। किशोर से पूछताछ के दौरान टीम ने उससे उसके कृत्य के पीछे के मकसद के बारे में पूछा। वकील ने दावा किया कि वह मध्यप्रदेश के खजुराहो मंदिर परिसर में भगवान विष्णु की मूर्ति की पुनर्स्थापना के अनुरोध वाली याचिका पर हाल में हुई सुनवाई के दौरान सीजेआई की टिप्पणी से नाखुश था।

'धर्मस्थल' मामले में एसआईटी को जल्द जांच पूरी करने को कहा गया है : परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

■ हाल में, एसआईटी ने नेत्रवती घाट के पास बंगलेगुड्डे वन क्षेत्र में खोजबीन अभियान के दौरान फिर से कुछ कंकाल बरामद किए।

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने सोमवार को कहा कि धर्मस्थल' शहर में कई हत्याओं, दुष्कर्म और शवों को ''दफनाने'' के आरोपों की जांच कर रही एसआईटी को जल्द से जल्द जांच पूरी करने और अपनी रिपोर्ट सौंपने के लिए कहा गया है। हालांकि, उन्होंने स्पष्ट किया कि विशेष जांच दल (एसआइटी) के लिए कोई निश्चित समय सीमा तय नहीं की गई है, क्योंकि कुछ विश्लेषण करने में समय लगता है।

परमेश्वर ने यहां एक प्रश्न के उत्तर में संवाददाताओं से कहा, हमने अंतिम रिपोर्ट जल्द सौंपने को कहा है, लेकिन यह तय नहीं किया है कि कितनी जल्दी। हमने उन्हें (एसआईटी को) इसे जल्द पूरा करने को कहा है। हम उन्हें जांच के बारे में निर्देश नहीं दे सकते। हमने उनसे केवल इसे जल्द पूरा करने को कहा है। उन्होंने कहा, ''कार्य प्रगति पर है। कुछ विश्लेषण करने होंगे, जैसे डीएनए और रासायनिक विश्लेषण। इनमें समय लगता है। इसलिए हम उन्हें मजबूर नहीं कर सकते... कुछ प्रक्रियाएं हैं। हमने इसे प्राथमिकता देते हुए फोरेंसिक विज्ञान प्रयोगशाला (एफएसएल) से जल्द रिपोर्ट मांगी है।'' झूठी गवाही देने के आरोप में गिरफ्तार सी. एन. चिन्नैया नामक एक शिकायतकर्ता ने दावा किया था कि उसने पिछले दो दशकों में 'धर्मस्थल' में कई शवों को दफनाया है जिनमें यौन उत्पीड़न पीड़िताओं के शव भी शामिल हैं। ये आरोप स्थानीय मंदिर के प्रशासकों की ओर इशारा करते हैं। आरोपों की जांच के लिए राज्य सरकार द्वारा गठित एसआईटी ने 'धर्मस्थल' में नेत्रवती नदी के किनारे वन क्षेत्रों में शिकायतकर्ता द्वारा बताये गए कई स्थानों पर खोजबीन अभियान चलाया, जहां दो स्थानों पर कंकाल मिले।

सोना 9,700 रुपए उछलकर 1.3 लाख के पार, चांदी भी 1.57 लाख के ऊपर

नई दिल्ली/भाषा। राष्ट्रीय राजधानी में सोमवार को सोने की कीमतें 9,700 रुपए की छलांग लगाते हुए 1,30,300 रुपए के नए शिखर पर पहुंच गईं। यह उछाल विदेशी बाजारों में सुरक्षित निवेश की मांग और रुपए में कमजोरी के कारण आया। अखिल भारतीय सर्राफा संघ ने बताया कि स्थानीय बाजार में 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना उछलकर 1,30,300 रुपए प्रति 10 ग्राम के भाव पर पहुंच गया। इस तरह पीली धातु के भाव में एक ही कारोबारी सत्र में 9,700 रुपए प्रति 10 ग्राम की जबरदस्त तेजी दर्ज की गई। शुक्रवार को 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 1,20,600 रुपए प्रति 10 ग्राम पर बंद हुआ था। स्थानीय सर्राफा बाजार में 99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 2,700 रुपए बढ़कर 1,22,700 रुपए प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) हो गई।

माउंट एवरेस्ट पर बर्फीले तूफान के बाद 200 से अधिक पर्वतारोही फंसे, 350 बचाए गए

बीजिंग/भाषा। माउंट एवरेस्ट के तिब्बती ढलानों पर बर्फीले तूफान के बाद 200 से अधिक पर्वतारोही फंस गए हैं, जबकि 350 अन्य को ग्रामीणों और बचाव दलों ने सुरक्षित स्थान पर पहुंचाया है। रविवार को शिविर स्थलों पर फंसे पर्वतारोहियों की स्थिति हिमपात होने के कारण और भी खराब हो गई। सैकड़ों स्थानीय ग्रामीण और बचावकर्मी आवश्यक सामान लेकर घटनास्थल की ओर पहुंचे, जहां शुक्रवार से लगातार हिमपात हो रहा है। 'बीबीसी' ने सोमवार को सरकारी चैनल सीसीटीवी के हवाले से बताया कि 200 से अधिक पर्वतारोही अब भी बर्फीले तूफान में फंसे हुए हैं। लगभग 350 पर्वतारोहियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया है। पहले की खबरों में कहा गया था कि चीन की ओर स्थित कर्मा घाटी में विश्व की सबसे ऊंची चोटी माउंट एवरेस्ट की ढलानों पर 1,000 से अधिक पर्यटक पर्वतारोही फंसे हुए हैं।

07-10-2025 सूर्यास्त	08-10-2025 सूर्योदय
6:06 बजे	6:09 बजे

BSE	NSE
81,790.12	25,077.65
(+582.95)	(+183.40)

सोना	चांदी
12,435 रु.	154,137 रु.
(24 कैरेट) प्रति ग्राम	प्रति किलो

मिशन मंडेला

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

दक्षिण भारत का लोकप्रिय हिन्दी दैनिक

epaper.dakshinbharat.com

कैलाश मण्डेला, मो. 9828233434

बेमेल गठबंधन

जब भी होता है गठबंधन,
जुड़ते उसमें अवसरवादी।
दोषारोपण इक दूजे पर,
करने वाले हैं बकवादी।
हैं सभी सियासत की चालें,
वादी ना कोई प्रतिवादी।
जैसे मजबूरी में कोई,
करता है अनचाही शादी।।

मनुष्य की प्रतिरक्षा प्रणाली से संबंधित खोज के लिए तीन वैज्ञानिकों को चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

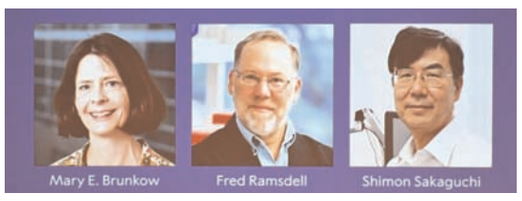

स्टॉकहोम/एपी। मैरी ई ब्रुनको, फ्रेड रैमस्डेल और शिमॉन साकागुची को 'पेरिफेरल इम्यून टॉलरेंस' से संबंधित उनकी खोजों के लिए इस साल का चिकित्सा का नोबेल पुरस्कार देने की सोमवार को घोषणा की गई।

ब्रुनको (64) सिएटल स्थित इंस्टीट्यूट फॉर सिस्टम्स बायोलॉजी में वरिष्ठ कार्यक्रम प्रबंधक हैं। 64 वर्षीय रैमस्डेल सैन फ्रांसिस्को स्थित सोनोमा बायोथेरेप्यूटिक्स के वैज्ञानिक सलाहकार हैं, वहीं 74 वर्षीय साकागुची जापान के ओसाका विश्वविद्यालय के इम्यूनोलॉजी फ्रंटियर रिसर्च सेंटर में प्रोफेसर हैं।

प्रतिरक्षा प्रणाली में विषाणु, जीवाणु और अन्य हानिकारक कारकों का पता लगाने और उनसे लड़ने के लिए कई प्रणालियां होती हैं। टी कोशिकाओं जैसे प्रमुख प्रतिरक्षा योद्धाओं को हानिकारक कारकों की पहचान करने का प्रशिक्षण दिया जाता है। अगर कुछ कारक इस तरह से गड़बड़ा जाते हैं कि स्वप्रतिरक्षी (ऑटो इम्यून) रोग उत्पन्न हो सकते हैं, तो उन्हें थाइमस में नष्ट कर दिया जाना चाहिए - इस प्रक्रिया को 'सेंट्रल टॉलरेंस' (केंद्रीय सहनशीलता) कहा जाता है।

नोबेल विजेताओं ने शरीर द्वारा इस प्रणाली को नियंत्रित रखने के एक अतिरिक्त तरीके का खुलासा किया।

नोबेल समिति ने कहा कि इसकी शुरुआत 1995 में साकागुची द्वारा एक अज्ञात टी कोशिका के उपप्रकार की खोज से हुई, जिसे अब नियामक टी कोशिकाएं या टी-रेग्स के रूप में जाना जाता है।

हरी झंडी

सोमवार को बेंगलूरु के विधान सौधा के ऐतिहासिक सीढी की समक्ष आयोजित एक समारोह में कर्नाटक राज्य प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड के क्षेत्रीय और जोनल कार्यालयों द्वारा उपयोग के लिए 68 पर्यावरण-अनुकूल ईवी वाहनों का शुभारंभ मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने किया।

देश के गैर-लाभकारी संगठनों की निर्भरता आम लोगों के अंशदान पर बढ़ रही : रिपोर्ट

नई दिल्ली/भाषा। भारत में संस्थागत और विदेशी वित्तपोषण में कमी आने के कारण देश के गैर-लाभकारी संगठनों की अब आम लोगों के अंशदान पर निर्भरता बढ़ रही है। एक नये अध्ययन में यह दावा किया गया है। 'उदारता: एवरीडे गिविंग रिपोर्ट 2025' को सामाजिक क्षेत्र के 13 संगठनों ने विकसित किया है और 50 से अधिक अन्य संगठनों द्वारा मार्गदर्शन किया गया। यह भारत का सहयोगात्मक शोध प्रयास है, जिसमें बताया गया है कि किस प्रकार गैर-लाभकारी संगठन लोगों की परमार्थ सेवाओं का लाभ उठा रहे हैं। 'गिविंगट्यूज़डे' और 'रोहिणी नीलेकणी फिलैंथ्रोपीज' द्वारा संयुक्त रूप से वित्त पोषित इस अध्ययन में 26 राज्यों के 304 गैर-लाभकारी संगठनों का सर्वेक्षण किया गया, जिनमें छोटे समूहों से लेकर 100 करोड़ रुपए से अधिक वार्षिक बजट वाली बड़ी संस्थाएं शामिल थीं।

रिपोर्ट में पाया गया है कि प्रतिदिन अंशदान देने वालों से प्राप्त दान पहले से ही गैर-लाभकारी निधि का लगभग एक-तिहाई है, तथा इस प्रकार के धन-संग्रह में लगे 96 प्रतिशत संगठनों ने इसे लाभदायक पाया है। प्रतिदिन के अंशदान से गैर-लाभकारी संस्थाओं को अप्रतिबंधित धन प्राप्त करने में भी मदद मिलती है -- जो संचालन संबंधी जरूरतों, आपात स्थितियों या नई पहल को पूरा करने के लिए जरूरी है -- ऐसे समय में जब संस्थागत वित्तपोषण अधिक प्रतिबंधात्मक होता जा रहा है।

रामायण में वाल्मीकि की शिक्षाएं समान अवसर व भेदभाव रहित जीवन जीने का संदेश देती हैं : रेखा गुप्ता

नई दिल्ली/भाषा। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने सोमवार को कहा कि महर्षि वाल्मीकि द्वारा महान ग्रंथ रामायण में बतायी गयी शिक्षाएं समाज में सभी के लिए समान अवसर, भेदभाव रहित जीवन जीने और बुराई के खिलाफ एकजुट लड़ाई का संदेश देती हैं। वह महर्षि वाल्मीकि जयंती (सात अक्टूबर) से एक दिन पहले नई दिल्ली नगर निगम (एनडीएमसी) द्वारा आयोजित एक कार्यक्रम को संबोधित कर रही थीं।

गुप्ता ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, उनकी सरकार केंद्र के साथ मिलकर स्वास्थ्य, शिक्षा और रोजगार जैसे क्षेत्रों में समाज के सबसे वंचित वर्गों को पहला अवसर देने के लिए काम कर रही है। उन्होंने कहा, देश तब तक विकसित नहीं होगा जब तक समाज के सभी वर्ग एक साथ प्रगति नहीं करेंगे। मुख्यमंत्री ने कहा कि महर्षि वाल्मीकि समाज से सभी के लिए समान अवसर, समान प्रगति और भेदभाव रहित जीवन जीने की अपेक्षा रखते थे। उन्होंने कहा कि उनकी ये सभी शिक्षाएं रामायण में विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से परिलक्षित होती हैं। उन्होंने कहा कि शबरी द्वारा भगवान राम को अपने बेर खिलाना या भगवान राम द्वारा एक नाविक से नदी पार कराने का आग्रह करना, समाज में सभी को समान रूप से देखने का उदाहरण है।

भारत, कतर ने व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की

दोहा/भाषा। भारत और कतर ने सोमवार को दोनों देशों के बीच द्विपक्षीय व्यापार और निवेश बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की। वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने कतर के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री शेख फैसल बिन थानी बिन फैसल अल थानी के साथ विचार-विमर्श किया।

गोयल दो दिवसीय यात्रा पर यहां आए हैं। उन्होंने एक्स पर लिखा, ''हमने भारत-कतर द्विपक्षीय व्यापार बढ़ाने के उपायों पर चर्चा की और व्यापार, निवेश तथा रणनीतिक सहयोग में बहुआयामी साझेदारी को और मजबूत करने की अपनी प्रतिबद्धता की भी पुष्टि की।'' मंत्री दोनों देशों के बीच निवेश के अवसरों पर चर्चा करने के लिए यहां एक व्यापारिक प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे हैं। यह यात्रा ऐसे समय में हो रही है, जब दोनों देश एक मुक्त व्यापार समझौते पर बातचीत करने पर विचार कर रहे हैं। कतर खाड़ी सहयोग परिषद (जीसीसी) में भारत का एक महत्वपूर्ण व्यापारिक साझेदार है, जिसका द्विपक्षीय व्यापार 2024-25 में 14.15 अरब अमेरिकी डॉलर से अधिक था।

संयुक्त राष्ट्र महासभा में बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल भेजेगा भारत

नई दिल्ली/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) सांसद पी पी चौधरी और डी. पुरंदेश्वरी के नेतृत्व में सांसदों के दो बहुदलीय प्रतिनिधिमंडल न्यूयॉर्क में संयुक्त राष्ट्र महासभा के 80वें सत्र में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। चौधरी की अध्यक्षता वाला पहला समूह आठ अक्टूबर से 14 अक्टूबर के बीच न्यूयॉर्क में होगा जबकि दूसरा समूह 27 अक्टूबर से वहां मौजूद रहेगा। एक सांसद ने कहा कि ये गैर-आधिकारिक प्रतिनिधिमंडल हैं क्योंकि वे देश का प्रतिनिधित्व नहीं करते बल्कि भारतीय लोकतंत्र और विभिन्न मुद्दों पर देश के एकजुट रुख का प्रतिनिधित्व करते हैं।

चौधरी के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के अनिल बलूनी, निशिकांत दुबे और उज्ज्वल निकम, कांग्रेस के विवेक तन्खा और कुमारी सैलजा, समाजवादी पार्टी के राजीव राय और आरएसपी के एन. के. प्रेमचंद्रन समेत अन्य नेता शामिल हैं। अधिकारियों ने बताया कि प्रतिनिधिमंडल में कुल 15 सांसद हैं। दूसरे प्रतिनिधिमंडल में भाजपा के वी डी शर्मा, दिलीप सैकिया, रेखा शर्मा, राजद के मनोज कुमार झा, द्रमुक के पी विल्सन, तमिल मनीला कांग्रेस (मूपनार) के जी के वासन और आम आदमी पार्टी के संदीप कुमार पाठक शामिल हैं। पुरंदेश्वरी ने कहा, ''संयुक्त राष्ट्र महासभा एक अहम मंच है जहां सदस्य देश शांति और सुरक्षा से लेकर मानवाधिकार, विकास और अंतरराष्ट्रीय सहयोग जैसे प्रमुख वैश्विक मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक साथ आते हैं। मैं अपने राष्ट्र का प्रतिनिधित्व करने और विश्व मंच पर इन महत्वपूर्ण विचार-विमर्शों में योगदान देने के लिए उत्सुक हूं।''

निवेश जुटाने के लिए जापान की यात्रा पर पहुंचे हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

चंडीगढ़/भाषा। हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी निवेश जुटाने, प्रौद्योगिकी एवं विनिर्माण में सहयोग बढ़ाने और राज्य को वैश्विक निवेशकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य के रूप में पेश करने के इरादे से सोमवार को जापान की यात्रा पर टोक्यो पहुंचे।

जापान की तीन-दिवसीय यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक, औद्योगिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने का प्रयास करेंगे। उन्होंने अपने दौरे के पहले दिन जापान के विदेश राज्य मंत्री मियाजी ताकुमा और अर्थव्यवस्था, व्यापार एवं उद्योग मंत्रालय के राज्य मंत्री कोगा यूइचिरो से मुलाकात की और व्यापार, निवेश एवं प्रौद्योगिकी हस्तांतरण के अवसरों पर चर्चा की।

सैनी ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर इसकी जानकारी देते हुए कहा, ''विदेश मंत्रालय में राज्य मंत्री मियाजी ताकुमा से सार्थक चर्चा हुई। हरियाणा और जापान के बीच आर्थिक एवं सांस्कृतिक संबंधों को मजबूत करने पर विचार किया गया। मैंने उन्हें नवंबर में होने वाले अंतरराष्ट्रीय गीता महोत्सव में शामिल होने का निमंत्रण दिया। मैंने अगले साल अप्रैल में प्रस्तावित 'हैपनिंग हरियाणा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट' में भागीदार देश बनने का आमंत्रण भी दिया।'' उन्होंने कोगा यूइचिरो से हुई बैठक में हरियाणा और जापानी उद्यमों के बीच संभावित सहयोग, विशेषकर एसएमई क्षेत्र में साझेदारी के अवसरों पर चर्चा की। इस दौरान हरित ऊर्जा, उन्नत इलेक्ट्रॉनिक्स एवं सेमीकंडक्टर, भविष्य के परिवहन, बुनियादी ढांचा और डिजिटल कायांतरण जैसे क्षेत्रों में सहयोग की संभावनाएं तलाशने पर जोर रहा। सैनी ने बताया कि टोक्यो में उन्होंने वैश्विक इलेक्ट्रॉनिक उपकरण विनिर्माता टीडीके कॉरपोरेशन के साथ भी चर्चा की। कंपनी की अनुषंगी एटीएल बैटरी हरियाणा के सोहना (गुरुग्राम) में देश का सबसे बड़ा लिथियम-आयन बैटरी विनिर्माण संयंत्र स्थापित कर रही है। मुख्यमंत्री ने बताया कि हरियाणा सरकार ने वस्त्र समाधान से जुड़ी सीरेन कंपनी लिमिटेड के साथ एक एमओयू पर हस्ताक्षर किए हैं। इसके तहत कंपनी रोहतक में 220 करोड़ रुपए से अधिक का निवेश करेगी और 1,700 से ज्यादा रोजगार के अवसर पैदा होंगे।

उनके साथ हरियाणा के उद्योग एवं वाणिज्य मंत्री राव नरबीर सिंह, मुख्यमंत्री के मुख्य प्रमुख सचिव राजेश खुल्लर और राज्य सरकार के कुछ अन्य वरिष्ठ अधिकारी भी आए हैं। सैनी सात अक्टूबर को बुलेट ट्रेन (शिंकानसेन) के जरिये ओसाका की यात्रा करेंगे और वहां वर्ल्ड एक्सपो 2025 में हरियाणा राज्य क्षेत्र का उद्घाटन करेंगे। वह जापानी महापौरों और कारोबारी नेताओं से भी मुलाकात करेंगे। इसके अलावा क्योसेरा, मिनेबा मित्सुमी, मित्सुई किंजोकू कंपोनेंट्स, होरिबा लिमिटेड और सेमीकंडक्टर इक्विपमेंट एसोसिएशन ऑफ जापान जैसी कंपनियों के शीर्ष अधिकारियों के साथ भी बैठकें होंगी।

सेवापथ कंटक विहीन नहीं होता, सेवा के लिए संयम आवश्यक : सोनी

फरीदाबाद माहेश्वरी मण्डल ने मनाया 42वां स्थापना दिवस

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

फरीदाबाद। फरीदाबाद के माहेश्वरी मण्डल ने संस्था का 42वां स्थापना दिवस का आयोजन स्वास्तिक फार्मस् पर किया गया जिसमें मुख्य अतिथि के रूप में बेंगलूरु के उद्योगपति व माहेश्वरी पत्रिका के बोर्ड सदस्य देवेन्द्र सोनी, भाजपा के पूर्व राष्ट्रीय महामंत्री श्याम जाजू, उत्तराचंल महासभा के सदस्य अशोक सोमानी विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता उद्योगपति नारायण झंवर ने की व स्वागताध्यक्ष के रूप में माहेश्वरी सेवा ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष परशुराम साबू उपस्थित थे। स्थानीय मंडल के अध्यक्ष रामकुमार राठी, सचिव महेश गट्टानी आदि ने सभी अतिथियों का सम्मान किया । इस समारोह में मुख्य अतिथि देवेन्द्र सोनी ने कहा कि किसी भी संस्था के लिए 42 वर्षों तक सक्रिय रह कर समाज की सेवा करना एक प्रशंसनीय और प्रेरणादायक उपलब्धि है। उन्होंने फरीदाबाद माहेश्वरी मंडल की लम्बी 42वर्ष की यात्रा में सहयोग देने वालों के योगदान को याद करते हुए सभी को शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि सेवापथ कंटक विहीन नहीं होता। बहुत संयम नियम से ऐसी संस्थाओं को कामयाब करना होता है। सोनी ने अपनी समाज सेवाओं की जानकारी देते हुए माहेश्वरी पत्रिका की यात्रा बताई। उन्होंने कहा कि माहेश्वरी समाज से संवाद का माहेश्वरी पत्रिका एक सशक्त माध्यम है । यह आम माहेश्वरी बन्धु और महासभा के मध्य का पुल है। सोनी ने आगामी जनवरी माह में जोधपुर में आयोजित होने वाले 'माहेश्वरी महाकुंभ' के बारे में जानकारी दी।

राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार विजेताओं के चयन में व्यापक पड़ताल होगी: जितेंद्र सिंह

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री जितेंद्र सिंह ने सोमवार को यहां कहा कि चयन प्रक्रिया में अत्यधिक छानबीन और पड़ताल के कारण राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की घोषणा में देरी हुई है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में सर्वोच्च राष्ट्रीय सम्मान माने जाने वाले राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार की घोषणा 2023 में की गई थी और पहला पुरस्कार पिछले साल राष्ट्रीय अंतरिक्ष दिवस की पूर्व संध्या पर 22 अगस्त को प्रदान किया गया था।

पद्म पुरस्कारों की तर्ज पर विज्ञान रत्न, विज्ञान श्री, विज्ञान युवा-शांति स्वरूप भटनागर पुरस्कार और विज्ञान टीम पुरस्कारों की घोषणा 11 मई को राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर की जानी थी और पुरस्कार 23 अगस्त को प्रदान किए जाने थे। सिंह ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इनकी घोषणा कभी भी की जा सकती है। हममें से कुछ लोग जल्दबाजी में घोषणाओं के आदी हो गए हैं। अब व्यक्तिपरकता कम है। जांच-पड़ताल ज्यादा है और निष्पक्षता ज्यादा है।'' पिछले साल, राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (आरवीपी) ने तब विवाद खड़ा कर दिया था जब यह दावा किया गया था कि सरकार के आलोचक माने जाने वाले तीन वैज्ञानिकों को पुरस्कार विजेताओं की सूची से हटा दिया गया है। सिंह ने चयन प्रक्रिया का जिक्र करते हुए कहा, ''एक व्यापक बातचीत और व्यापक पड़ताल की व्यवस्था की गई है, जो संभवतः पहले नहीं हो रही थी।'' उन्होंने कहा कि पुरस्कारों को विभिन्न श्रेणियों में भी विभाजित किया गया है। विभिन्न संस्थानों द्वारा दिए जाने वाले 300 से ज्यादा पुरस्कारों को समाप्त करने के बाद राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (आरवीपी) की स्थापना की गई थी, और इसमें एक पदक और एक प्रशस्ति पत्र शामिल होता है, लेकिन नकद राशि नहीं दी जाती। राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार (आरवीपी) के लिए प्राप्त सभी नामांकन राष्ट्रीय विज्ञान पुरस्कार समिति (आरवीपीसी) के समक्ष रखे जाते हैं, जो विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी मंत्री को नामों की सिफारिश करती है।

फ्यूचर कंज्यूमर ने कर्ज भुगतान में कुल 575.81 करोड़ रुपए की चूक की

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। फ्यूचर कंज्यूमर लिमिटेड (एफसीएल) ने शेयर बाजार को बताया कि 30 सितंबर, 2025 तक उसने कुल 575.81 करोड़ रुपए के ब्याज और मूलधन के भुगतान में चूक की है। कर्ज में डूबी फ्यूचर समूह की दैनिक उपयोग की वस्तुएं (एफएमसीजी) बेचने वाली इकाई एफसीएल ने 30 सितंबर, 2025 तक 303.35 करोड़ रुपए का ऋण नहीं चुकाया है। इसमें बैंक से लिए गए मूलधन और ब्याज, दोनों शामिल हैं।

एफसीएल ने कहा कि कंपनी ने एनसीडी और एनसीआरपी जैसी गैर-सूचीबद्ध ऋण प्रतिभूतियों के माध्यम से जुटाए गए 272.46 करोड़ रुपए के कुल बकाया ऋण का भी भुगतान नहीं किया है। इसमें 158.82 करोड़ रुपए का मूलधन और 113.64 करोड़ रुपए का ब्याज शामिल है।

एफसीएल ने कहा कि कंपनी इस साल परिसंपत्ति मौद्रिकरण और ऋण कम करने की कोशिश करेगी।

'दिल और दिमाग से' होगा शिवसेना (उबाठा)-मनसे गठबंधन : संजय राउत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंबई/भाषा। शिवसेना (उबाठा) प्रमुख उद्धव ठाकरे की अपने चचेरे भाई और महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख राज ठाकरे के साथ मुलाकात के एक दिन बाद सांसद संजय राउत ने सोमवार को कहा कि उनकी चर्चा राजनीतिक थी और नगर निकाय चुनावों से पहले दोनों दलों के बीच गठबंधन ''दिल और दिमाग'' से किया जाएगा।

राउत ने पत्रकारों से बातचीत में कहा कि ठाकरे भाई इस बात पर आम सहमति पर पहुंच गए हैं कि मुंबई, ठाणे, कल्याण, डोंबिवली, नासिक और पुणे जैसे प्रमुख नगर निकायों पर मिलकर काम किया जाना चाहिए। उन्होंने कहा, कई अन्य नगर निकाय हैं, जहां शिवसेना (उबाठा) का दबदबा है, लेकिन ऐसे क्षेत्र भी हैं, जहां मनसे मजबूत है। राकांपा (एसपी) कुछ क्षेत्रों में मजबूत है। कांग्रेस विदर्भ के कई क्षेत्रों में मजबूत है। राउत ने कहा कि ठाकरे बंधुओं के बीच व्यक्तिगत और राजनीतिक संबंध मजबूत हैं। राउत ने यह भी कहा कि उनके बीच बातचीत बहुत आगे बढ़ गई है। उन्होंने सत्तारूढ़ भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) पर कटाक्ष करते हुए कहा, मुंबई का महापौर असली भगवा रंग वाला मराठी होगा। वह दिल्ली के आगे झुकने वाला नहीं होगा। रविवार को उद्धव और राज के बीच हुई मुलाकात का ज़िक्र करते हुए राउत ने कहा, चर्चा राजनीतिक थी। मनसे नेता बाला नंदगांवकर ने कहा कि आम मतदाताओं में ठाकरे परिवार के प्रति प्रेम है और राउत की टिप्पणी शायद परिवार के प्रति उनकी भावनाओं का परिणाम है। दोनों चचेरे भाई रविवार को बांद्रा में राउत के पोते के नामकरण समारोह के दौरान मिले। इसके बाद राज उपनगर स्थित उद्धव के आवास 'मातोश्री' गए और उनसे बातचीत की। पांच जुलाई के बाद से दोनों नेताओं की यह पांचवीं सार्वजनिक मुलाकात थी।

आंध्र सरकार टमाटर किसानों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाएगी : मंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

अमरावती/भाषा। आंध्र प्रदेश के कृषि मंत्री के. अत्चन्नायडू ने सोमवार को आश्वासन दिया कि राज्य सरकार टमाटर किसानों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाएगी।

मंत्री ने कहा कि भारी बारिश के कारण तेलंगाना, कर्नाटक और महाराष्ट्र को टमाटर की आपूर्ति बाधित हुई है।

अत्चन्नायडू ने एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा, सरकार टमाटर किसानों को नुकसान से बचाने के लिए कदम उठाएगी।

अत्चन्नायडू के अनुसार, राशाडु बाजार में टमाटर की कीमतें वर्तमान में 9 रुपए से 18 रुपए प्रति किलोग्राम के बीच हैं, जबकि पट्टीकोंडा बाजार में 40 टन से अधिक टमाटर की आपूर्ति नहीं हो रही है। उन्होंने कहा कि विभिन्न रायथू बाजारों को 10 टन टमाटरों की आपूर्ति की गई है। उन्होंने बताया कि सोमवार को पट्टीकोंडा बाजार में खरीद की जाएगी, जिसमें 10 टन चित्तूर स्थित प्रसंस्करण इकाई को और 15 टन टमाटर की आपूर्ति रायथू बाजारों को की जाएगी।

रायथू बाजार सरकार द्वारा संचालित किसानों के बाजार हैं जो किसानों को अपनी उपज सीधे उपभोक्ताओं को बेचने में सक्षम बनाते हैं, जिससे बिचौलियों की समस्या समाप्त हो जाती है।

महाराष्ट्र में 1977 के अपहरण मामले में व्यक्ति बरी, पूरी सुनवाई के दौरान फरार रहा

ठाणे/भाषा। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के विट्ठलवाड़ी पुलिस थाने में दर्ज अपहरण के एक मामले में लगभग पांच दशक बाद एक व्यक्ति को बरी कर दिया गया। मुकदमा उसकी अनुपस्थिति में चलाया गया क्योंकि आरोपी फरार था और उसे भगोड़ा घोषित कर दिया गया।

भारतीय दंड संहिता की धारा 363 (अपहरण) और 366 (किसी महिला को जबरन शादी के लिए मजबूर करना या उसकी मर्यादा भंग करना आदि) के तहत वीरपाल जसवंत वाल्मीकि के खिलाफ नौ मार्च 1977 को मामला दर्ज किया गया था, जबकि आरोप पत्र लगभग 25 साल बाद 28 मार्च 2001 को दायर किया गया था। यह मामला काफी समय तक लंबित रहा और औपचारिक आरोप सात अगस्त, 2025 को तय किए गए।

वाल्मीकि के खिलाफ नौ मार्च 1977 को उल्हासनगर के कैंप नंबर 3, झोपड़पट्टी से 16 वर्षीय लड़की का जबरन शादी करने के इरादे से अपहरण करने का आरोप लगाया गया था। अदालत ने 26 सितंबर को यह आदेश दिया था, जिसकी प्रति हाल ही में उपलब्ध करवायी गयी है। आदेश में अतिरिक्त सत्र न्यायाधीश एस.जी. इनामदार ने गैर-जमानती वारंट (एनबीडब्ल्यू) जारी करने और दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 82 के तहत उद्घोषणा के बावजूद अभियुक्त की उपस्थिति सुनिश्चित करने में अभियोजन पक्ष की असमर्थता और महत्वपूर्ण देरी का उल्लेख किया। अभियोजन पक्ष केवल एक गवाह, एक समन ज्यूटी पुलिस कांस्टेबल से पूछताछ कर सका, जिसने गवाही दी कि मुखबिर और अन्य महत्वपूर्ण गवाहों का पता नहीं चल पा रहा है और वे दिए गए पते पर नहीं रहते हैं।

अपने आदेश में, अदालत ने कहा कि अभियोजन पक्ष अभियुक्त के खिलाफ उचित संदेह से परे अपना मामला साबित करने में बुरी तरह विफल रहा है, इसलिए वह बरी किए जाने का हकदार है।

प्रधान न्यायाधीश की ओर जूता उछालने की कोशिश शर्मनाक, यह न्यायपालिका की गरिमा पर हमला : खरगे

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधान न्यायाधीश न्यायमूर्ति बी आर गवई की ओर कथित तौर पर जूता फेंकने की कोशिश की घटना की निंदा करते हुए सोमवार को कहा कि न्यायपालिका की गरिमा और कानून के शासन पर हमला है।

उच्चतम न्यायालय में सोमवार को कार्यवाही के दौरान एक वकील ने न्यायमूर्ति गवई की ओर कथित तौर पर जूता फेंकने की कोशिश की। यह घटना उस समय घटी जब प्रधान न्यायाधीश की अध्यक्षता वाली पीठ वकीलों द्वारा उल्लेख किए गए मामलों की सुनवाई कर रही थी।

खरगे ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, ''आज उच्चतम न्यायालय में भारत के माननीय प्रधान न्यायाधीश पर हमले का प्रयास शर्मनाक और घृणित है। यह हमारी न्यायपालिका की गरिमा और कानून के शासन पर हमला है।''

उनका कहना था, ''जब योग्यता, ईमानदारी और दृढ़शक्ति के माध्यम से देश के सर्वोच्च न्यायिक पद तक पहुंचे व्यक्ति को इस तरह से निशाना बनाया जाता है, तो यह एक बहुत परेशान करने वाली बात है। यह उस व्यक्ति को डराने और अपमानित करने के प्रयास को दर्शाता है जिसने संविधान को बनाए रखने के लिए सामाजिक बाधाओं को तोड़ा है।''

खरगे ने कहा कि इस तरह की हरकत से पता चलता है कि पिछले एक दशक में नफरत और कट्टरता ने हमारे समाज को किस तरह से अपनी चपेट में ले लिया है। उन्होंने कहा, ''कांग्रेस की ओर से मैं इस हमले की कड़े शब्दों में निंदा करता हूं। हमारी न्यायपालिका की सुरक्षा और संरक्षा सर्वोपरि है। न्याय और तर्क को प्रबल होने दें, भय को नहीं।''

भारत की ऊर्जा मांग 2050 तक अन्य देशों से अधिक बढ़ेगी: बीपी अर्थशास्त्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। ब्रिटिश तेल कंपनी बीपी ने सोमवार को कहा कि तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के दम पर भारत की तेल एवं ऊर्जा मांग 2050 तक अन्य देशों से अधिक बढ़ेगी और यह वैश्विक ऊर्जा बाजार का 12% से अधिक हिस्सा बन जाएगा।

बीपी के मुख्य अर्थशास्त्री स्पेंसर डेल ने बीपी की ऊर्जा परिदृश्य 2025 रिपोर्ट पेश करते हुए कहा कि भारत इस समय दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा तेल आयातक एवं उपभोक्ता देश है और चौथा सबसे बड़ा एलएनजी आयातक भी है। रिपोर्ट के मुताबिक, भारत की तेल मांग 54 लाख बैरल प्रतिदिन के मौजूदा स्तर से बढ़कर 2050 तक 91 लाख बैरल प्रतिदिन हो जाएगी। इस दौरान प्राकृतिक गैस की खपत भी लगभग दोगुनी होकर 63 अरब घन मीटर से बढ़कर 153 अरब घन मीटर हो जाएगी। यदि भारत की आर्थिक वृद्धि दर 2023 से 2050 तक औसतन पांच प्रतिशत प्रति वर्ष रहती है तो देश की प्राथमिक ऊर्जा खपत में भी मजबूती आएगी। वर्ष 2023 में वैश्विक मांग का सात प्रतिशत हिस्सा रखने वाले भारत की 2050 तक 12 प्रतिशत हिस्सेदारी के साथ विश्व ऊर्जा बाजार में एक महत्वपूर्ण भूमिका हो जाएगी। रिपोर्ट में दो परिदृश्य पेश किए गए हैं। पहला परिदृश्य मौजूदा वृद्धि-पथ पर आधारित है जबकि दूसरा परिदृश्य वैश्विक तापमान में दो डिग्री सेल्सियस की कमी लाने से संबंधित है। पहले परिदृश्य में भारत में कोयले का हिस्सा 2050 तक 40 प्रतिशत से ऊपर रहेगा, जबकि दूसरे परिदृश्य में यह घटकर 16 प्रतिशत रह जाएगा। प्राकृतिक गैस की खपत दोनों ही परिदृश्यों में एक से तीन प्रतिशत की सालाना दर से बढ़ती रहेगी। डेल ने कहा कि भारत विश्व का सबसे तेजी से बढ़ता ऊर्जा बाजार है। सौर एवं पवन ऊर्जा जैसे नवीकरणीय संसाधनों का हिस्सा बढ़ेगा लेकिन जीवाश्म ईंधन की मांग भी बनी रहेगी। उन्होंने भारत के वर्ष 2030 तक 500 गीगावॉट गैर-जीवाश्म बिजली क्षमता हासिल करने के लक्ष्य को भी सराहा, जो निर्धारित समय के एक-दो साल आगे जाकर पूरा हो जाएगा। भविष्य में भारत की ऊर्जा सुरक्षा के लिए आयात पर निर्भरता कम करना और घरेलू उत्पादन बढ़ाना अहम होगा। अधिकतम तेल मांग के संबंध में डेल ने कहा कि भारत की तेल मांग 2050 तक लगातार बढ़ती रहेगी, और प्राकृतिक गैस की खपत भी दोगुनी होगी। उन्होंने यह भी कहा कि तेजी से कार्बन कटौती के परिदृश्य में भी भारत की तेल एवं गैस मांग वर्ष 2030 के दशक के शुरुआती वर्षों तक बढ़ती रहेगी और फिर इसमें धीरे-धीरे गिरावट देखने को मिलेगी। बीपी के मुख्य अर्थशास्त्री ने अपने निष्कर्ष में कहा, भारत के ऊर्जा बाजार की वृद्धि तेज है और यह वैश्विक ऊर्जा परिदृश्य में अहम भूमिका निभाएगा।

समतावादी समाज का विरोध करने वाले जाति जनगणना पर भ्रामक दावे कर रहे हैं : सिद्दरामय्या

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने सामाजिक एवं शैक्षिक सर्वेक्षण का सोमवार को बचाव करते हुये कहा कि समतावादी समाज के निर्माण का विरोध करने वाले लोग इसके बारे में 'भ्रामक बयान' दे रहे हैं। इस सर्वेक्षण को व्यापक रूप से जाति जनगणना' कहा जाता है। मुख्यमंत्री ने यह भी स्पष्ट किया कि लिंगायत समुदाय द्वारा अलग धार्मिक दर्जा दिए जाने की मांग पर उनका कोई रुख नहीं है। उन्होंने कहा कि जाति सर्वेक्षण की समय सीमा बढ़ाने पर कोई भी निर्णय मंगलवार शाम तक प्राप्त कवरेज का आकलन करने के बाद लिया जाएगा। कर्नाटक राज्य पिछड़ा वर्ग आयोग द्वारा किया गया यह सर्वेक्षण 22 सितंबर को शुरू हुआ और सात अक्टूबर को समाप्त होगा।

सिद्दरामय्या ने उच्च वर्गों को दबाने के आरोपों पर पूछे गए सवालों के जवाब में कहा, आज़ादी को इतने साल हो गए हैं। क्या सामाजिक और शैक्षिक सर्वेक्षण होना चाहिए या नहीं। अगर नहीं होगा तो हम लोगों के रोज़गार, शैक्षिक और वित्तीय स्थिति के बारे में कैसे जान पायेंगे। समाज में उनकी स्थिति क्या है। यह जानने के लिए हमें आंकड़ों की ज़रूरत है, और आंकड़े इकट्ठा करने के लिए यह सर्वेक्षण किया जा रहा है।

उन्होंने यहां पत्रकारों से कहा, किसी को दबाने का सवाल ही नहीं उठता। जो लोग एक समतावादी समाज के निर्माण के विरोधी हैं, वे इस तरह के भ्रामक बयान दे रहे हैं। जो लोग समाज में बदलाव के विरोधी हैं, वे इसका (सर्वेक्षण का) विरोध कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रह्लाद जोशी के सर्वेक्षण में भाग न लेने के बयान पर एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री ने पूछा कि क्या वह केंद्र सरकार की राष्ट्रीय जनगणना के दौरान भी जाति गणना का विरोध करेंगे? यह पूछे जाने पर कि क्या सर्वेक्षण की समय सीमा बढ़ाई जाएगी, सिद्दरामय्या ने कहा, देखते हैं मंगलवार तक क्या होता है। मुझे उम्मीद है कि हम कल शाम तक सर्वेक्षण पूरा कर लेंगे। उन्होंने कहा, अब तक एक करोड़ दस लाख घरों का सर्वेक्षण हो चुका है, रविवार शाम तक 63 प्रतिशत कवरेज हो गया है। शेष घरों का सर्वेक्षण किया जाना बाकी है। हमारे पास आज और कल, यानी दो दिन हैं, और हमें उम्मीद है कि हम इसे पूरा कर लेंगे।

लिंगायत समुदाय की अलग धार्मिक स्थिति की मांग पर उन्होंने कहा, मेरा कोई रुख नहीं है। लोगों का रुख ही मेरा रुख है। सर्वेक्षण के दौरान हम वही लिखेंगे जो वे अपना धर्म बताते हैं। इस मुद्दे के फिर से उठने पर सिद्दरामय्या ने कहा, ''यह मुद्दा हमेशा से रहा है। कुछ विरक्त मठ स्वामीजी इसकी मांग कर रहे हैं।''

सिद्दरामय्या ने कहा है कि वह पांच साल तक मुख्यमंत्री रहेंगे : गृहमंत्री परमेश्वर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक के गृह मंत्री जी. परमेश्वर ने राज्य में मुख्यमंत्री बदले जाने की अटकलों को खारिज करते हुए सोमवार को कहा कि सिद्दरामय्या पहले ही स्पष्ट कर चुके हैं कि वह पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। परमेश्वर ने यहां संवाददाताओं से कहा, ''इस मामले पर सरकार और राज्य में सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर कोई भ्रम नहीं है।'' उन्होंने कहा, ''मुख्यमंत्री (सिद्दरामय्या) ने खुद कहा है कि वह पांच साल तक पद पर रहेंगे, तो फिर मुद्दा क्या है? क्या उनकी कोई जिम्मेदारी नहीं है? राज्य के मुख्यमंत्री की एक जिम्मेदारी होती है, और उसी जिम्मेदारी के तहत उन्होंने बयान दिया है कि वह पांच साल तक पद पर रहेंगे। बस, बात यहीं खत्म होती है।''

मुख्यमंत्री बदले जाने के बारे में कुछ कांग्रेस नेताओं द्वारा बार-बार दिए जा रहे बयानों के बारे में पूछे जाने पर उन्होंने कहा, ''वे कुछ कह सकते हैं या अपनी राय साझा कर सकते हैं, अगर आप लोग (मीडिया) चुप रहें, तो सब ठीक रहेगा।'' पिछले कुछ समय से राज्य के राजनीतिक हलकों, खासकर सत्तारूढ़ कांग्रेस के भीतर, नेतृत्व परिवर्तन की अटकलें तेज हो गई हैं, जिसमें सिद्दरामय्या और उपमुख्यमंत्री डी. के. शिवकुमार के बीच सत्ता-साझेदारी समझौते का हवाला दिया जा रहा है। कुणिगल से कांग्रेस विधायक एच.डी. रंगनाथ और मांड्या के पूर्व सांसद एल.आर. शिवराम गौड़ा ने पिछले हफ्ते यह दावा कर फिर से बहस छेड़ दी कि शिवकुमार अगले मुख्यमंत्री होंगे। गौड़ा ने कहा था कि ऐसा नवंबर में हो सकता है।

सिद्दरामय्या ने पिछले हफ्ते दोहराया था कि वह अपना कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने कहा था कि वह अपने दूसरे कार्यकाल में ढाई साल मुख्यमंत्री रहे हैं और बाकी ढाई साल भी पद पर बने रहेंगे। मई 2023 के विधानसभा चुनावों के बाद, सिद्दरामय्या और शिवकुमार के बीच मुख्यमंत्री पद के लिए कड़ी प्रतिस्पर्धा देखने को मिली थी, और अंततः कांग्रेस ने शिवकुमार को उपमुख्यमंत्री नामित किया। उस समय दोनों के बारी-बारी से मुख्यमंत्री ''बनने'' की खबरें थीं, जिसके तहत शिवकुमार ढाई साल बाद सिद्दरामय्या की जगह लेते, लेकिन पार्टी ने इसकी आधिकारिक पुष्टि नहीं की।

सिद्दरामय्या ने राजनीतिक क्रांति की अटकलों को 'भ्रांति' करार दिया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कोप्पल। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने पांच साल का अपना कार्यकाल पूरा करने का एक बार फिर भरोसा जताते हुए सोमवार को राज्य में नवंबर में राजनीतिक क्रांति होने की अटकलों को भ्रांति बताते हुए खारिज कर दिया। पिछले सप्ताह सिद्दरामय्या ने कहा था कि वह पांच साल का कार्यकाल पूरा करेंगे। उन्होंने कहा था। सिद्दरामय्या ने राज्य में तथाकथित नवंबर क्रांति से जुड़े सवाल के जवाब में कहा, यह कोई क्रांति नहीं है। यह केवल आपकी भ्रांति है।

नवंबर में जब कांग्रेस सरकार अपने पांच साल के कार्यकाल के आधे पड़ाव पर पहुंच जाएगी, तो राज्य में सत्ता परिवर्तन की अटकलें लगाई जा रही हैं, जिसे कुछ लोगों ने नवंबर क्रांति का नाम दिया है। भाजपा की कर्नाटक इकाई के अध्यक्ष बी. वाई. विजयेंद्र ने बिहार चुनाव के बाद राज्य में ''राजनीतिक बदलाव'' का रविवार को अनुमान जताया था। उन्होंने इस साल के अंत में मुख्यमंत्री बदलने की संभावना के बारे में सत्तारूढ़ कांग्रेस में उठ रही आवाजों का हवाला देते हुए यह बात कही थी।

कुनिगल से कांग्रेस विधायक एच डी रंगनाथ और मांड्या के पूर्व सांसद एल आर शिवराम गौड़ा ने पिछले सप्ताह यह दावा करके अटकलों को हवा दे दी थी कि शिवकुमार राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनेंगे। गौड़ा ने कहा था कि नवंबर में ऐसा होगा।

मुख्यमंत्री ने सीजेआई पर हमले की निंदा की, कहा-

जाति आधारित पूर्वाग्रह आज भी कायम

बेंगलूरु। कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने अदालती कार्यवाही के दौरान भारत के प्रधान न्यायाधीश (सीजेआई) बी. आर. गवई पर कथित तौर पर जूता फेंकने के प्रयास से जुड़ी घटना की सोमवार को कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि जाति-आधारित पूर्वाग्रह और मनुवादी मानसिकता अब भी बरकरार है। मुख्यमंत्री ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में आग्रह किया कि अपराधी के साथ-साथ ऐसे व्यवहार का समर्थन या प्रोत्साहन देने वालों के खिलाफ भी कानूनी कार्रवाई की जाए। सोमवार को एक 71 वर्षीय वकील ने न्यायमूर्ति गवई पर कथित तौर पर जूता फेंकने का प्रयास किया।

सिद्दरामय्या ने लिखा, मैं घटना की कड़ी निंदा करता हूं। प्रधान न्यायाधीश और न्यायपालिका, दोनों का अपमान करने की कोशिश करने वाले उपद्रवी वकील के खिलाफ तत्काल कानूनी कार्रवाई की जानी चाहिए। न्यायमूर्ति गवई की पृष्ठभूमि का उल्लेख करते हुए सिद्दरामय्या ने कहा, दलित समुदाय से संबंध रखने वाले न्यायमूर्ति गवई जड़ जमा चुकीं सामाजिक बाधाओं को अपनी योग्यता और दृढ़ता के बल पर पार करते हुए न्यायपालिका के सर्वोच्च पद तक पहुंचे हैं। यह घटना इस बात की कड़ी याद दिलाती है कि भारतीय संविधान लागू होने के 75 साल बाद आज भी जाति-आधारित पूर्वाग्रह और मनुवादी मानसिकताएं कायम हैं।

लिंगायत समुदाय ने अलग धर्म का दर्जा देने की मांग दोहराई

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। कर्नाटक में लिंगायत समुदाय ने अपने कई संतों के नेतृत्व में एक अलग धर्म का दर्जा दिए जाने की अपनी मांग दोहराई। यह मांग ''लिंगायत मातादीशरा ओक्कुटा'' द्वारा आयोजित बसव संस्कृति अभियान-2025' के समापन समारोह में उठाई गई। रविवार को आयोजित समारोह में पारित पांच प्रस्तावों में लिंगायतों की धार्मिक मान्यता के बारे में जागरूकता बढ़ाना भी शामिल है। प्रस्ताव में कहा गया है, सभी लिंगायत पहले भारतीय हैं। लिंगायत धर्म कन्नड़ का धर्म है। धर्म से पहले देश आता है। राष्ट्रीय चेतना के साथ देश की एकता के लिए सदैव प्रयासरत रहें।

लिंगायत धर्म को महात्मा बसवेश्वर और अन्य शरणों द्वारा 12वीं शताब्दी में स्थापित सबसे महान धर्म बताते हुए प्रस्ताव में कहा गया, भौगोलिक दृष्टि से हम सभी हिंदू हैं। धार्मिक मान्यता के लिए जागरूकता बढ़ाते रहें ताकि लिंगायतों को बौद्ध, जैन और सिखों की तरह सरकारी लाभ और आरक्षण सुविधाएं मिल सकें।

लिंगायत धर्म को समानता, भाईचारे और मानवीय मूल्यों का सच्चा धर्म बताते हुए प्रस्ताव में कहा गया, हम सभी को लिंगायतों की छोटी, पिछड़ी उपजातियों को अपनाना चाहिए, उनकी प्रगति के लिए प्रयास करना चाहिए, उपजातियों के बीच सभी मतभेदों को त्यागना चाहिए तथा उपजातियों के बीच वैवाहिक संबंध विकसित करने चाहिए। समापन समारोह में मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या, मंत्री एम बी पाटिल, शरण प्रकाश पाटिल, लक्ष्मी हेब्बालकर आदि ने भाग लिया। माना जाता है कि अलग धर्म के दर्जे के मुद्दे के कारण 2018 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस पार्टी को भारी कीमत चुकानी पड़ी।

सिद्दरामय्या के नेतृत्व वाली तत्कालीन कांग्रेस सरकार द्वारा लिंगायत समुदाय को धार्मिक अल्पसंख्यक' का दर्जा देने के लिए केंद्र से सिफारिश करने के फैसले के परिणामस्वरूप पार्टी को चुनाव में हार का सामना करना पड़ा था।

लिंगायत बहुल निर्वाचन क्षेत्रों में कांग्रेस को हार का सामना करने के साथ-साथ अलग 'लिंगायत धर्म' आंदोलन में सक्रिय रूप से शामिल उसके अधिकतर नेताओं को भी हार का सामना करना पड़ा। इस कदम को समुदाय को विभाजित करने के प्रयास के रूप में भी देखा गया, क्योंकि एक वर्ग ने वीरशैव और लिंगायत को एक ही बताए जाने पर नाराजगी व्यक्त की।

अखिल भारत वीरशैव महासभा के नेतृत्व वाले एक वर्ग ने अलग धर्म का दर्जा दिए जाने की मांग की थी और कहा था कि वीरशैव और लिंगायत एक ही हैं, जबकि दूसरा समूह इसे केवल लिंगायतों के लिए चाहता था क्योंकि उनका मानना है कि वीरशैव, शैवों के सात संप्रदायों में से एक है, जो हिंदू धर्म का हिस्सा है। रविवार को भी यह विभाजन स्पष्ट दिखाई दिया, क्योंकि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के समुदाय के नेता इस कार्यक्रम से दूर रहे।

ईडी ने कर्नाटक एमयूडीए मामले में 40 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क कीं

बेंगलूरु/नईदिल्ली। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने सोमवार को कहा कि उसने कर्नाटक एमयूडीए से जुड़ी धन शोधन जांच के सिलसिले में 40 करोड़ रुपये की संपत्तियां कुर्क की हैं। अधिकारियों ने बताया कि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के प्रावधानों के तहत चार अक्टूबर को 34 अचल संपत्तियों को कुर्क करने का अनंतिम आदेश जारी किया गया था, जिसमें एमयूडीए (मैसूरु शहरी विकास प्राधिकरण) के कुछ भूखंड भी शामिल हैं।

संघीय जांच एजेंसी ने एक बयान में कहा कि इन संपत्तियों का बाजार मूल्य 40.08 करोड़ रुपये है। धन शोधन का यह मामला कर्नाटक लोकायुक्त पुलिस की एक प्राथमिकी से जुड़ा है। ईडी ने पहले भी संपत्ति कुर्क करने के इसी तरह के आदेश जारी किए थे और इस नयी कार्रवाई के साथ ही अब तक इस जांच के तहत 400 करोड़ रुपये की संपत्ति कुर्क की जा चुकी है। ईडी ने सितंबर में पूर्व एमयूडीए आयुक्त जीटी दिनेश कुमार को गिरफ्तार किया था और वह फिलहाल न्यायिक हिरासत में जेल में हैं। एजेंसी ने कहा कि उसकी जांच में कुमार द्वारा अनुचित रिश्वत प्राप्त करने के कई सबूत पाए गए हैं। ईडी ने आरोप लगाया, अपराध की ऐसी आय का इस्तेमाल जी टी दिनेश कुमार के रिश्तेदारों/सहयोगियों के नाम पर अचल संपत्तियां खरीदने के लिए किया गया। जांच में कुमार द्वारा एमयूडीए के 31 भूखंडों के अवैध आवंटन का भी पता लगा।

ईडी ने दावा किया कि एमयूडीए अधिकारियों और रियल एस्टेट कारोबारियों के बीच गहरी सांठगांठ थी और साक्ष्य से पता चलता है कि मुआवजे के रूप में भूखंडों के आवंटन और भूखंडों की मंजूरी के लिए नकद भुगतान किया गया था। एमयूडीए मामला कर्नाटक के मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या की पत्नी पार्वती को आवंटित भूमि में कथित अनियमितताओं से जुड़ा है। हालांकि, जुलाई में उच्चतम न्यायालय ने इस मामले में पार्वती के खिलाफ ईडी की कार्यवाही को रद्द करने के कर्नाटक उच्च न्यायालय के फैसले को बरकरार रखा था।

इस मामले में राज्य सरकार द्वारा गठित न्यायमूर्ति पी एन देसाई आयोग ने भी सिद्दरामय्या और उनके परिवार को दोषमुक्त करार दिया है। लोकायुक्त पुलिस ने भी सिद्दरामय्या, पार्वती और दो अन्य को क्लीन चिट' देते हुए कहा है कि आरोप सबूतों के अभाव में साबित नहीं हो सके।

कर्नाटक में अलर्ट, अभिभावकों से कफ सिरप देते समय सावधानी बरतने का आग्रह

हासन। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने सोमवार को कहा कि मध्यप्रदेश और राजस्थान में कुछ खास कफ सिरप पीने से बच्चों की मौत की खबरों के बाद राज्य में अलर्ट जारी कर दिया गया है। मुख्यमंत्री सिद्दरामय्या ने भी स्वास्थ्य विभाग को इस मामले की जांच करने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री कोप्पल में बच्चों की मौतों पर पत्रकारों के सवालों का जवाब दे रहे थे। स्वास्थ्य मंत्री ने अभिभावकों से पांच साल से कम उम्र के बच्चों को कोई भी सिरप देते समय सावधानी बरतने का आग्रह करते हुए स्पष्ट किया कि अन्य राज्यों में बच्चों की मौत से जुड़ी घटिया कफ सिरप की कर्नाटक में आपूर्ति नहीं हुई है। उन्होंने कहा कि इसलिए यहां ऐसी कोई घटना सामने नहीं आयी है।

राव ने यहां संवाददाताओं से कहा, हमने अधिकारियों को पहले ही यह जांच करने का निर्देश दे दिया है कि क्या इनमें से कोई उत्पाद कर्नाटक में बेचा गया है और जहां तक हमारी जानकारी है, इनमें से कोई भी उत्पाद राज्य में नहीं आया है। राव के अनुसार, एहतियात के तौर पर, सभी ब्रांड की कफ सिरप के नमूने एकत्र कर उनकी जांच की जा रही है। राज्य का औषधि नियंत्रण विभाग पहले ही एहतियाती कदम उठा चुका है और सतर्क है।

उन्होंने कहा कि कर्नाटक इस तरह की दवा गुणवत्ता जांच करने वाले देश के अग्रणी राज्यों में से एक है। मंत्री ने अधिकारियों को कफ सिरप के इस्तेमाल के संबंध में दिशानिर्देश जारी करने के भी निर्देश दिए हैं। राव ने कहा कि अन्य राज्यों में मौतें कुछ दवा निर्माण इकाइयों की लापरवाही के कारण हुईं। उन्होंने अभिभावकों से आग्रह किया कि वे पांच साल से कम उम्र के बच्चों को कोई भी सिरप देते समय बेहद सावधानी बरतें और उन्होंने कफ सिरप का कम से कम इस्तेमाल करने की सलाह दी। मंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि केंद्र को दवा मिलावट पर नियंत्रण लगाने के लिए कड़े कानून बनाने चाहिए तथा राज्यों के बीच निर्बाध सूचना साझाकरण सुनिश्चित करने के लिए तंत्र स्थापित करना चाहिए।

भारतीय डाक ने पत्रकारों के सम्मान में विशेष डाक टिकट जारी किया

मंगलूरु। भारतीय डाक विभाग ने दक्षिण कन्नड़ श्रमजीवी पत्रकार संघ की स्वर्ण जयंती के उपलक्ष्य में सोमवार को यहां एक स्मारक डाक टिकट जारी किया। प्रेस क्लब परिसर में डाक टिकट जारी करने के बाद वरिष्ठ डाक अधीक्षक (मंगलूरु मंडल) सुधाकर माल्या ने कहा कि भारतीय डाक दशकों से डाक टिकटों के माध्यम से देश की ऐतिहासिक उपलब्धियों को दर्ज करता रहा है और भारतीय विरासत और संस्कृति को वैश्विक दर्शकों तक ले गया है।

उन्होंने बताया कि विभाग अपनी नागरिक-केंद्रित सेवाओं का विस्तार जारी रखे हुए है तथा डाक और बचत सुविधाओं के अलावा दुर्घटना और स्वास्थ्य बीमा योजनाएं भी प्रदान कर रहा है।

पावरग्रिड चित्रदुर्ग बेल्लारी ट्रांसमिशन लिमिटेड

(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
(भारत सरकार का एक उद्यम)
दक्षिणी क्षेत्र-II क्षेत्रीय मुख्यालय, आरटीओ ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के निकट, सिंगनायकनहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलुरु-560064

छूटे हुए तालुकों/जिलों को शामिल करने के संबंध में 29.03.2025 को प्रकाशित सार्वजनिक सूचना का शुद्धिपत्र

पावरग्रिड चित्रदुर्ग बेल्लारी ट्रांसमिशन लिमिटेड (जिसका पंजीकृत कार्यालय बी-9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, कटवारिया सराय, नई दिल्ली, भारत-110016 में है), भारत सरकार से विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 164 के तहत उसे सभी शक्तियां प्रदान करने के लिए आवेदन करना चाहता है, ताकि बिजली के संचरण के लिए विद्युत लाइनें या विद्युत संयंत्र स्थापित किए जा सकें अथवा टेलीफोन या टेलीग्राफिक संचार के उद्देश्य से कार्यों के उचित समन्वय के लिए आवश्यक हो, जो टेलीग्राफ प्राधिकरण के पास **दूरसंचार अधिनियम, 2023 (पूर्व में भारतीय टेलीग्राफ अधिनियम 1885)** के तहत है, सरकार द्वारा स्थापित या बनाए गए या इस प्रकार स्थापित या बनाए जाने वाले टेलीग्राफ के उद्देश्य से टेलीग्राफ लाइनें और पोस्ट लगाने के संबंध में और निम्नलिखित ट्रांसमिशन योजनाओं के लिए सर्वेक्षण, निर्माण, स्थापना, निरीक्षण, निर्माण और अन्य कार्यों के बाद कमीशनिंग, संचालन, रखरखाव और अन्य कार्य करेगा।

ट्रांसमिशन योजना का नाम: कर्नाटक में दावणगेरे/चित्रदुर्ग और बेल्लारी आरईजेड के एकीकरण हेतु पारेषण योजना।

इस योजना के अंतर्गत आने वाले कार्य:

क्र.सं.	ट्रांसमिशन योजना का दायरा
1.	400 केवी स्तर पर 4500 एमवीए प्रत्येक के दो (2) खंड और 220 केवी स्तर पर 2500 एमवीए प्रत्येक के चार (4) खंड के प्रावधान सहित दावणगेरे/चित्रदुर्ग, कर्नाटक के निकट 765/400 केवी 4x1500 एमवीए, 400/200 केवी 4x500 एमवीए पूलिंग स्टेशन की स्थापना।
2.	दावणगेरे/चित्रदुर्ग 765/400 केवी पीएस (40 किमी) पर नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन का एलआईएलओ {नरेंद्र न्यू-दावणगेरे खंड (280 किमी) पर दोनों सिरों पर 240 एमवीएआर एसएलआर और दावणगेरे-मधुगिरी खंड (200 किमी) पर दावणगेरे छोर पर 330 एमवीएआर एसएलआर के साथ}
3.	दावणगेरे/चित्रदुर्ग पीएस पर 2x330 एमवीएआर (765 केवी) बस रिएक्टर
4.	नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन (वर्तमान में 400 केवी स्तर पर चार्ज) का उसके रेटेड 765 केवी वोल्टेज स्तर पर उन्नयन
5.	3x1500 एमवीए, 765/400 केवी आईसीटी और 2x330 एमवीएआर, 765 केवी बस रिएक्टर सहित मधुगिरी {तुमकुर (वसंतनरसापुरा)} का उसके रेटेड वोल्टेज 765 केवी स्तर पर उन्नयन
6.	बेल्लारी क्षेत्र (बेल्लारी पीएस), कर्नाटक के निकट 4x500 एमवीए, 400/220 केवी पूलिंग स्टेशन की स्थापना
7.	बेल्लारी पीएस – दावणगेरे/चित्रदुर्ग 400 केवी (क्वाड एसीएसआर मूस) डी/सी लाइन
8.	बेल्लारी पीएस पर 2x125 एमवीएआर 420 केवी बस रिएक्टर

I. इस योजना के अंतर्गत शामिल दावणगेरे/चित्रदुर्ग 765/400 केवी पीएस (मौजूदा 765 केवी नरेंद्र (न्यू)-मधुगिरी (तुमकुर) लाइन से 765/400 केवी दावणगेरे एसएस (लूप इन) तक 765 केवी डी/सी लाइन) पर नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन का उक्त एलआईएलओ निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गांवों के नाम	तालुक	जिला
पूजारहल्ली, फुरुसहल्ली, लोकिकेरे, जुम्मोबनहल्ली, थिप्पेहल्ली, याम्बले, हुलिकेरे, होसहल्ली, कल्लहल्ली, केचमल्लनहल्ली, सुल्हल्ली, अलूर, कनामदागु, त्याकनहल्ली, हुडेम, मालूर, होसुर, यल्लाप्पारेड्डी थंडा।	कुडलिगी	विजयनगर
मदामुथनहल्ली, मूगिनाचिक्कनहल्ली, येराहल्ली, चिक्कमल्लानाहोल, टैटोन (थायचोनी), होसा कननकट्टे, कननकट्टे, हुचव्वनहल्ली, उलानगिरीटांडा, एच.कोराचारहट्टी, बदाबदनहल्ली, कसावनहल्ली, गोगुड्डू, रेड्डीहल्ली, थिम्मलापुरा, हिरेमल्लानाहोल, हलेहल्ली, मुदलामचिकेरे, सिद्दीहल्ली, उड्डागट्टा, भरमसमुद्र, कामगेथनहल्ली, हसहट्टी, डोनेहल्ली, अकनूर, कसावनहल्ली, कोरसरहट्टी, हनुमंतपुरा, हनुमंतपुरा गोलारहट्टी, रंगपुरा, पपेदेवरहल्ली, केच्वेनहल्ली, चिक्कम्मनहट्टी, केलागोटे, कनकुप्पा, पेटेकनकुप्पा, जगलूर, सिद्दम्मनहल्ली, मारेनहल्ली, गोपागोंडानहल्ली, लिंगनहल्ली, लिंगनहल्ली गोलारहट्टी, अरासिनगुंडी, कट्टिगेहल्ली, बिस्टुवल्ली, कोराटगेरे, के.लंबनहट्टी, कस्तूरीपुरा, महाराजनहट्टी, गुट्टीदुर्गा, संतेमुद्दपुरा, रस्तेमाकुंटे, सोमनहल्ली, गुकुलहट्टी, देवीकेरे, हलावदंडी, कुल्लोबनहल्ली, बुल्लानहल्ली, मलम्मनहल्ली, रस्तेमाचिकेरे, गिद्दनकट्टे, जगुलुर ग्रामीण, जगलूर गोलारहट्टी, हिदिगत्यंता, बंगारक्कनगुड्डा, वैश्यगोंडानहल्ली, ब्यारानायकनहल्ली गोलारहट्टी, बग्गेनाइकनहल्ली, ब्यारानायकनहल्ली, अनेबेनकनाहल्ली, बेनेहल्ली, मुस्तुरु, ब्याटेगरानहल्ली, गुट्टीदुर्गा, निबगुरु, बेदरकेरे।	जगुलुर	दावनगेरे

II. इस योजना के अंतर्गत शामिल दावणगेरे/चित्रदुर्ग 765/400 केवी पीएस (मौजूदा 765 केवी नरेंद्र (न्यू)-मधुगिरी (तुमकुर) लाइन से 765/400 केवी दावणगेरे एसएस (लूप आउट) तक 765 केवी डी/सी लाइन) पर नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन का उक्त एलआईएलओ निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गांवों के नाम	तालुक	जिला
पूजारहल्ली, फुरुसाहल्ली, लोकिकेरे, जुम्मोबनहल्ली, थिप्पेहल्ली, याम्बले, हुलिकेरे, होसाहल्ली, कल्लाहल्ली, केचमल्लनहल्ली, सुल्हल्ली, अलूर, कनामदागु, त्याकनहल्ली, हुडेम, मालूर, होसुर, यल्लाप्परेड्डी थंडा।	कुडलिगी	विजयनगर
मदामुथनहल्ली, मूगिनाचिक्कनहल्ली, येराहल्ली, चिक्कमल्लानाहोल, टैटोन (थायचोनी), होसा कननकट्टे, कननकट्टे, हुचव्वनहल्ली, उलानगिरीटांडा, एच.कोराचारहट्टी, बदाबदनहल्ली, कसावनहल्ली, गोगुड्डू, रेड्डीहल्ली, थिम्मलापुरा, हिरेमल्लानाहोल, हलेहल्ली, मुदलामचिकेरे, सिद्दीहल्ली, उड्डागट्टा, भरमसमुद्र, कामगेथनहल्ली, हसहट्टी, डोनेहल्ली, अकनूर, कसावनहल्ली, कोरसरहट्टी, हनुमंतपुरा, हनुमंतपुरा गोलारहट्टी, रंगपुरा, पपेदेवरहल्ली, केच्वेनहल्ली, चिक्कम्मनहट्टी, केलागोटे, कनकुप्पा, पेटेकनकुप्पा, जगलूर, सिद्दम्मनहल्ली, मारेनहल्ली, गोपागोंडानहल्ली, लिंगनहल्ली, लिंगनहल्ली गोलारहट्टी, अरासिनगुंडी, कट्टिगेहल्ली, बिस्टुवल्ली, कोराटगेरे, के.लंबनहट्टी, कस्तूरीपुरा, महाराजनहट्टी, गुट्टीदुर्गा, संतेमुद्दपुरा, रस्तेमाकुंटे, सोमनहल्ली, गुकुलहट्टी, देवीकेरे, हलावदंडी, कुल्लोबनहल्ली, बुल्लानहल्ली, मलम्मनहल्ली, रस्तेमाचिकेरे, गिद्दनकट्टे, जगुलुर ग्रामीण, जगलूर गोलारहट्टी, हिदिगत्यंता, बंगारक्कनगुड्डा, वैश्यगोंडानहल्ली, ब्यारानायकनहल्ली गोलारहट्टी, बग्गेनाइकनहल्ली, ब्यारानायकनहल्ली, अनेबेनकनाहल्ली, बेनेहल्ली, मुस्तुरु, ब्याटेगरानहल्ली, गुट्टीदुर्गा, निबगुरु, बेदरकेरे, जम्मापुरा, दयामलिंगनहल्ली, मदासनकट्टे, थोरानागाटे।	जगुलुर	दावनगेरे

III. योजना के अंतर्गत आने वाले नरेंद्र न्यू उपकेंद्र पर नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन को उसके रेटेड 765 केवी वोल्टेज स्तर (वर्तमान में 400 केवी स्तर पर चार्ज) तक अपग्रेड करने के लिए टर्मिनेशन लाइन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से गुजरेगी:

राज्य: कर्नाटक

गांवों के नाम	तालुक	जिला
मुत्तागी, नागावाड़ा, टक्कलकी, मुत्तगी क्रॉस, मुदागी	बसावन बागेवाड़ी (बसवाना बागेवाड़ी)	विजयपुरा
कुडगी (कुडगी), कुडगी टांडा	कोल्हार (कोल्हार)	

IV. योजना के अंतर्गत आने वाले नरेंद्र न्यू-मधुगिरी 765 केवी डी/सी लाइन को उसके रेटेड 765 केवी वोल्टेज स्तर (वर्तमान में 400 केवी स्तर पर चार्ज) तक अपग्रेड करने के लिए मधुगिरी उपकेंद्र पर उक्त टर्मिनेशन निम्नलिखित गांवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से गुजरेगा:

राज्य: कर्नाटक

गांवों के नाम	तालुक	जिला
येलादादलु (येलादादालु), नागेनाहल्ली, बच्छंद्रा (बत्संद्रा), गिरियानाहल्ली, लिंगनहल्ली(लिंगेनाहल्ली), गोल्लाहल्ली, पी गोल्लाहल्ली, तिम्माराजनहल्ली, कुरीकेम्पनहल्ली, नागार्जुनहल्लीपुरा (नागार्जुनहल्ली), जी नागेनाहल्ली, वड्डराहल्ली, बोम्मनहल्ली, चिक्कनहल्ली (चोककेनहल्ली), हरियप्पनहल्ली, वसंतनरसापुरा, डोड्डनपाल्या, केम्पनाडोडेरी, बुरदाघट्टा, शीबिदासाराहल्ली, हनुमंतपुरा, केटेनहल्ली, गोलारहट्टी, गौडीहल्ली।	तुमकुरु (तुमकुर)	तुमकुरु (तुमकुर)

V. योजना के अंतर्गत आने वाली बेल्लारी पीएस – दावणगेरे/चित्रदुर्ग 400 केवी (क्वाड एसीएसआर मूस) डी/सी लाइन निम्नलिखित गाँवों, कस्बों और शहरों से होकर, उनके ऊपर, चारों ओर और उनके बीच से गुज़रेगी:

राज्य: कर्नाटक

गांवों के नाम	तालुक	जिला
कुल्लोबनहल्ली, गोपागोंडानहल्ली, बुल्लानहल्ली, मलम्मनहल्ली, कस्तूरीपुरा, देवीकेरे, बिस्टुवल्ली, बी.गोल्लारहट्टी (उर्फ रस्तेमाकुंटे गोलारहट्टी), मेदागिनकेरे, कट्टीगेहल्ली, जगुलुर, जगुलुर गोलारहट्टी, सोमनहल्ली, बसवपुरा, रस्तेमाकुंटे, बूडिगुप्पे बसवपुरा, के.लंबनहट्टी, सेट्टीगोंडोनहल्ली, कोराटगेरे, कोदादागुड्डा, महाराजनहट्टी, लिंगन्नानहल्ली, रस्तेमाचिकेरे, मुश्तुरू, बायरनैकानहल्ली, ब्यारानैकनहल्ली गोलारहट्टी, बग्गेनहल्ली, वैश्यगोंडानहल्ली, गोड्डनकट्टे, चन्नापुरा, हुचापलानाहल्ली, इयानहल्ली (इनाहल्ली), कनकुप्पा, पेटेकनकुप्पा, मुस्तिगाराहल्ली, मीनिगराहल्ली, गुड्डाडालिंगनहल्ली, पलानाइकनकोटे, कल्लेनहल्ली, सुरद्दीहल्ली, गोडे, थावेहल्ली, चिक्कौरलाकेट, उरलाकट्टे, चैल्लाकट्टे, वरवेनहल्ली, रंगैहनादुर्गा, सिद्दैयहनाकोटा, उज्जप्पवडेरहल्ली, उज्जप्पनवाडेयाराहल्ली, गुड्डनैकनहल्ली, दिद्दागी, केंचम्मनगथिहल्ली, पल्लागट्टे, मसानीकट्टे, राजापुरा, होसदुर्गा, हुचंगीपुरा (उचानिगपुर), जडनाकट्टे, बसवनकोटे, मगदी, अगासनहल्ली, गुरुसिद्दपुरा, हुचंगिपुरा (उचंगिपुरा), उड्डाबोरनहल्ली, वड्डराहट्टी, मेडिकेरेहल्ली, मीनिगरिहल्ली, तारेहल्ली, गौडिकट्टे, मलामाचिकेरे, मारीकुंटे, असगोडु, ओबुलापुरा, मसानीकट्टे, मारेनहल्ली, बोम्मक्कनहल्ली, जम्मापुरा, अरासिनागुंडी, गुट्टीदुर्गा, संतेमुदापुरा, निबगुरु।	जगलूर	दावनगेरे
हुनासैहल्ली, कदबागेरी, अरसीकेरे, नागरकोंडा, अलादहल्ली, चिरानाहल्ली, सस्विहल्ली, हागारिगुडीहल्ली, कुनेमादिहल्ली, मट्टीहल्ली, होसाकोटे, केसरहल्ली, गौरीपुरा, गजपुरा, बालिगनुरु, बसवनलु, चिगाटेरी, निलुवनजी, पृथ्वीश्वर (पलाथेश्वर), लोलेश्वर, बेन्नीहल्ली, कडाकोला, मायदुर, बविहल्ली, मायदुरु हिल ब्लॉक नंबर 3, कोंगना होसुरु, नंदीबेवुरु, नंदीबेवुरु टांडा, कनविहल्ली, मदिहल्ली, होसाकोटे, मुत्तुगी, बुदिहालु।	हड़प्पानहल्ली	विजयनगर
मुसुकिनकल्लहल्ली (एम. कलहल्ली), केंचम्मनहल्ली, इत्तिगी, हेल इत्तिगी, तालाकल्लू, महाजनादहल्ली, वरकनहल्ली, सोगी, उथंगी, दशरहल्ली, दशरहल्ली टांडा, मुधेनुरु, हिरेमल्लानाकेरे, नंदीहल्ली, भाविहल्ली, अदाविमलेनकेरी, होलागुंधी।	हदागली (हूविना हदागली)	विजयनगर
कन्नेहल्ली, हनुमगोंडानहल्ली, मोरगेरी, बन्नीकल्लु, सोन्ना।	हगारीबोम्मनहल्ली	विजयनगर
रामनायकनहल्ली, के.इयानहल्ली, हरलू, अय्यानहल्ली, अलुबुरू, कोगाली, कुदुथिनमग्गी।	कोट्टूरू	विजयनगर

मार्ग संरेखण की प्रति अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में उपलब्ध है। आम जनता को सूचित किया जाता है कि वे इस सूचना के प्रकाशन की तिथि **07.10.2025** से दो माह के भीतर प्रस्तावित ट्रांसमिशन प्रणाली पर लिखित रूप से अधोहस्ताक्षरी के कार्यालय में अपनी राय/प्रतिवेदन प्रस्तुत करें।

अधिक जानकारी और स्पष्टीकरण के लिए कृपया संपर्क करें:
नाम: बी. श्रीधर
पदनाम: महाप्रबंधक (परियोजना प्रभारी)
कार्यालय का पता : पावरग्रिड चित्रदुर्ग बेल्लारी ट्रांसमिशन लिमिटेड
(पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड की पूर्ण स्वामित्व वाली सहायक कंपनी)
(भारत सरकार का एक उद्यम)
दक्षिणी क्षेत्र-II क्षेत्रीय मुख्यालय, आरटीओ ड्राइविंग टेस्ट ट्रैक के निकट, सिंगनायकनहल्ली, येलहंका होबली, बेंगलुरु-560064
ईमेल पता: **pcbrtl@powergrid.in, bsridhar@powergrid.in, कार्यालय फोन नंबर:** 080-23093700, **मोबाइल नंबर:** 9449596035

SR-II/PR-05/PN-Corgd/2025-26/Span

एक महारत्न पीएसयू

एसएमएस अस्पताल में आग लगने से छह मरीजों की मौत, प्रधानमंत्री ने दुख जताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। जयपुर के सरकारी सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में रविवार देर रात आग लगने से, गंभीर रूप से बीमार कम से कम छह मरीजों की मौत हो गई। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। ट्रॉमा सेंटर के प्रभारी डॉ. अनुराग धाकड़ ने बताया कि जब स्टोर रूम में आग लगी, तब न्यूरो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में 11 मरीजों का इलाज हो रहा था। उन्होंने कहा, छह की मौत हो गई और पाँच का इलाज चल रहा है। उन्होंने बताया कि आग लगने का संभावित कारण 'शॉर्ट सर्किट' माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने इस त्रासदी पर दुख व्यक्त करते हुए सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के जयपुर में एक अस्पताल में आग लगने की घटना में हुई, जान-माल की हानि अत्यंत दुखद है। जिन लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है, उनके प्रति मेरी संवेदना। घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना करता हूं।

केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने इस घटना में मरीजों की मौत पर शोक व्यक्त किया और कहा कि स्थानीय प्रशासन प्रभावित लोगों की सुरक्षा के लिए हर संभव कदम उठा रहा है। हादसे में आठ लोगों के मरने की खबर है लेकिन डॉ. धाकड़ और एसएमएस अस्पताल के अधीक्षक डॉ. सुशील भाटी ने कहा कि आग की घटना में छह लोगों की मौत हुई है। अधिकारियों ने बताया कि मृतकों की पहचान पिंटू (सीकर निवासी), दिलीप (आंधी, जयपुर निवासी), श्रीनाथ, रुक्मिणी, खुरमा (सभी भरतपुर निवासी) और बहादुर (सांगानेर, जयपुर निवासी) के रूप में हुई है।

डॉ. धाकड़ ने बताया कि आईसीयू में 11 मरीज भर्ती थे जिनमें से छह की मौत हो गई। इनमें दो महिलाएं और चार पुरुष हैं। उन्होंने कहा, चौदह अन्य मरीजों को एक अलग आईसीयू में भर्ती कराया गया था और सभी को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया गया। उन्होंने बताया कि आईसीयू में भर्ती मरीजों की हालत गंभीर है। जिस आईसीयू में आग लगी वहां न्यूरो के मरीज भी भर्ती थे। राज्य सरकार ने घटना की जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की है।

जयपुर की टोंक रोड पर स्थित एसएमएस अस्पताल राज्य का सबसे बड़ा सरकारी अस्पताल है जहां राज्य भर के साथ-साथ अन्य राज्यों से भी मरीज इलाज के लिए आते हैं। इसके अलावा गंभीर रूप से बीमार मरीजों को अन्य जिलों से भी एसएमएस अस्पताल रेफर किया जाता है। जिस ट्रॉमा सेंटर में आग लगी, वह व्यस्त टोंक रोड पर मुख्य अस्पताल भवन के सामने स्थित है। आग लगने से इमारत में अफरा-तफरी मच गई, धुआं तेजी से पूरी मंजिल पर फैल गया और मरीजों और उनके परिजनों में दहशत फैल गई। आग में कई दस्तावेज, आईसीयू उपकरण व अन्य सामान जलकर खाक हो गए।

अस्पताल के कर्मचारियों और मरीजों के तीमारदारों ने मरीजों को बाहर निकाला। यहां तक कि उन्हें उनके बिस्तरों सहित इमारत से बाहर भी पहुंचाया गया। सूचना मिलने के तुरंत बाद दमकलकर्मी मौके पर पहुंचे और लगभग दो घंटे में आग पर काबू पा लिया गया। घटनास्थल पर मौजूद वार्ड बॉय विकास ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया कि आग के विकराल होने से पहले उन्होंने और अन्य कर्मचारियों ने ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाया।

उन्होंने कहा, जब हमें आग की खबर मिली, तब हम ऑपरेशन थिएटर में थे, इसलिए हम तुरंत सेंटर के अंदर मौजूद लोगों को बचाने के लिए दौड़े। हम कम से कम तीन-चार मरीजों को बचाने में कामयाब रहे। हालांकि, आग की लपटें तेज होने के कारण, हम इमारत के अंदर नहीं जा सके। हमने ज्यादा से ज्यादा लोगों को बचाने की पूरी कोशिश की। उन्होंने बताया कि पुलिस बाद में पहुंची, लेकिन भारी धुएं के कारण वे तुरंत इमारत में नहीं जा सके। जब दमकल की टीम पहुंची, तो पूरा वार्ड धुएं से घिरा हुआ था। दमकलकर्मियों को आग बुझाने के लिए इमारत के दूसरी तरफ की एक खिड़की तोड़नी पड़ी। राज्य के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा, संसदीय कार्य मंत्री जोगाराम पटेल और गृह राज्य मंत्री जवाहर सिंह बेढम ने स्थिति का जायजा लेने के लिए ट्रामा सेंटर का दौरा किया।

पटेल और बेढम के वहां पहुंचने पर दो मरीजों के तीमारदारों ने अपनी पीड़ा व्यक्त की और आरोप लगाया कि आग लगने के दौरान कर्मचारी भाग गए थे। उन्होंने यह भी दावा किया कि अस्पताल के कर्मचारी उनके मरीजों की स्थिति के बारे में जानकारी नहीं दे पा रहे थे।

वहां मौजूद एक व्यक्ति ने कहा, हमने धुआं देखा और तुरंत कर्मचारियों को सूचित किया, लेकिन उन्होंने कोई ध्यान नहीं दिया। जब आग लगी, तो वे सबसे पहले भागे। अब, हमें अपने मरीजों के बारे में कोई जानकारी नहीं मिल पा रही है। हम उनकी हालत जानना चाहते हैं, लेकिन कोई हमें बता नहीं रहा है। बाद में, मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा भी घटनास्थल पर पहुंचे और चिकित्सकों एवं मरीजों से बात की।

उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, जयपुर के सवाई मानसिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की घटना अत्यंत दुर्भाग्यपूर्ण है। अस्पताल पहुंचकर चिकित्सकों एवं अधिकारियों से जानकारी ली और त्वरित राहत कार्य सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मरीजों की सुरक्षा, इलाज और प्रभावित लोगों की देखभाल के लिए हर संभव कदम उठाए जा रहे हैं और स्थिति पर लगातार नजर रखी जा रही है। शर्मा ने कहा, प्रभु श्रीराम दिवंगत आत्माओं को अपने चरणों में स्थान दें। राज्य सरकार प्रभावित परिवारों के साथ है और उन्हें हर संभव सहयोग प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

जब मुख्यमंत्री शर्मा अस्पताल पहुंचे तो कुछ परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिस ने उनके साथ धक्का मुक्की की। बाद में, उन्होंने अस्पताल प्रशासन और राज्य सरकार की कथित लापरवाही के खिलाफ ट्रॉमा सेंटर के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया। एक प्रवक्ता के अनुसार हादसे को देखते हुए मुख्यमंत्री शर्मा ने दिल्ली का सरकारी दौरा स्थगित किया है। वह लगातार घटना पर नजर रख रहे हैं।

राज्य सरकार ने हादसे की जांच के लिए समिति बनाने की घोषणा की है। यह समिति आग लगने के कारणों, अस्पताल की आपात स्थिति से निपटने की तैयारी और प्रतिक्रिया, सुरक्षा उपायों और भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोकने के उपायों पर विचार करेगी। इस समिति की अध्यक्षता चिकित्सा शिक्षा विभाग के आयुक्त इकबाल खान करेंगे। समिति द्वारा घटनास्थल का निरीक्षण और घटना के सभी पहलुओं की समीक्षा के बाद अपनी विस्तृत रिपोर्ट प्रस्तुत करने की उम्मीद है। इस बीच, पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने कहा कि यह घटना हृदयविदारक है और उन्होंने राज्य सरकार से उच्च-स्तरीय जांच कराने का आग्रह किया ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं न हों। गहलोत ने अस्पताल का दौरा किया और पीड़ित परिवार से मुलाकात की।

उपराष्ट्रपति राधाकृष्णन ने शोक जताया

नयी दिल्ली। उपराष्ट्रपति सी.पी. राधाकृष्णन ने सोमवार को जयपुर के एक अस्पताल में आग लगने की घटना में लोगों की मौत होने पर शोक व्यक्त किया तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। जयपुर के राजकीय सवाई मान सिंह (एसएमएस) अस्पताल की न्यूरो गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में देर रात भीषण आग लग गई, जिससे छह मरीजों की मौत हो गई। राधाकृष्णन ने 'एक्स' पर एक पोस्ट में कहा, राजस्थान के जयपुर स्थित एक अस्पताल में आग लगने की दुखद घटना में लोगों की मौत से गहरा दुख हुआ है। शोक संतप्त परिवारों के प्रति मेरी हार्दिक संवेदना। जिन्होंने अपने प्रियजनों को खो दिया है, मैं उन्हें इसे सहन करने की शक्ति प्रदान करने तथा घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना करता हूँ। अधिकारियों के अनुसार, घटना के समय आईसीयू में 11 मरीजों का इलाज हो रहा था। आग लगने का संभावित कारण 'शॉर्ट सर्किट' माना जा रहा है।

खांसी सिरप की गुणवत्ता प्रकरण पर मुख्य सचिव की बैठक

चिकित्सकीय सलाह और निर्धारित खुराक के अनुसार ही दवा लेने के लिए आमजन को करें जागरूक : पंत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। मुख्य सचिव सुधांश पंत ने सोमवार को शासन सचिवालय में खांसी सिरप की गुणवत्ता प्रकरण के संबंध में चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों की बैठक ली। उन्होंने निर्देश दिए कि राज्य में खांसी की दवा के वितरण और उपयोग पर सख्त निगरानी रखी जाये और अमानक पाई जाने पर दवा निर्माताओं के विरुद्ध सख्त कार्रवाई की जाये। उन्होंने कहा कि चिकित्सा एवं स्वास्थ्य सेवाओं में किसी भी लापरवाही की स्थिति में जिम्मेदारी तय की जाएगी।

मुख्य सचिव ने कहा कि राज्य सरकार का प्रमुख उद्देश्य नागरिकों के स्वास्थ्य की सुरक्षा और स्वास्थ्य सेवाओं की उच्च गुणवत्ता सुनिश्चित करना है। उन्होंने कहा कि आमजन को केवल चिकित्सक की सलाह और निर्धारित खुराक के अनुसार ही दवा लेने के लिए जागरूक किया जाए। उन्होंने प्रदेश में चिकित्सक, फार्मासिस्ट और स्वास्थ्यकर्मियों द्वारा दवा प्रोटोकॉल का सख्ती से पालन किया जाना सुनिश्चित करने के भी निर्देश दिये। पंत ने विशेष रूप से बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए संभावित हानिकारक दवाओं पर सतर्क चेतावनी अंकित करने के निर्देश दिएं। साथ ही डोर-टू-डोर सर्वे और आईईसी गतिविधियों के

माध्यम से जनजागरूकता अभियान तेज करने के निर्देश दिये ताकि लोग बिना चिकित्सकीय परामर्श दवाइयों का सेवन न करें।

चिकित्सा एवं स्वास्थ्य विभाग की प्रमुख शासन सचिव श्रीमती गायत्री राठौड़ ने बैठक में बताया खांसी की दवा की गुणवत्ता का प्रकरण सामने आते ही विभाग द्वारा इस दवा के सभी बैचों के उपयोग एवं वितरण पर रोक लगा दी थी। साथ ही दवाओं के उपयोग को लेकर एडवाइजरी जारी कर व्यापक स्तर पर जागरूकता के लिए कदम भी उठाए जा रहे हैं। दवायां लिखने एवं उपयोग को लेकर चिकित्सक, फार्मासिस्ट एवं आमजन की वृहद स्तर पर काउंसलिंग की जा रही है। खांसी की सीरप के उपयोग के स्थान पर अन्य वैकल्पिक उपायों से उपचार पर जोर दिया जा रहा है।

श्रीमती राठौड़ ने बताया कि मौसमी बीमारियों के दृष्टिगत प्रदेश में सीएचओ, एएनएम एवं आशा के माध्यम से डोर-टू-डोर सर्वे किया जा रहा है। इस सर्वे के दौरान खांसी, जुकाम एवं बुखार के लक्षण वाले रोगियों को चिन्हित करने के साथ ही आमजन को आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जागरूक किया जा रहा है कि वे किसी भी तरह की बीमारी के मामले में घर पर रखी किसी दवा का उपयोग नहीं करें। नजदीकी चिकित्सा संस्थान जाकर चिकित्सक से परामर्श लें एवं चिकित्सकीय सलाह के अनुसार ही दवाइयों का सेवन करें। विशेषरूप से बच्चों एवं गर्भवती महिलाओं को बिना चिकित्सक के परामर्श के कोई दवा नहीं दें। घर में रखी दवाओं को बच्चों की पहुंच से दूर रखें।

उन्होंने बताया कि दवा के उपयोग, बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों एवं विभिन्न पहलुओं पर विस्तृत जांच करने के लिए तकनीकी समिति भी गठित कर दी है। यह समिति बच्चों में सामने आ रहे लक्षणों, उन्हें दिए जा रहे उपचार सहित विभिन्न पक्षों पर जांच एवं अनुसंधान कर रही हैं।

उन्होंने बताया कि प्रदेश के नामी शिशु रोग विशेषज्ञों एवं अन्य विशेषज्ञों से भी इस प्रकरण को लेकर चर्चा की जा रही है। कई विशेषज्ञों ने अवगत भी कराया है कि इस मौसम में बच्चों में कई बार दिमागी बुखार, निमोनिया, सांस में तकलीफ जैसे मामले सामने आते हैं, जिनसे बच्चों की मौत हो जाती है। हमारा प्रयास है कि बच्चों की मौत के वास्तविक कारणों का पता लगाया जाए ताकि भविष्य में ऐसी घटनाएं नहीं हो और बचाव के लिए आवश्यक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। विगत दिनों भरतपुर, सीकर एवं अन्य स्थानों पर मुख्यमंत्री निःशुल्क दवा योजना में आपूर्ति की जाने वाली औषधि Dextromethorphan HBr Syrup IP 13.5mg/5ml की गुणवत्ता का मामला सामने आया है। शिकायत प्राप्त होने पर विभाग ने तत्काल प्रभाव से शिकायती बैचों के वितरण व उपयोग पर रोक लगा दी। साथ ही, इन बैचों के वैधानिक नमूने लेकर गुणवत्ता जांच के लिए राजकीय औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भिजवाया गया। तीनों ही प्रकरणों में जाँच में चिकित्सक द्वारा उक्त दवा लिखे जाने एवं दिए जाने की पुष्टि प्राथमिक जांच में नहीं हुई है। उन्होंने बताया कि सतर्कता बरतते हुए एहतियात के तौर पर फिर भी केंद्र सरकार ने वर्ष 2021 में एडवाइजरी जारी कर 4 साल से छोटे बच्चों को डेक्स्ट्रोमैथोरपन दवा नहीं देने के लिए कहा था। इसके क्रम में राज्य सरकार ने भी एडवाइजरी जारी की है। गत शुक्रवार को ड्रग कंट्रोलर आफ इंडिया ने पुनः एक एडवाइजरी जारी कर कहा है कि सामान्यतः 5 साल से बड़े बच्चों को ही यह दवा दी जाए।

राजकुमार बने बड़माता मंदिर संस्थान ट्रस्ट के अध्यक्ष व प्रकाशचन्द बने महामंत्री

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

मुंडवा। स्थानीय बड़माता मंदिर संस्थान ट्रस्ट के नव निर्वाचित अध्यक्ष राजकुमार लोढ़ा ने अपनी कार्यकारिणी समिति की घोषणा करते हुए महामंत्री पद पर प्रकाशचंद लोढ़ा, कोषाध्यक्ष अशोक सुवालाल, प्रचार प्रसार मंत्री निर्मल लोढ़ा को नियुक्त किया गया है। अध्यक्ष राजकुमार लोढ़ा ने कहा है कि मुंडवा माता मंदिर का जीर्णोद्धार शीघ्र ही प्रारंभ होने वाला है। ओसवाल जैन लोढ़ा गौत्र का बड़माता मंदिर अति प्राचीन है। यहां पर बड़ी बड़ी धर्मशालाएं एवं भोजनशाला भी निर्मित है। नवरात्रि में बड़ा मेला भी लगता है। ट्रस्ट के पूर्व अध्यक्ष व पूर्व सांसद मेघराज लोढ़ा, गोरधनमल लोढ़ा, धनपतसिंह लोढ़ा आदि ने नए पदाधिकारियों को शुभकामनाएं दी।

हादसे की उच्च स्तरीय जांच हो : गहलोत

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

जयपुर। राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने सरकारी सवाई मानसिंह (एसएमएस) अस्पताल हादसे की उच्चस्तरीय जांच की मांग की है। गहलोत ने कहा कि सरकार सुनिश्चित करे कि ऐसी घटना फिर नहीं हो। जयपुर के एसएमएस अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर की गहन चिकित्सा इकाई (आईसीयू) में रविवार देर रात लगी आग में कम से कम छह मरीजों की मौत हो गई। गहलोत ने इस हादसे पर शोक जताते हुए कहा कि राज्य सरकार इस घटना की उच्च स्तरीय जांच करवाकर यह सुनिश्चित करे कि भविष्य में कहीं भी ऐसे हादसों की पुनरावृत्ति नहीं हो सके।

कांग्रेस की राजस्थान इकाई के अध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा ने इस घटना को स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही बताया है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा, यह सिर्फ एक हादसा नहीं, स्वास्थ्य विभाग की लापरवाही और अव्यवस्थाओं की एक और भयावह मिसाल है। डोटासरा ने कहा, झालावाड़ स्कूल हादसे के बाद 'कफ सिरप' से बच्चों की मौत और अब ये अस्पताल हादसा, इससे पहले कि लोगों का सरकारी सेवाओं से विश्वास उठ जाए कुछ करिए सरकार। जांच करके जिम्मेदारी तय होनी चाहिए, दोषियों के खिलाफ कठोरतम कार्रवाई होनी चाहिये। विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष टीकाराम जूली ने कहा, इस भीषण घटना ने मन को झकझोर कर रख दिया है, हृदय अत्यंत व्यथित है। मेरी गहरी संवेदनाएं दिवंगतों के परिजनों के साथ हैं। कांग्रेस नेता सचिन पायलट ने कहा कि अस्पताल में ऐसा हादसा निश्चित रूप से लापरवाही की वजह से हुआ है। इस बीच राज्यपाल हरिभाऊ बागड़े, राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने हादसे पर शोक जताया है।

देवनानी ने लंदन में गांधीजी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की

जयपुर। राजस्थान विधानसभा अध्यक्ष वासुदेव देवनानी ने लंदन में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा, ब्रिटिश नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी में महाराजा गंगा सिंह के पोर्ट्रेट और ब्रिटिश म्यूजियम में मां सरस्वती के चित्र का अवलोकन कर भारत की महान विरासत पर गौरव का अनुभव किया। गांधीजी की प्रतिमा पर श्रद्धांजलि अर्पित - देवनानी ने लंदन में राष्ट्र पिता महात्मा गांधी की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया।

उन्होंने कहा कि गांधीजी केवल भारत नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के प्रेरणापुंज है। उनका सत्य, अहिंसा और नैतिकता पर आधारित जीवन आज भी विश्व के लिए मार्गदर्शक है। गांधीजी की लंदन जैसे शहर में प्रतिमा यह स्मरण कराती है कि भारत की कार्य शैली करुणा, शांति और सत्य पर आधारित है। महाराजा गंगा सिंह के ऐतिहासिक चित्र का अवलोकन - देवनानी ने ब्रिटिश नेशनल पोर्ट्रेट गैलरी का अवलोकन किया और बीकानेर के महाराजा गंगा सिंह के ऐतिहासिक ऑयल पेंटिंग पोर्ट्रेट को देखा।

पर्यावरणविदों ने दार्जिलिंग भूस्खलन के लिए अनियोजित शहरीकरण को ज़िम्मेदार ठहराया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दार्जिलिंग/भाषा। पर्यावरणविदों ने दार्जिलिंग में भूस्खलन को ''मानव निर्मित पारिस्थितिक आपदा'' बताया है, जो दशकों से वनों की कटाई, अनियोजित शहरीकरण और प्रशासनिक उदासीनता का अपरिहार्य परिणाम है, जिसने संवेदनशील हिमालयी ढलुआ भूभाग को विनाश के कगार पर पहुंचा दिया है।

उन्होंने कहा कि आगे का रास्ता विकेन्द्रीकृत आपदा नियोजन, निर्माण मानदंडों का सख्त प्रवर्तन और जलवायु के प्रति संवेदनशील विकास में निहित है, ताकि 'पहाड़ों की रानी' को बार-बार आपदा क्षेत्र में बदलने से रोका जा सके। लंबे समय से पर्यटकों के लिए पसंदीदा रही सुरम्य दार्जिलिंग पहाड़ियां अब प्रकृति का कहर झेल रही हैं। बारह घंटे की लगातार बारिश के बाद जानलेवा भूस्खलन की सिलसिलेवार घटनाएं हुईं जिनमें 20 से ज़्यादा लोग मारे गए और दर्जनों बेघर हो गए। शांत ढलुआ भूभाग अब मलबे और निराशा के स्थलों में बदल गया है। ये भयावह रूप से यह बात याद दिलाती हैं कि प्रकृति का प्रतिशोध अक्सर प्रतिकूल मानवीय गतिविधियों के कारण होता है। लंबे समय से ऐसी आपदा की चेतावनी देते आ रहे पर्यावरणविदों और विशेषज्ञों ने कहा कि यह कोई अप्रत्याशित आपदा नहीं है, बल्कि वर्षों के पारिस्थितिकी शोषण और प्रशासनिक उदासीनता का परिणाम है। नॉर्थ बंगाल साइंस सेंटर के सदस्य एवं पर्यावरणविद् सुजीत राहा ने कहा, ''पहाड़ दशकों की उपेक्षा की कीमत चुका रहे हैं-वनों की कटाई, अनियोजित सड़कें और अंधाधुंध निर्माण ने भूभाग को अस्थिर बना दिया है। बारिश तो बस एक कारण है; असली वजह यह है कि हमने पहाड़ों के साथ कैसा व्यवहार किया है।'' उन्होंने कहा, ''ऐसे संकटों से निपटने के लिए कोई उचित आपदा प्रबंधन योजना नहीं है। प्रशासन और अधिकारियों को इस समस्या को गंभीरता से लेना चाहिए तथा इसे वार्षिक त्रासदी नहीं मानना चाहिए।'' राहा ने कहा कि अनियंत्रित शहरी विकास, खराब जल निकासी व्यवस्था और निर्माण के लिए पहाड़ियों की कटाई ने दार्जिलिंग के पारिस्थितिकी तंत्र को पहचान से परे बदल दिया है। कोलकाता में सरोजिनी नायडू महिला महाविद्यालय में प्रोफेसर एवं आपदा प्रबंधन विशेषज्ञ शैलेन्द्र मणि प्रधान ने कहा कि भूस्खलन देश में पारिस्थितिकीय रूप से सर्वाधिक संवेदनशील क्षेत्रों में से एक में अनियमित विकास का प्रत्यक्ष परिणाम है। उन्होंने कहा, ''दार्जिलिंग एक उच्च भूकंपीय क्षेत्र में स्थित है और स्वाभाविक रूप से भूस्खलन संभावित माना जाता है। फिर भी, पर्यटन और आवास के लिए बुनियादी ढांचे का विकास भवन उपनियमों या जल निकासी मानदंडों का पालन किए बिना जारी है। भूभाग को उसकी सीमा तक धकेला जा रहा है।'' प्रधान ने बताया कि विशेष रूप से मिरिक, कुर्सियांग, कलिम्पोंग और दार्जिलिंग शहरों में अस्थिर ढलानों पर बहुमंजिला इमारतों के अनियंत्रित निर्माण ने जोखिम को कई गुना बढ़ा दिया है। उन्होंने आपदा प्रबंधन के विकेन्द्रीकरण का आह्वान करते हुए कहा कि राष्ट्रीय और राज्यस्तरीय ढांचे मौजूद हैं, लेकिन ''जिला स्तरीय आपदा प्रबंधन समितियां बड़े पैमाने पर निष्क्रिय बनी हुई हैं।''

बिहार चुनाव निरंतर विकास और घुसपैठियों से मुक्ति के लिए : नड्डा

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। बिहार विधानसभा चुनाव में भाजपा नीत राजग की जीत का विश्वास व्यक्त करते हुए पार्टी अध्यक्ष जे पी नड्डा ने सोमवार को कहा कि यह चुनाव राज्य के विकास को जारी रखने, घुसपैठियों से मुक्ति दिलाने और ''जंगल राज'' की वापसी को रोकने के लिए है।

निर्वाचन आयोग द्वारा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा किए जाने के बाद 'एक्स' पर एक पोस्ट में उन्होंने कहा कि बिहार में राजग सरकार लोगों के कल्याण और सुशासन का पर्याय बन गई है।

उन्होंने कहा, ''मुझे पूरा विश्वास है कि बिहार की पवित्र धरती, जो लोकतंत्र की जननी है, भाजपा और राजग को अपना आशीर्वाद तथा भारी बहुमत देगी।''

भाजपा अध्यक्ष ने चुनाव घोषणा का स्वागत करते हुए कहा कि चुनाव लोकतंत्र का सबसे बड़ा पर्व है और देश तथा राज्य को विकास एवं सुशासन के पथ पर आगे बढ़ाने का प्राथमिक माध्यम है।

मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को घोषणा की कि बिहार में विधानसभा चुनाव दो चरणों में छह और 11 नवंबर को होगा, जबकि मतों की गिनती 14 नवंबर को की जाएगी।

''बुर्कानशीं'' मतदाताओं की पहचान के लिए आंगनवाड़ी सेविकाएं उपलब्ध रहेंगी : मुख्य निर्वाचन आयुक्त

नई दिल्ली/भाषा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को कहा कि बिहार विधानसभा चुनाव में ''बुर्कानशीं'' या ''पर्दानशीं'' मतदाताओं की पहचान के लिए मतदान केंद्रों पर आंगनवाड़ी कर्मी उपलब्ध रहेंगी तथा आवश्यकता होने पर तय निर्देशों के तहत पहचान का सत्यापन होगा। उन्होंने बिहार विधानसभा चुनाव का कार्यक्रम घोषित करने से संबंधित संवाददाता सम्मेलन के दौरान एक सवाल के जवाब में यह टिप्पणी की। कुमार से सवाल किया गया कि बुर्के या घूंघट में आने वाली महिला मतदाताओं की पहचान के लिए क्या प्रबंध किए गए हैं? इसके जवाब में मुख्य निर्वाचन आयुक्त ने कहा, ''जहां तक बुर्कानशीं की बात हो रही है...पर्दानशीं की बात है...तो पहचान के लिए हमारी आंगनवाड़ी सेविकाएं उपलब्ध रहेंगी। जरूरत पड़ने पर जांच होगी। निर्वाचन आयोग का स्पष्ट दिशानिर्देश हैं कि मतदान केंद्र के कैसे पर पहचान का सत्यापन होगा और उनका कड़ाई से पालन होगा।''

बिहार में राजग फिर बनाएगा सरकार, प्रचंड बहुमत मिलेगा : दिलीप जायसवाल

पटना/भाषा। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की बिहार इकाई के अध्यक्ष दिलीप जायसवाल ने सोमवार को विश्वास जताया कि आगामी विधानसभा चुनाव के बाद राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) राज्य में एक बार फिर प्रचंड बहुमत के साथ सरकार बनाएगा। मुख्य निर्वाचन आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा की। छह और 11 नवंबर को दो चरणों में मतदान होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी।

निर्वाचन आयोग द्वारा विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद दिलीप जायसवाल ने 'एक्स' पर कहा कि राजग का हर कार्यकर्ता राज्य के विकास और समृद्धि के लिए दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने कहा, मुझे पूर्ण विश्वास है कि जनता विकास को चुनेगी और बिहार को विकसित व आत्मनिर्भर बनाने के संकल्प के लिए एक बार फिर राजग को बहुमत देगी। आइए हम सब एकजुट होकर बिहार को नई ऊंचाइयों पर ले जाएं। राजग दोबारा प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा। उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने भी 'एक्स' पर कहा, जनता एक बार फिर राजग सरकार को चुनेगी।

बिहार: नीतीश कुमार ने 21 लाख महिलाओं के खाते में भेजे 2,100 करोड़ रुपए

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

पटना/भाषा। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने सोमवार को 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' के तहत 21 लाख लाभार्थी महिलाओं के खातों में कुल 2,100 करोड़ रुपए की राशि का अंतरण किया। नीतीश कुमार ने मुख्यमंत्री आवास '1, अणे मार्ग' स्थित 'संकल्प' सभागार में एक कार्यक्रम के दौरान यह राशि लाभार्थियों के खातों में भेजी।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने 26 सितंबर को मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की उपस्थिति में इस योजना की शुरुआत की थी और इस दौरान राज्य की 75 लाख महिला लाभार्थियों को 7,500 करोड़ रुपए की राशि प्रत्यक्ष लाभ अंतरण (डीबीटी) के माध्यम से दी गई थी। इस योजना के तहत लाभार्थियों को 10-10 हजार रुपए की राशि प्रदान की जाती है। मुख्यमंत्री ने इसके बाद तीन अक्टूबर को 25 लाख महिलाओं के खातों में 2,500 करोड़ रुपए की राशि भेजी थी। सोमवार को हुए अंतरण के साथ अब तक कुल 1.21 करोड़ महिला लाभार्थियों के खातों में 10,000 करोड़ रुपए की राशि पहुंचाई जा चुकी है। मुख्यमंत्री ने संबोधित करते हुए कहा कि 'मुख्यमंत्री महिला रोजगार योजना' का उद्देश्य प्रत्येक परिवार की एक महिला को उसकी पसंद के अनुसार रोजगार शुरू करने के लिए आर्थिक सहायता देना है। उन्होंने कहा, योजना के तहत प्रारंभिक सहायता के रूप में 10 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। रोजगार शुरू करने के बाद मूल्यांकन कर दो लाख रुपए तक की अतिरिक्त सहायता दी जाएगी।

बंगाल में भूस्खलन एवं बाढ़ से मरने वालों की संख्या 28 हुई, ममता का डीवीसी पर आरोप

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

दार्जिलिंग/सिलीगुड़ी/भाषा। पश्चिम बंगाल के दार्जिलिंग जिले में हुए विनाशकारी भूस्खलन में मरने वालों की संख्या बढ़कर 28 हो गई है जबकि छह लोग अब भी लापता बताए जा रहे हैं। बचाव दलों को पहाड़ी क्षेत्रों में बढ़ते पानी की चुनौतियों का सामना करना पड़ रहा है। इस आपदा ने सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस और विपक्षी भारतीय जनता पार्टी के बीच राजनीतिक टकराव को और तेज कर दिया है।

मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने दामोदर घाटी निगम (डीवीसी) को मानव निर्मित आपदा के लिए जिम्मेदार ठहराया जबकि भाजपा ने तृणमूल कांग्रेस पर जलपाईगुड़ी में आपदा प्रभावित नागराकाटा क्षेत्र का दौरा करने के दौरान उसके सांसद खगेन मुर्मू और विधायक शंकर घोष पर हमले की साजिश रचने का आरोप लगाया।

क्षेत्र में 12 घंटों में 300 मिमी से अधिक बारिश के कारण भूस्खलन से दार्जिलिंग, जलपाईगुड़ी और कलिम्पोंग जिलों में भारी तबाही मची, जिससे हजारों पर्यटक फंस गए, सैकड़ों लोग बेघर हो गए और कई पहाड़ी ढलानें धंस गईं। बचाव दल को 40 से अधिक भूस्खलन स्थलों को साफ करने में कठिनाई हो रही है, क्योंकि उफनती नदियों और टूटे हुए पुलों के कारण दूरदराज की बस्तियों का संपर्क टूट गया है। उत्तर बंगाल विकास मंत्री उदयन गुहा ने कहा कि मृतकों की संख्या बढ़ने की आशंका है क्योंकि राहत अभियान अभी जारी है। उन्होंने 'पीटीआई-भाषा' से कहा, अभी तक 28 लोगों की मौत हो चुकी है और छह लापता है। ये मौतें दार्जिलिंग और जलपाईगुड़ी दोनों जिलों में हुई हैं।

सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में दार्जिलिंग के मिरिक, सुखियापोखरी और जोरेबंगलो तथा जलपाईगुड़ी जिले के नागराकाटा शामिल हैं जहां सड़कें टूट गई है, पुल ढह गये थे और गांव मलबे में दब गए हैं। सैकड़ों पर्यटक फंसे हुए हैं, जबकि स्थानीय लोग अपने परिवार के लापता सदस्यों की खबर का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

राजग ने बिहार को 'जंगलराज' से बाहर निकाला : अमित शाह

नई दिल्ली/भाषा। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने सोमवार को कहा कि राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) सरकार ने बिहार को 'जंगल राज' से बाहर निकाला और इसे विकास एवं सुशासन की नई दिशा दी है। उन्होंने विश्वास जताया कि राज्य के लोग आगामी विधानसभा चुनाव में एक बार फिर विकास की राजनीति को चुनेंगे। शाह की यह टिप्पणी निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार में विधानसभा चुनाव कार्यक्रम की घोषणा के ठीक बाद आई है, जिसके तहत छह और 11 नवंबर को मतदान होगा, जबकि मतगणना 14 नवंबर को होगी। शाह ने 'एक्स' पर कहा, ''निर्वाचन आयोग ने बिहार विधानसभा चुनाव की घोषणा कर दी है। लोकतंत्र के इस महापर्व के लिए समस्त बिहारवासियों को बधाई।'' उन्होंने कहा, ''मोदी जी के नेतृत्व में राजग सरकार ने बिहार को जंगलराज से निकालकर विकास और सुशासन की नई दिशा दी है। आज बिहार, गरीब कल्याण के साथ आधारभूत ढांचा, स्वास्थ्य, शिक्षा हर क्षेत्र में ऐतिहासिक बदलाव का साक्षी बन रहा है।''

'हर बिहारी बनेगा मुख्यमंत्री', बिहार चुनाव बदलाव का पर्व: तेजस्वी यादव

पटना/भाषा। राष्ट्रीय जनता दल (राजद) के नेता तेजस्वी यादव ने सोमवार को कहा कि आगामी बिहार विधानसभा चुनाव बदलाव का पर्व होगा और हर बिहारी मुख्यमंत्री बनेगा। निर्वाचन आयोग द्वारा बिहार विधानसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा के तुरंत बाद तेजस्वी यादव ने 'एक्स' पर एक भावनात्मक पोस्ट के माध्यम से मतदाताओं से अपील की। उन्होंने लिखा, बिहार आने वाले विधानसभा चुनावों में बदलाव के लिए मतदान करेगा। 20 साल बाद एक भव्य पर्व आएगा जो दुख और तकलीफों को मिटा देगा। उस दिन हर बिहारी तेजस्वी के साथ जीत का जश्न मनाएगा क्योंकि उस दिन हर बिहारी बिहार का मुख्यमंत्री बनेगा यानी चेंज मेकर। मुख्य चुनाव आयुक्त ज्ञानेश कुमार ने सोमवार को बिहार विधानसभा चुनाव दो चरणों में कराने की घोषणा की। छह और 11 नवंबर को मतदान होगा जबकि मतगणना 14 नवंबर को की जाएगी। चुनाव प्रक्रिया 16 नवंबर तक संपन्न कर ली जाएगी।

कटक हिंसा के सिलसिले में आठ लोग गिरफ्तार, भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच बंद जारी

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

कटक/भाषा। ओडिशा के कटक शहर में हिंसा के सिलसिले में सोमवार को आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया। कटक में निषेधाज्ञा लागू है और भारी सुरक्षा व्यवस्था के बीच 12 घंटे का बंद जारी है।

पुलिस आयुक्त एस. देव दत्त सिंह ने पत्रकारों से कहा कि रविवार को विहिप कार्यकर्ताओं द्वारा पुलिस पर किए गए हमले के सिलसिले में तीन मामले दर्ज किए गए हैं और आठ लोगों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने कहा, ''स्थिति नियंत्रण में है।'' वरिष्ठ पुलिस अधिकारी अमरेंद पांडा और कटक के डीसीपी के. आर. दिनयानदेव सहित 25 लोग इस हमले में घायल हुए हैं। अधिकारियों ने बताया कि पांडा को श्रीराम चंद्र भंज (एससीबी) मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के आईसीयू (गहन चिकित्सा इकाई) में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने कहा कि सीसीटीवी फुटेज के जरिए कुछ ''शरारती तत्वों'' की पहचान होने के बाद कटक के विभिन्न हिस्सों में छापेमारी की जा रही है। दरगाहबाजार इलाके में हाथी पोखरी के पास शुक्रवार और शनिवार की दरमियानी रात स्थानीय लोगों ने विसर्जन शोभायात्रा में तेज संगीत बजाने पर आपत्ति जताई थी जिसके बाद बहस हुई जो जल्द झड़प में बदल गई। इस दौरान पथराव के साथ ही कांच की बोतलें भी फेंकी गईं। झड़पों में दिनयानदेव सहित छह लोग घायल हो गए। पुलिस पर विसर्जन पर हमले को रोकने में विफल रहने का आरोप लगाते हुए विहिप ने सोमवार को 12 घंटे के बंद का आह्वान किया।

रविवार को बंद के समर्थन में विहिप कार्यकर्ताओं द्वारा निकाली गई मोटरसाइकिल रैली को पुलिस ने उपद्रवग्रस्त इलाके में पहुंचने पर रोक दिया, जिसके कारण फिर से हिंसा भड़क उठी। विहिप कार्यकर्ताओं ने पुलिस पर पथराव किया, जिसके बाद पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में लाने के लिए लाठीचार्ज किया, आंसू गैस के गोले दागे और रबर की गोलियां चलाईं।

तिरुपति में एस वी कृषि विश्वविद्यालय और हेलीपैड को बम से उड़ाने की धमकी

तिरुपति (आंध्र प्रदेश)/भाषा। श्री वेंकटेश्वर कृषि विश्वविद्यालय और मुख्यमंत्री एन. चंद्रबाबू नायडू के दौरे के लिए बनाए गए हेलीपैड को सोमवार को बम से उड़ाने की धमकी मिली, जो बाद में फर्जी साबित हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, विश्वविद्यालय को भेजे गए एक ईमेल में उल्लेख किया गया था कि विश्वविद्यालय में और उसके आसपास पांच आरडीएक्स आधारित आईईडी लगाए गए हैं।

एक अधिकारी ने 'पीटीआई-भाषा' को बताया, ''आज एक धमकी भरे ईमेल में दावा किया गया कि एसवी कृषि विश्वविद्यालय और हेलीपैड पर विस्फोटक लगाए गए हैं, जिसके बाद तिरुपति में सुरक्षा अलर्ट और तलाशी अभियान शुरू कर दिया गया।

अब समय आ गया है कि क्रिकेट सहित खेलों से जुड़े मामलों में हस्तक्षेप नहीं करे अदालत : उच्चतम न्यायालय

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

नई दिल्ली/भाषा। उच्चतम न्यायालय ने सोमवार को कहा कि अब समय आ गया है कि वह क्रिकेट सहित खेलों से जुड़े मामलों में हस्तक्षेप नहीं करे। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और संदीप मेहता की पीठ ने कहा, ''अब क्रिकेट में खेल जैसा कुछ नहीं रहा। यह एक तथ्य है। यह सब बिजनेस है।''

पीठ ने यह टिप्पणी उस समय की जब वह जबलपुर संभाग के एक क्रिकेट संघ से संबंधित मामले में मध्य प्रदेश उच्च न्यायालय के आदेश को चुनौती देने वाली एक याचिका पर सुनवाई कर रही थी।

न्यायमूर्ति नाथ ने इस मामले में विभिन्न पक्षों का प्रतिनिधित्व कर रहे वकीलों से पूछा, ''आज हम क्रिकेट खेल रहे हैं। तीन-चार मामले हैं। एक मामला पहले ही दूसरे दौर के लिए स्थगित हो चुका है। यह दूसरा मामला है। दो और मामले हैं। आज आप कितने टेस्ट मैच खेलेंगे?'' याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि देश क्रिकेट के प्रति जुनूनी है।

नाथ ने कहा, ''मुझे लगता है कि अब समय आ गया है कि इस अदालत को क्रिकेट और बैडमिंटन, वॉलीबॉल, बास्केटबॉल के मामले में हस्तक्षेप नहीं करना चाहिए।'' याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि कुछ चिंताओं के कारण ये मामले उच्चतम न्यायालय के समक्ष आ रहे हैं। नाथ ने कहा, ''मुद्दा यह है कि इन सभी मामलों के नतीजों में काफी हित जुड़े हुए हैं। जिस किसी भी खेल का व्यवसायीकरण हो गया है तो ऐसा होना तय है।'' पीठ ने याचिका पर विचार करने में अपनी अनिच्छा व्यक्त की। याचिकाकर्ता के वकील ने पीठ से अनुरोध किया कि उन्हें याचिका वापस लेने की अनुमति दी जाए। पीठ ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी।

झारखंड में दो किशोरियों से सामूहिक बलात्कार

मेदिनीनगर (झारखंड)/भाषा। झारखंड के पलामू जिले में छह व्यक्तियों ने रिश्ते की दो बहनों के साथ कथित तौर पर बलात्कार किया। यह जानकारी पुलिस ने सोमवार को दी।

यह घटना दो अक्टूबर की रात को हुई जब दोनों किशोरी दशहरा मेले से नौडीहा थानाक्षेत्र स्थित अपने घर लौट रही थीं। हालांकि, घटना की सूचना उनके माता-पिता ने सोमवार को दी। छतरपुर के अनुमंडल पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) अवध कुमार यादव ने कहा, ''महिला पुलिस थाने में एक प्राथमिकी दर्ज की गई है। सभी छह आरोपियों की पहचान कर ली गई है और उनकी गिरफ्तारी के लिए छापेमारी जारी है। उन्हें जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा।''

नौडीहा थाना प्रभारी अमित कुमार द्विवेदी ने बताया, ''घटना दो अक्टूबर की देर रात उस समय हुई जब 15 से 16 साल की उम्र की दोनों किशोरी दशहरा मेले से घर लौट रही थीं।'' उन्होंने बताया कि एक मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है।

प्रधानमंत्री मोदी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स में भारत के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताया

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

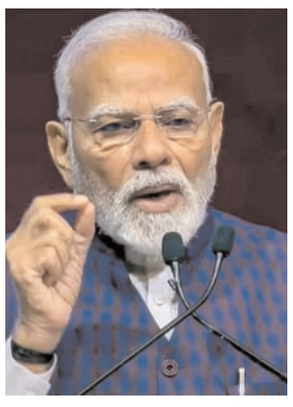

नई दिल्ली/भाषा। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप में भारत के प्रदर्शन को ऐतिहासिक बताते हुए सोमवार को कहा कि इस प्रतियोगिता में देश का अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन युवाओं के लिए प्रेरणा बनेगा।

भारत ने छह स्वर्ण, नौ रजत और सात कांस्य सहित रिकॉर्ड 22 पदक जीते जो जापान के कोबे में 2024 में जीते 17 पदक के उसके पिछले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन से बेहतर है।

प्रधानमंत्री मोदी ने देश के सभी पदक विजेताओं की एक तस्वीर पोस्ट करते हुए 'एक्स' पर लिखा, ''हमारे पैरा एथलीटों का ऐतिहासिक प्रदर्शन! इस साल की विश्व पैरा एथलेटिक्स चैंपियनशिप बहुत खास रही। भारतीय दल ने अपना अब तक का सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया जिसमें छह स्वर्ण पदक सहित 22 पदक जीते। हमारे एथलीटों को बधाई।'' उन्होंने कहा, ''उनकी सफलता कई लोगों को प्रेरित करेगी। मुझे हमारे दल के प्रत्येक सदस्य पर गर्व है और मैं उनके भविष्य के प्रयासों के लिए शुभकामनाएं देता हूं।''

यह पहली बार था जब भारत ने इस प्रतिष्ठित पैरा एथलेटिक्स प्रतियोगिता की मेजबानी की जिसमें 100 से अधिक देशों के 2,200 से अधिक प्रतिभागियों ने 186 पदक स्पर्धाओं में भाग लिया।

मोदी ने कहा, ''दिल्ली में इस टूर्नामेंट की मेजबानी करना भी भारत के लिए सम्मान की बात है। इस टूर्नामेंट का हिस्सा रहे लगभग 100 देशों के एथलीटों और सहयोगी स्टाफ का आभार।''

ड्रोन देखे जाने के बाद इंफाल हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन स्थगित

इंफाल/भाषा। मणिपुर के इंफाल हवाई अड्डे पर सोमवार को एक ड्रोन देखे जाने के बाद विमानों का उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से निलंबित कर दिया गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। अधिकारियों ने बताया कि अगरतला से इंफाल आ रही इंडिगो की एक उड़ान ने अपराह्न करीब दो बजे ड्रोन को शहर की ओर से अपने अंतिम गंतव्य पथ पर 3,600 से 4,000 फुट की ऊंचाई पर देखा। उन्होंने कहा कि एहतियाती सुरक्षा उपाय के तौर पर हवाई अड्डे पर उड़ान परिचालन अस्थायी रूप से स्थगित कर दिया गया, जो बाद में बहाल कर दिया गया।

सुविचार

एक हजार मील सफलता की यात्रा की शुरुआत भी एक कदम से ही होती है।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत

हम सब एक हैं, एक रहेंगे

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के सरसंघचालक मोहन भागवत ने राष्ट्रीय एकता के संबंध में बहुत गहरी बात कही है। अगर समस्त देशवासी यह समझ जाएं तो कोई विवाद और फसाद पैदा ही न हो। अब तो वैज्ञानिक प्रणालियों से सिद्ध हो चुका है कि अविभाजित भारत के सभी लोगों के पूर्वज एक थे। हमारा खून एक है। नाम, पहनावा, भाषा और पूजन-पद्धति बदल लेने से पूर्वज नहीं बदल जाते। मोहन भागवत आज जो बात कह रहे हैं, वह कभी स्वामी विवेकानंद ने कही थी – 'हम सब ऋषियों की संतानें हैं।' तो समस्या कहां पैदा हुई? विभाजन के बीज किसने बोए थे? नफरत के पौधों को खाद-पानी देकर किसने सींचा और किसने भारत मां को विभाजन के गहरे घाव दिए थे? विदेशी आक्रांता तो यहां आए ही इसलिए थे, ताकि लूट-मार कर सकें, लोगों को बांट सकें। वे भारत में तीर्थयात्रा कर पुण्य कमाने नहीं आए थे। उनके इरादे स्पष्ट थे। हमारे पूर्वजों से कहीं-न-कहीं यह गलती हुई कि वे समय रहते उनके इरादों को भांप नहीं पाए थे। अगर वे देश-दुनिया में होने वाले बदलावों पर नजर रखते और विदेशी आक्रांताओं को उस समय ही कुचल देते तो आज हिंदुस्तान का नक्शा कुछ और होता। सोचिए, करोड़ों की आबादी वाले देश में मुट्ठीभर अंग्रेज कैसे अपनी जड़ें जमा सके और कैसे सदियों तक राज कर सके? हमारे पूर्वज वीरता में किसी से कम नहीं थे, बल्कि औरों से बढ़कर ही थे। बस, कमी यह रही कि विदेशी आक्रांता किसी-न-किसी बहाने से भाई को भाई से लड़ाते रहे, उन्हें एक-दूसरे से अलग करने के पांसे फेंकते रहे। उन्होंने ऐसे बिंदु तलाशे, जो कालांतर में विभाजन के बीज बने। उनके लिए जमीन तो वे पहले ही तैयार कर चुके थे।

सवाल है- इतिहास के उस कालखंड से क्या सीखा जाए? उसका पहला सबक यही है कि किसी भी कीमत पर राष्ट्रीय एकता की डोर कमजोर न हो। हमें भाषावाद, जातिवाद, क्षेत्रवाद, सांप्रदायिकता से ऊपर उठना होगा। ध्यान रखें, भाषा, जाति, क्षेत्र, धर्म आदि अपनेआप में कोई समस्या नहीं हैं। समस्या तब पैदा होती है, जब लोग इनके आधार पर खुद को सर्वश्रेष्ठ मानने लगते हैं और दूसरों को कमतर समझते हैं। अगर भारत में विविधता देखने निकलेंगे तो 'कोस-कोस पर पानी बदले, चार कोस पर बानी' – कहावत साकार होती पाएंगे। जिस देश में भाषा, धर्म, खानपान, पर्व, पहनावा, परंपरा, मौसम और सभी मामलों में इतनी ज्यादा विविधता होती है, वहां नागरिकों की जिम्मेदारियां भी ज्यादा होती हैं। हमें इस विविधता को अपने देश की ताकत बनानी चाहिए। किसी को यह मौका नहीं देना चाहिए कि वह चिंगारी भड़काए और दूर खड़ा तमाशा देखे। पिछले दिनों अमेरिकी राष्ट्रपति के एक कथित सलाहकार ने रूसी तेल आयात को लेकर हिंदू समाज की एक जाति के बारे में ओछी टिप्पणी की थी। उसकी मंशा देशवासियों में फूट डालने की थी। आश्चर्य की बात है कि भारत में कुछ लोग तुरंत ही उसकी हां में हां मिलाने लगे थे! सुदूर विदेश में कोई शातिर व्यक्ति हमारे भाइयों के बारे में अनर्गल टिप्पणी कर दे और यहां कुछ लोग उसकी ताल पर थिरकने लग जाएं तो उन्होंने इतिहास से क्या सीखा? यह वही फॉर्मूला है, जिसे अंग्रेजों ने यहां बार-बार आजमाया था, इसके जरिए लोगों को बार-बार उकसाया था। नतीजा क्या निकला था? इतिहास से कुछ तो सीखें। आपकी संपत्ति, उपलब्धि, प्रसिद्धि तब तक ही हैं, जब तक देश एकजुट है, सुरक्षित है। 'हम सब एक हैं, एक रहेंगे' – इसी भावना के साथ देश को एकजुट रखना है।

ट्वीटर टॉक

चंद्रदेव की दिव्य चांदनी आपके जीवन को सुख, शांति, समृद्धि और सौभाग्य के अमृत से परिपूर्ण करे। आरोग्यता, आनंद और खुशहाली का प्रकाश आपके परिवार में सदैव बना रहे तथा सभी की मनोकामनाएं पूर्ण हों ऐसी कामना करतीं हूं।

-वसुंधरा राजे

स्वतंत्रता सेनानी एवं राजस्थान प्रदेश कांग्रेस कमेटी के पूर्व अध्यक्ष स्व. श्री गोकुलभाई भट्ट की पुण्यतिथि पर उन्हें विनम्र श्रद्धांजलि। अपने गांधीवादी विचारों तथा समाज के हित में किए गए उनके कार्यों के लिए उन्हें सदैव याद किया जाएगा।

-अशोक गहलोत

जयपुर में सरकारी अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने की वजह से कई मरीजों की दर्दनाक मृत्यु का समाचार अत्यंत हृदयविदारक है। ईश्वर दिवंगत आत्माओं को शांति प्रदान करें। शोक संतप्त परिजनों के प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं।

-प्रियंका गांधी वाड्रा

प्रेरक प्रसंग

ईमानदारी का प्रेरक जीवन

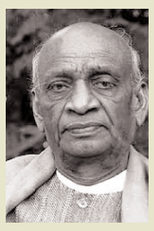

सरदार वल्लभभाई पटेल एक बार वृद्धावस्था में गंभीर रूप से बीमार पड़ गए। तब स्वतंत्रता सेनानी महावीर त्यागी उनका हालचाल जानने आए। उन्होंने देखा कि पटेल जी की बेटी मणिबेन पिता की सेवा में तन-मन से लगी हुई थीं। मणिबेन की धोती में कई जगह पैबंद लगे देख त्यागी जी ने आश्चर्य से कहा, 'मणि! तुम उस महापुरुष की बेटी हो, जिसने बंटे हुए भारत को एक सूत्र में पिरो दिया। ऐसे महान व्यक्ति की बेटी होकर भी तुम पैबंद लगी धोती पहन रही हो! क्या तुम्हें ऐसा करने में कोई असहजता नहीं होती?' मणिबेन ने शांत स्वर में उत्तर दिया, 'शर्म उन्हें आनी चाहिए जो झूठ और बेईमानी से जीवन जीते हैं। मैं एक ईमानदार और सादा जीवन जीने वाले पिता की बेटी हूं। हमारे पास सीमित साधन हैं और मैं चाहती हूं कि मेरा जीवन भी सादगी और नैतिकता की मिसाल बने। बेईमानी और लालच से दूर रहकर जीना ही सच्चा सम्मान है।'

सामयिक

संघ के सेवा-संस्कार-समर्पण के 100 साल

अमित बैजनाथ गर्ग

मोबाइल : 78770 70861

बीती 27 सितंबर को दुनिया के सबसे बड़े स्वयंसेवी संगठन राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ने अपने 100 साल पूरे कर लिए यानी कि संघ ने अपनी शताब्दी यात्रा पूर्ण कर ली। हालांकि संघ तिथि के हिसाब से विजयादशमी को अपना स्थापना दिवस मनाता है। साल 1925 में 27 सितंबर को ही संघ के पहले सरसंघचालक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार ने नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) की स्थापना की थी। उस दिन दशहरा भी था। देश के लिए एक संगठित, अनुशासित और आत्मनिर्भर समाज का निर्माण करने की मूल भावना के साथ संघ का निर्माण किया गया। सौ साल का सफर कोई छोटा नहीं होता। यह एक लंबा और उपलब्धियों भरा सफर है। एक ऐसी यात्रा, जो आज भी अनवरत जारी है। संघ के सौ वर्ष पूर्ण कर लेना केवल संगठन की उपलब्धि नहीं, बल्कि देश और समाज में उसकी महती भूमिका का जीवंत प्रमाण है।

कहते हैं कि स्वतंत्रता आंदोलन के दौर में डॉ. हेडगेवार ने अनुभव किया कि भारतीय समाज केवल राजनीतिक स्वतंत्रता से नहीं, बल्कि सामाजिक-सांस्कृतिक पुनर्जागरण से भी सशक्त हो सकता है। उन्होंने 1925 में नागपुर में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ की स्थापना की। संघ का एक ही उद्देश्य था, वह यह कि राष्ट्र को एक सशक्त, संगठित और आत्मनिर्भर समाज बनाना है। संघ की पहचान उसकी शाखा व्यवस्था से बनी।

सबसे पहले संघ की विकास यात्रा को समझने की कोशिश करते हैं। यह जानने का प्रयास करते हैं कि एक शाखा से विश्वव्यापी संगठन बनने तक संघ ने किस तरह का सफर तय किया है। संघ के प्रारंभिक विस्तार काल में उसने छोटी से लेकर बड़ी शाखाओं के जरिए युवाओं को संगठित करने का महती कार्य किया। स्वतंत्रता आंदोलन में उसके स्वयंसेवकों ने अप्रत्यक्ष रूप से समाज-सेवा के माध्यम से सहयोग किया। इसके बाद विभाजन की त्रासदी और शरणार्थियों की सहायता में संघ की सक्रियता ने उसकी समाजसेवी भूमिका को मजबूत किया। हालांकि इस दौरान राजनीतिक परिदृश्य में संघ को आलोचनाओं और प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ा। आपातकाल के विरोध में संघ ने बड़ी भूमिका निभाई। हजारों स्वयंसेवकों को जेल जाना पड़ा। इससे संघ की छवि लोकतांत्रिक मूल्यों के रक्षक संगठन के रूप में बनी।

अब राष्ट्र निर्माण में संघ के प्रमुख योगदानों को समझने का प्रयास करते हैं। शिक्षा और संस्कार के क्षेत्र में संघ विद्या भारती के माध्यम से कार्य कर रहा है। वहीं सेवा भारती के माध्यम से संघ सामाजिक सेवा और आपदा प्रबंधन के क्षेत्र में सक्रिय है। सेवा भारती गरीबों, दलितों, वनवासियों और जरूरतमंदों की सेवा में लगातार सक्रिय है। साल 2001 में गुजरात में आए भूकंप से लेकर 2020 की कोविड महामारी तक स्वयंसेवकों ने राहत कार्यों में उल्लेखनीय योगदान दिया। इधर, वनवासी कल्याण आश्रम के माध्यम से संघ ग्रामीण और आदिवासी विकास के लिए प्रतिबद्ध है। छात्रों के निर्माण के लिए संघ अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के माध्यम से कार्य कर रहा है।

संघ का भारतीय राजनीति पर भी पूरा प्रभाव है यानी कि देश की राजनीति भी संघ से अछूती नहीं है। हालांकि यह कार्य संघ स्वयं नहीं करता, बल्कि यह भारतीय जनता पार्टी कार्य देखती है। संघ हमेशा कहता है कि वह सीधे राजनीति में सक्रिय नहीं है। इसके बावजूद संघ का प्रभाव भारतीय राजनीति पर गहराई से दिखता है। भारतीय जनसंघ और भारतीय जनता पार्टी जैसे दल इसकी विचारधारा से जुड़े हैं। स्वतंत्रता से लेकर आज तक कई राष्ट्रीय नेता संघ की शाखाओं में प्रशिक्षित हुए हैं। वर्तमान राजनीतिक धारा में राष्ट्रवाद और सांस्कृतिक पुनर्जागरण संघ की दीर्घकालिक वैचारिक यात्रा का परिणाम है। संघ का मूल काम राजनीति करना है भी नहीं, क्योंकि उसके मूल में देश का निर्माण है। उसे देश गढ़ना है, वह भी हर हाल में।

संघ का समाज पर भी समकालीन प्रभाव है। वह सामाजिक एकता के लिए काम कर रहा है, ताकि जातिगत भेदभाव कम हो और समरस समाज का निर्माण हो। संघ युवा चेतना को सक्रिय करने में भी जुटा हुआ है। संघ ने महिला सशक्तिकरण के लिए राष्ट्र सेविका समिति बनाई हुई है, जो महिलाओं को नेतृत्व का अवसर प्रदान कर रहा है। विदेशों में भारतीय संस्कृति के प्रचार-प्रसार का माध्यम भी संघ बना हुआ है। संघ का प्रभाव प्रवासी भारतीयों पर भी गहराई से दिखाई पड़ता है। संघ भारत के साथ विश्व बंधुत्व की भावना पर काम कर रहा है। वह पूरी दुनिया को राह दिखाते हुए और नेतृत्व करते हुए एक सूत्र में पिरोने का प्रयास कर रहा है। राष्ट्र निर्माण के काम में संघ की चुनौतियां भी कम नहीं हैं। उसे कई मौकों पर आलोचनाओं का सामना भी करना पड़ा है। संघ को समय-समय पर आलोचनाओं और राजनीतिक प्रतिबंधों का भी सामना करना पड़ा है। आलोचकों का कहना है कि यह संगठन केवल हिंदू विचारधारा तक सीमित है। पर संघ ने अपने सेवा प्रकल्पों के जरिए यह सिद्ध किया कि उसका असली उद्देश्य राष्ट्र निर्माण है। असल में राजनीतिक दुर्भावनाओं के कारण संघ पर तीन बार प्रतिबंध लगाए गए हैं और उसकी आलोचना की गई है। संघ पर पहली बार प्रतिबंध 1948 में महात्मा गांधी की हत्या के बाद लगाया गया। दूसरी बार प्रतिबंध 1975 में आपातकाल थोपने के बाद लगाया गया। तीसरी बार प्रतिबंध 1992 में बाबरी मस्जिद ढहने के बाद लगाया गया। हर बार संघ पर आरोप लगाए गए, जो गलत साबित हुए। संघ हर जांच में बेदाग होकर निकला।

संघ हर क्षेत्र में अलग ढंग से सक्रिय हैं। उसके 32 अनुषांगिक संगठन अलग-अलग क्षेत्रों में कार्य कर रहे हैं। 2025 तक संघ की शताब्दी यात्रा बहुत बड़ी और लंबी हो चुकी है। सौ साल में संघ 73,000 से अधिक शाखाओं तक पहुंच चुका है। दुनियाभर में उसके कई सहयोगी संगठन काम कर रहे हैं। देशभर में उसके 12,000 से अधिक विद्या भारती स्कूल संचालित हो रहे हैं। इनमें 30 लाख से अधिक छात्र राष्ट्र निर्माण की शिक्षा हासिल कर रहे हैं। संघ के अब तक डेढ़ लाख से अधिक सेवा प्रकल्प संचालित हो रहे हैं। संघ की भारत सहित दुनिया के 40 से अधिक देशों में उपस्थिति है। यह उसकी वैश्विक स्वीकार्यता को आवाज देती है। संघ के हजारों कार्यकर्ता अपना घर-बार छोड़कर पूर्ण रूप से राष्ट्र सेवा का कार्य कर रहे हैं। ये कार्यकर्ता विस्तारक, प्रचारक और स्वयंसेवक के रूप में देश को अपना हर संभव योगदान दे रहे हैं।

अब बात करते हैं शताब्दी वर्ष और उसके महत्व की। साल 2025 संघ के लिए प्रतीकात्मक वर्ष है। असल में संघ की सौ वर्ष की यात्रा केवल एक संगठन की गाथा नहीं है, बल्कि उस विचार की सफलता है, जिसने भारतीय समाज को नई दिशा दी है। डॉ. हेडगेवार ने जो बीज साल 1925 में बोया था, वह आज करोड़ों स्वयंसेवकों के विशाल वटवृक्ष में बदल चुका है। संघ की कई पीढ़ियां तिल-तिल जली हैं, तब जाकर संघ की पहचान अनुशासन, सेवा, सांस्कृतिक जागरण और राष्ट्रभक्ति के रूप में बनी है। संघ की यह यात्रा देश को सशक्त, सांस्कृतिक रूप से समृद्ध और आत्मनिर्भर बनाने की यात्रा है। यह यात्रा आज भी अनवरत जारी है और आगे भी रहेगी। संघ माने सेवा-संस्कार-समर्पण के जरिए राष्ट्र निर्माण का संकल्प।

नजरिया

तालिबान और भारत के संबंधों में एक नए अध्याय की शुरुआत?

अशोक भाटिया

मोबाइल : 9221232130

यह संबंध भारत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चाबहार बंदरगाह परियोजना के सफल और प्रासंगिक होने के लिए अफगानिस्तान का सहयोग महत्वपूर्ण होगा। अफगानिस्तान में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, जैसे दूरसंचार, बिजली आपूर्ति आदि में भारत की भागीदारी और सहयोग को अब चीन ने बदल दिया है। चीन ने कभी भी अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से पश्चिमी देशों के चुनिंदा और सुविधाजनक अफगान बहिष्कार का सामना नहीं किया है नहीं।

अफगानिस्तान पर तालिबान के कब्जे के तकरीबन 4 साल बाद, अब भारत और तालिबान के बीच औपचारिक संवाद का नया अध्याय शुरू होने जा रहा है। तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी आगामी 9 अक्टूबर को पहली बार भारत का दौरा करने आ रहे हैं। यह दौरा केवल प्रतीकात्मक नहीं है, बल्कि दक्षिण एशिया की जियो-पॉलिटिकल तस्वीर में एक बड़े बदलाव का बड़ा संकेत भी देता है। तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अब तक मुख्य रूप से दुबई और काबुल में बैठकें आयोजित की जा रही हैं। लेकिन यह पहली बार होगा जब तालिबान का शीर्ष नेतृत्व सीधे भारत आएगा। इस कदम के ज़रिये यह स्पष्ट रूप से संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकलकर भारत के करीब आ रहा है।

15 अगस्त 2021 को जब तालिबान ने अफगानिस्तान पर कब्जा किया था तो भारतीय अधिकारी काबुल स्थिति दूतावास बंदकर दिल्ली लौट आए थे। उस वक्त माना गया कि अफगानिस्तान का दरवाजा अब दिल्ली के लिए हमेशा के लिए बंद हो गया है। लेकिन आज करीब चार सालों के बाद तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी भारत आ रहे है। ऐसा शायद ही किसी ने सोचा होगा। संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद ने मुत्ताकी के दिल्ली दौरे को मंजूरी दे दी है और वो 16 अक्टूबर से पहले भारत आ सकते हैं।तालिबान और भारतीय अधिकारियों के बीच अभी तक दुबई और काबुल में मुलाकात होती रही है और ये पहली बार होगा, जब तालिबान के शीर्ष नेतृत्व का कोई अधिकारी भारत आ रहा हो। इसीलिए आमिर खान मुत्ताकी का दिल्ली दौरा सिर्फ प्रतीकात्मक नहीं है। इस साल की शुरुआत में भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर ने मुत्ताकी से टेलीफोन पर बात की थी और इस साल जून में, भारत ने हैदराबाद स्थित अफगान वाणिज्य दूतावास का नियंत्रण तालिबान की तरफ से नियुक्त किए गये मोहम्मद रहमान को वाणिज्य दूतावास प्रतिनिधि के रूप में सौंप दिया था।

अफगानिस्तान में आने वाले हर आपदा के समय भारत प्रतिक्रिया देने वाला पहला देश रहा है। हालिया भूकंप के समय भी भारत ने तत्काल राहत सहायता भेजी थी। इसके अलावा अफगान नागरिकों और भारतीय नागरिकों के बीच का रिश्ता भी काफी मजबूत है और ये एक बड़ी वजह है, जिसने तालिबान को भारत के साथ रिश्ता मजबूत करने को मजबूर किया है। नई दिल्ली ने करीब 50,000 टन गेहूं, 330 टन दवाइयां और अन्य खाद्य एवं आश्रय सामग्री अफगान जनता तक पहुंचाई है, जबकि सितंबर के भूकंप के तुरंत बाद राहत सामग्री भेजना भी भारत की अफगानिस्तान को लेकर तत्परता को दर्शाता है। भारत जानता है, कि अफगानिस्तान उसके लिए कितना महत्वपूर्ण है, खासकर उस वक्त जब तालिबान और पाकिस्तान बार बार युद्ध के मुहाने पर खड़े हो रहे हैं। तालिबान और पाकिस्तान के बीच का रिश्ता चीन की मध्यस्थता के बावजूद निम्नतम स्तर पर है।

जियो-पॉलिटिकल एक्सपर्ट और मिडिल ईस्ट के जर्नलिस्ट उमर वज़ीरी ने लिखा है कि पाकिस्तान के साथ तालिबान के रिश्ते खराब होने के पीछे कई वजहें हैं। दशकों तक पाकिस्तान ने तालिबान को अपना प्रॉक्सी माना और उन्हें आश्रय, हथियार और वित्तीय सहायता दी। लेकिन पाकिस्तान ने इसके साथ ही अफगानिस्तान को अपना पांचवां राज्य भी मानना शुरू कर दिया। पाकिस्तान ने अफगानों को अपना गुलाम मानना शुरू कर दिया और पाकिस्तान चाहता था कि तालिबान की विदेश नीति इस्लामाबाद से तय हो। जिसे मानने से तालिबान ने साफ इनकार कर दिया। इसके बाद दिसंबर 2024 में पाकिस्तान ने अफगानिस्तान में भीषण हवाई हमला करते हुए दर्जनों अफगानों को मार डाला और पाकिस्तान में रहने वाले लाखों अफगानों को देश से बाहर कर दिया। तालिबान ने अफगान शरणार्थियों को बाहर निकालने की घटना को पाकिस्तान का विश्वासघात माना है। पाकिस्तान और अफगानिस्तान की सीमा, जिसे डूरंड लाइन कहा जाता है, उसपर भी पाकिस्तान और तालिबान के बीच विवाद है। तालिबान ने डूरंड लाइन पर पाकिस्तान की तरफ से लगाए गये बाड़ को उखाड़ फेंका है।

तालिबान, भारत को लेकर अफगानों के दिल में प्यार को महसूस कर रहा है। इसके अलावा तालिबान, पाकिस्तान की हरकतों से परेशान रहा है। तालिबान भी अफगानिस्तान में विकास चाहता है और वो चाहता है कि भारत, अफगानिस्तान में चलाए जा रहे अपने डेवलपमेंट प्रोजेक्ट को फिर से शुरू करे। इसीलिए तालिबान ने कई दफे भारत को अपना सहयोगी कहकर संबोधित किया है। तालिबान ने पहलगाम आतंकी हमले की ना सिर्फ आलोचना की थी, बल्कि भारत के 'जवाब देने के अधिकार' का भी समर्थन किया था। भारत ने अफगानिस्तान में 2000 के दशक से संसद भवन, सड़कें, बांध और स्कूल बनाने जैसे विकास कार्यों में योगदान दिया है। साथ ही, चाबहार पोर्ट के माध्यम से पाकिस्तान के बंदरगाह कनेक्शन को बायपास कर अफगानिस्तान को समुद्री मार्ग उपलब्ध कराना भी रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण है। भारत ने तालिबान के साथ औपचारिक मान्यता दिए बिना बातचीत कर संतुलन बनाए रखा है।

उमर वज़ीरी ने कहा है कि तालिबान का भारत को लेकर सकारात्मक नजरिया न सिर्फ पाकिस्तान के लिए चेतावनी है, बल्कि दक्षिण एशियाई भू-राजनीति में बहुत बड़े बदलाव का संकेत भी देता है। पाकिस्तान की नीतियों, अफगानिस्तान में हवाई हमले, अफगान शरणार्थियों को बेइज़्ज़त कर बाहर निकालना, सीमा विवाद ने पाकिस्तान को लेकर तालिबान के विश्वास को खत्म कर दिया है। जबकि भारत की दीर्घकालिक मदद, व्यापारिक विकल्प और सम्मानजनक संवाद तालिबान को पाकिस्तान की पकड़ से आजाद कर रहे हैं। मुत्ताकी की नई दिल्ली यात्रा इस बदलाव का प्रतीक बन गई है, जिससे साफ संदेश जाता है कि अफगानिस्तान अब पाकिस्तान की छाया से बाहर निकल कर भारत की तरफ बढ़ रहा है।

वैसे भारत सरकार ने अभी तक अफगानिस्तान में तालिबान शासन को मान्यता नहीं दी है, लेकिन वह दिन दूर नहीं रह गया जब तालिबान के विदेश मंत्री आमिर खान मुत्ताकी अगले सप्ताह भारत आएंगे। चूंकि वे दुश्मन के दोस्त हैं, इसलिए ऐसी दोस्ती पर भारत को पुनर्विचार भी करना चाहिए। तालिबान ने चार साल पहले अगस्त 2021 में दूसरी बार अफगानिस्तान पर नियंत्रण किया था। जबकि तालिबान द्वारा पहली बार अफगानिस्तान में सरकार को उखाड़ फेंकने के समय भारत के अपदस्थ सरकार के साथ मजबूत संबंध थे और दूसरी बार भी, तालिबान पाकिस्तान के सक्रिय समर्थन से पैदा हुआ था और कश्मीर में आतंकवादियों के प्रति अपने सार्वजनिक भाईचारे के कारण शुरू से ही जिहादी संगठन के साथ मतभेद में रहा है।

पाकिस्तान-अफगानिस्तान संबंधों में गिरावट का तात्कालिक कारण इस साल की शुरुआत में आया था: भारत और अफगानिस्तान के बीच संबंध तनावपूर्ण हो गए हैं क्योंकि 80,000 अफगान शरणार्थियों को देश छोड़ने और अफगानिस्तान जाने के लिए कहा गया था। जनवरी में, भारत के विदेश सचिव, विक्रम मिश्री और अफगान विदेश मंत्री मुत्ताकी ने दुबई में मुलाकात की, और चर्चा का केंद्र मानवीय सहायता के आसपास था। तालिबान शासन ने अप्रैल में पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की स्पष्ट रूप से निंदा की थी। 15 मई को विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने मुट्ठकी से फोन पर बात की और उन्हें धन्यवाद दिया। अगस्त 2021 के बाद से दोनों देशों के बीच यह पहला मंत्रिस्तरीय संपर्क था। दोनों देशों के बीच संबंधों ने वहां से एक अलग मोड़ और गति ली। तालिबान अब लगातार भारत से दवा, भोजन, प्राकृतिक क्षति और पुनर्वास सामग्री की मांग कर रहा है।

यह संबंध भारत के लिए महत्वपूर्ण है, क्योंकि चाबहार बंदरगाह परियोजना के सफल और प्रासंगिक होने के लिए अफगानिस्तान का सहयोग महत्वपूर्ण होगा। अफगानिस्तान में कई बुनियादी ढांचा परियोजनाओं, जैसे दूरसंचार, बिजली आपूर्ति आदि में भारत की भागीदारी और सहयोग को अब चीन ने बदल दिया है। चीन ने कभी भी अंतरराष्ट्रीय संगठनों, विशेष रूप से पश्चिमी देशों के चुनिंदा और सुविधाजनक अफगान बहिष्कार का सामना नहीं किया है नहीं। इसलिए, हमने तालिबान शासन को मान्यता देने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण वर्ष बिताए और चीन ने इसका फायदा उठाया। आज, हम इस तथ्य से आंखें नहीं मूंद सकते हैं कि तालिबान भोजन और चिकित्सा सहायता के लिए भारत से मांग रहा है, लेकिन वे प्रमुख बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के लिए चीन की ओर रुख कर रहे हैं। हमारी सरकार को इस बात को ध्यान में रखना चाहिए कि अफगानिस्तान के साथ संबंध स्थापित करने के दौरान, इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि पाकिस्तान ने पिछले कुछ महीनों में भारत से अधिक दोस्त बनाए हैं। हमें अफगानिस्तान के साथ संपर्क और सहयोग बढ़ाते रहना होगा। यह एक तरह का जुआ है, लेकिन हर देश इसे अभी अलग-अलग नजरों में खेल रहा है।

महत्त्वपूर्ण

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company,6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**, (*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any suchmanner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.**RNI No. 58061/93. Regn No.: RNP/KA/BGS/2050/2015-2017 posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026**

पाठकों से अनुरोध है कि इस प्रकाशन में प्रकाशित किए जाने वाले किसी भी तरह के विज्ञापन (वैवाहिक, वर्गीकृत, टैंड़र एवं सजावटी इत्यादि) पर कोई भी कार्यवाही, प्रतिबद्धता या धनराशि का व्यय करने से पूर्व इन विज्ञापनों के बारे में समस्त जानकारी वह स्वयं प्राप्त कर लें। दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह उत्पादों की गुणवत्ता तथा सेवाओं के लिए विज्ञापनदाताओं द्वारा किए जा रहे किसी प्रकार के दावों के लिए जिम्मेदार नहीं है। अगर विज्ञापनदाता विज्ञापन में किया जा रहा दावा पूरा नहीं करता है तो दक्षिण भारत राष्ट्रमत समूह के संपादक, मुद्रक एवं प्रकाशक या मालिकान को पाठक किसी भी रूप में उत्तरदाई नहीं बना सकता।– **दक्षिण भारत राष्ट्रमत**

रिपोर्ट

नीति आयोग के सीईओ बी.वी.आर. सुब्रह्मण्यम नई दिल्ली में ट्रेड वॉच त्रैमासिक रिपोर्ट का चौथा संस्करण जारी करते हुए।

कृत्रिम बुद्धिमत्ता के पास कौशल है लेकिन कला नहीं, मानवीय भावनाओं की जगह नहीं ले सकती : चेतन भगत

पुणे/भाषा। प्रसिद्ध लेखक चेतन भगत ने इन चिंताओं को खारिज कर दिया है कि कृत्रिम बुद्धिमत्ता (एआई) और एआई आधारित भाषा उपकरण लेखकों के पेशे, खासकर गल्प (कथा) लेखन को प्रभावित करेंगे। उन्होंने कहा, एआई एक कौशल होगा, लेकिन कला नहीं। उन्होंने कहा कि ये उपकरण लेखन में सच्ची भावनाएं नहीं ला सकते, और मानवीय अनुभवों से प्राप्त रचनात्मकता अद्वितीय बनी रहेगी।

भगत रविवार को पुणे में किताब की एक दुकान में अपनी नई किताब '12 ईयर्स: माई मेस्ड-अप लव स्टोरी' के विमोचन के अवसर पर बोल रहे थे, जहां राजनीतिक विश्लेषक तहसीन पूनावाला ने उनका साक्षात्कार लिया।

यह पूछे जाने पर कि क्या एआई और एआई-आधारित भाषा मॉडल एक लेखक के रूप में उनके पेशे को प्रभावित करेंगे, भगत ने कहा कि मानवीय भावनाओं पर आधारित कहानी कहने की कला को मशीनें नहीं दोहरा सकतीं। उन्होंने कहा, जब लोग पूछते हैं कि क्या एआई या चैटजीपीटी एक लेखक के रूप में मेरे पेशे को प्रभावित करेगा, तो मेरा जवाब है, यह नहीं होगा, कम से कम कथा साहित्य के लिए तो नहीं।

लेखक ने इस बात पर जोर दिया कि प्रामाणिक लेखन जीवंत अनुभवों पर आधारित होता है। उन्होंने समझाते हुए कहा, एआई का दिल नहीं टूटा है। मेरा दिल टूटा था। चैटजीपीटी को बचपन का कोई सदमा नहीं है। मेरा है। मेरे रिश्ते टूटे हैं। मैंने प्यार महसूस किया है। मैंने उतार-चढ़ाव देखे हैं और किताबों में जो चीज काम करती है, वह यह है कि इन सच्ची भावनाओं को पाठकों तक पहुंचाने की क्षमता। अगर आप खुद कुछ महसूस नहीं करते, तो कल्पना काम नहीं करेगी।'' भगत ने कहा कि कहानी कहने का सार मानवीय जुड़ाव में निहित है। उन्होंने कहा, आम तौर पर, लोगों की लोगों में रुचि होती है।

प्रदर्शन

शिमला में सोमवार को एक 12 वर्षीय दलित लड़के की मौत पर माकपा कार्यकर्ताओं ने विरोध प्रदर्शन किया। कथित तौर पर कुछ उच्च जाति की महिलाओं द्वारा उनके घर में घुसने पर उसे गौशाला में बंद कर दिए जाने के बाद उसने जहर खाकर आत्महत्या कर ली थी।

पेरिस में छाया अनन्या पांडे का ग्लैमर, फैशन की दुनिया में बनाई जगह

मुंबई/एजेन्सी

अभिनेत्री अनन्या पांडे ने हाल ही में फैशन की दुनिया में एक और बड़ी उपलब्धि अपने नाम की है। वह प्रतिष्ठित बिजनेस ऑफ फैशन (बीओएफ) 2025 की ग्लोबल लिस्ट में शामिल होने वाली इकलौती भारतीय अभिनेत्री बनी हैं। इस खास मौके से जुड़ी कुछ तस्वीरें उन्होंने इंस्टाग्राम पर पोस्ट कीं। अनन्या ने अपनी खुशी जाहिर करते हुए इंस्टाग्राम पर शानदार तस्वीरें पोस्ट कीं। उन्होंने कैप्शन में लिखा, बिजनेस ऑफ फैशन की सूची में शामिल होना मेरे लिए बहुत बड़ा सम्मान है। पेरिस जैसी खूबसूरत शाम और इस शहर में बिताए पल, जो अब मेरा पसंदीदा बन रहा है, मेरे लिए खास हैं। मैं इस वैश्विक समुदाय का हिस्सा बनकर गर्व महसूस कर रही हूं और धीरे-धीरे अपनी पहचान बना रही हूं। इमरान अहमद और उनकी पूरी टीम को उनके शानदार काम के लिए धन्यवाद।

बिजनेस ऑफ फैशन की यह वार्षिक सूची उन ग्लोबल हस्तियों को सम्मानित करती है, जो फैशन इंडस्ट्री में नए आयाम स्थापित कर रहे हैं। इस साल अनन्या के साथ-साथ हॉलीवुड की मशहूर हस्तियां जैसे हैली बीबर और जो क्राविट्ज भी इस सूची में शामिल हैं। अनन्या से पहले प्रियंका चोपड़ा जोनस, दीपिका पादुकोण, आलिया भट्ट और सोनम कपूर जैसी भारतीय हस्तियां भी इस लिस्ट में अपनी जगह बना चुकी हैं। अनन्या का इस सूची में शामिल होना उनके बढ़ते प्रभाव को दर्शाता है।

उन्होंने कई वैश्विक लग्जरी ब्रांड्स के साथ शानदार कैंपेन किए हैं। उनकी यह उपलब्धि न केवल उनके लिए, बल्कि भारतीय फैशन इंडस्ट्री के लिए भी गर्व का विषय है। अनन्या की मेहनत और स्टाइल ने उन्हें वैश्विक मंच पर एक मजबूत पहचान दिलाई है।

सजावट

नादिया में लक्ष्मी पूजा के उपलक्ष्य में महिलाएं अपने घर के प्रवेश द्वार को 'आलपोना' नामक पारंपरिक चित्रों से सजाती हुई।

शांति व सौहार्द का मार्ग प्रशस्त करना है तो सबको सनातन धर्म की ही शरण में आना पड़ेगा : योगी

वाराणसी/भाषा। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सोमवार को कहा कि शांति व सौहार्द का मार्ग प्रशस्त करना है तो सबको सनातन धर्म की ही शरण में आना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि सनातन धर्म को बचाना है तो संस्कृत को माध्यम बनाना होगा।

मुख्यमंत्री ने यहां श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम में लैपटॉप व सिलाई मशीन का वितरण किया। उन्होंने कुछ बच्चों को सम्मानित भी किया। योगी ने इस अवसर पर कहा, सनातन धर्म ही लोकमंगल, लोककल्याण के साथ सभी की सुरक्षा व कल्याण का मार्ग प्रशस्त करेगा। शांति और सौहार्द का मार्ग प्रशस्त करना है तो सबको सनातन धर्म की ही शरण में आना पड़ेगा। उन्होंने कहा, सनातन धर्म को बचाना है तो संस्कृत को माध्यम बनाना पड़ेगा। आने वाले समय में संस्कृत ही दुनिया की जोड़ने वाली भाषा रहेगी। संस्कृत के बिना किसी का काम नहीं चलेगा। मुख्यमंत्री ने दावा किया, पहले प्रदेश में संस्कृत पढ़ने वाले बच्चों के लिए छात्रवृत्ति नहीं थी। उनकी सरकार ने छात्रवृत्ति जारी की। आने वाले समय में व्यवस्था की जा रही है कि संस्कृत पढ़ने वाले विद्यार्थियों के लिए रहने और खाने के लिये सरकार अनुदान देगी। संस्कृत में विशिष्ट शोध और उच्च अध्ययन करने वाले बच्चों के लिए भी विशिष्ट छात्रवृत्ति जारी की जाएगी। सरकार का उद्देश्य है कि संस्कृत में पढ़ने-पढ़ाने और शोध को बढ़ाने वाले विद्यार्थियों के साथ अच्छे विद्वान भी आगे बढ़ा सकें। योगी ने कहा कि संस्कृत में वेद और व्याकरण भारत की विशिष्ट देन है और दुनिया का पहला विश्वविद्यालय तक्षशिला भारत में स्थापित हुआ था। उन्होंने कहा, पाणिनी वहीं की देन हैं। पाणिनी के व्याकरण में उस समय के इतिहास, परंपरा व भारत के बारे में विस्तृत अध्ययन प्राप्त होता है। आदित्यनाथ ने श्री अन्नपूर्णा ऋषिकुल ब्रह्मचर्याश्रम में लैपटॉप व सिलाई मशीन का वितरण किया। उन्होंने इस अवसर लाभार्थी बच्चों को शुभकामना देते हुए कहा कि दीपावली के पूर्व मिला यह उपहार मां अन्नपूर्णा की कृपा है। योगी ने बच्चों को हिदायत दी, कंप्यूटर सुविधा का माध्यम है तो भटकाव भी है। हमें सकारात्मक रूप से ज्ञान को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ना चाहिए, जो जीवन को उज्ज्वल बनाने में योगदान दे सके। मुख्यमंत्री ने कार्यक्रम के बारे में कहा कि जब मां अन्नपूर्णा, बाबा विश्वनाथ व मां गंगा की कृपा बरसती है तो ऐसे ही शुभ कार्यों के लिए शुभ मुहूर्त प्राप्त हो जाते हैं। उन्होंने कहा कि इस संस्थान की स्थापना के 108 वर्ष होने के साथ आज (सोमवार को) शरद पूर्णिमा से जुड़ रहे हैं और यह आयोजन प्रदेश सरकार के मिशन शक्ति (महिला सुरक्षा, सम्मान व नारी स्वावलंबन) को भी जोड़ रहा है। मुख्यमंत्री ने मठ में गोसेवा कार्यक्रम की भी सराहना की।

उन्होंने कहा, यह भारतीय संस्कृति व सनातन धर्म के प्रतीक हैं। एक तरफ गोमाता की पूजा होती है और दूसरी तरफ बाबा विश्वनाथ भी बिना नंदी के नहीं चलते हैं। कृषि प्रधान भारत के लिए नंदी भी उपयोगी हैं। ऋषि परंपरा में गाय को लेकर चल रहे हैं तो नंदी का भी संरक्षण कर रहे हैं। आदित्यनाथ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने भी नारी गरिमा को महत्व दिया है। उन्होंने कहा, बेटी बचाओ-बेटी पढ़ाओ, 12 करोड़ घरों में शौचालय, देश में चार करोड़ और उत्तर प्रदेश में 60 लाख लोगों को प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत छत दी गई।

प्रदर्शन

जयपुर में सवाई मान सिंह अस्पताल के ट्रॉमा सेंटर में आग लगने के बाद राज्य सरकार के खिलाफ प्रदर्शन कर रहे राष्ट्रीय लोकतांत्रिक पार्टी के कार्यकर्ताओं को पुलिस ने हिरासत में लिया।

अली अब्बास जफर की अगली फिल्म में दिखेगी अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी

मुंबई/एजेन्सी

'सैयारा' फेम अहान पांडे और शरवरी वाघ की जोड़ी बड़े पर्दे पर पहली बार साथ दिखाई देगी। यह जोड़ी अली अब्बास जफर की नई फिल्म में साथ दिखाई देने वाली है, इस बात की पुष्टि हो गई है। फिलहाल फिल्म का नाम फाइनल नहीं हुआ है, लेकिन पता चला है कि फिल्म की लीड एक्ट्रेस शरवरी वाघ ने इसके अनुबंध पर हस्ताक्षर कर दिए हैं। फिल्म से जुड़े एक करीबी सूत्र ने इस खबर की पुष्टि करते हुए आईएएनएस से कहा, सैयारा ने बॉक्स ऑफिस पर इतिहास रच दिया है और अहान पांडे आज हमारे देश के सबसे बड़े जेन जी अभिनेता हैं। शरवरी 100 करोड़ रुपये की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'मुंज्या' का भी हिस्सा थीं। आपके पास दो शानदार कलाकार हैं जिन्होंने साबित कर दिया है कि सिर्फ उम्दा अभिनय ही लोगों को सिनेमाघरों तक खींच सकता है।

उन्होंने आगे कहा, दशकों बाद आपके पास बॉक्स ऑफिस पर अच्छा परिणाम देने वाले नवोदित और युवा कलाकार हैं। यह अली अब्बास जफर जैसे बड़े फिल्म निर्माताओं को एक ऐसी युवा फिल्म बनाने के लिए उत्साहित करता है, जो रोमांटिक होने के साथ ही एक एक्शन फिल्म भी है। सूत्र ने आगे कहा कि इन दोनों युवा कलाकारों को डायरेक्ट करने के लिए अली अब्बास जफर भी उत्साहित हैं। फिल्म का नाम अभी तय नहीं किया गया है। इसे आदित्य चोपड़ा प्रोड्यूस कर रहे हैं।

'मेरे ब्रदर की दुल्हन', 'गुंडे', 'सुल्तान' और 'टाइगर जिंदा है' के बाद अली जफर और आदित्य चोपड़ा की यह पांचवीं फिल्म है। एक अन्य शख्स ने बताया कि मेकर्स को 'सैयारा' की सफलता के बाद अहान पांडे पर भरोसा बढ़ा है।

उनका मानना है कि अहान के अंदर जेन जी को सिनेमाघरों में लाने की ताकत है, इसलिए वे भी इसे भुनाना चाहते हैं। कुछ समय पहले ऐसी खबरें आई थीं कि दोनों साथ काम कर सकते हैं, अब यह बात पुख्ता हो गई है। वैसे पर्दे पर पहली बार शरवरी वाघ और अहान पांडे की जोड़ी साथ दिखाई देगी। इस बारे में जानने के बाद से ही सोशल मीडिया पर लोग इस फिल्म के लिए अभी से ही उत्साहित हैं।

सामंथा रुथ प्रभु ने शेयर किया वो शक्तिशाली वाक्य, जिसने उनकी जिंदगी को दी नई दिशा

मुंबई/एजेन्सी

दक्षिण भारतीय फिल्मों की अभिनेत्री सामंथा रुथ प्रभु हाल ही में सोशल मीडिया पर फैंस के लिए लाइव आईं। इस दौरान उन्होंने फैंस से उनकी लाइफ से जुड़े सवाल पूछने को कहा। इसी बीच एक यूजर ने अभिनेत्री से पूछा कि ऐसा कौन सा वाक्य है, जिसने आपका नजरिया बदल दिया? अभिनेत्री ने जवाब देते हुए उस शक्तिशाली वाक्य का खुलासा किया, जिसने उनकी जिंदगी को नई दिशा दी। सामंथा रुथ प्रभु ने कहा, आपको अपना उद्देश्य उन चीजों में मिलेगा, जो आपको परेशान करती हैं। उन्होंने बताया कि उनका काम भी उन्हीं चीजों से जुड़ा है, जो उन्हें परेशान करती हैं और इस सोच ने उनके जीवन को आसान बना दिया है। आप भी इसे आजमा सकते हैं, शायद यह आपकी मदद करे।

एक अन्य यूजर ने उनसे पूछा कि एक छात्र होने के चलते वह अपनी हेल्थ का ध्यान नहीं रख पाते हैं, इसके लिए वो कुछ सुझाव दे सकती हैं? इस पर अभिनेत्री ने कहा, सच कहूं तो, एक छात्र का जीवन जिए मुझे लंबा अरसा हो गया है, लेकिन मैं अक्सर सुनती रही हूं कि आजकल छात्रों के लिए यह कितना मुश्किल है, वे अधिक तनाव में रहते हैं। उन्होंने आगे कहा, लेकिन मैं आपसे सहानुभूति रखती हूं, और मैं चाहती हूं कि आप यह समझें कि अच्छे ग्रेड ही सबकुछ नहीं होते। मुझे लगता है कि एक छात्र होने से मैंने जो सबसे अधिक सीखा और एक छात्र होने का सबसे महत्वपूर्ण हिस्सा वे मित्र थे, जो मैंने उस दौरान बनाए। अपने आसपास के लोगों के लिए सम्मान का भाव और अपने दोस्तों से जो दयालुता मैंने सीखी, इसने मुझे एक बेहतर इंसान बनने में मदद की। सामंथा रुथ प्रभु को पिछली बार तेलुगु हॉरर-कॉमेडी 'शुभम' में देखा गया था। इसमें वह एक छोटी सी भूमिका में नजर आई थीं।

बॉबी देओल ने फिल्म जगत में 30 साल पूरे होने पर कहा: अभी शुरुआत कर रहा हूं

नयी दिल्ली/भाषा

अभिनेता बॉबी देओल ने फिल्म जगत में 30 साल पूरे होने का जश्न मनाते हुए सोशल मीडिया पर एक दिल छू लेने वाला नोट साझा किया, जिसमें उन्होंने अपने इस लंबे करियर को सार्थक बनाने के लिए अपने प्रशंसकों को धन्यवाद किया और कहा कि वह अभी शुरुआत कर रहे हैं। बॉबी देओल ने 29 सितंबर 1995 में राजकुमार संतोषी द्वारा निर्देशित बरसात से फिल्मों की दुनिया में कदम रखा था। नेटफ्लिक्स की सीरीज द बैड्स ऑफ बॉलीवुड में अभिनय के लिए बॉबी देओल (56) को प्रशंसा मिल रही है। उन्होंने सोमवार को अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर अपनी अब तक की भूमिकाओं का एक मोंटाज साझा किया। उन्होंने लिखा, परदे पर और उसके बाहर कई तरह की भावनाओं के 30 साल... आपके प्यार ने सभी को सार्थक बनाया है। वह आग अब भी जल रही है और मैं अभी शुरुआत कर रहा हूं।, देओल के दोस्तों और सहयोगियों ने फिल्म उद्योग में तीन दशक पूरे करने पर उन्हें बधाई दी। प्रीति जिंटा ने लिखा, बधाई हो लॉर्ड बॉबी। यह तो बस शुरुआत है। ढेर सारा प्यार। दोनों कलाकारों ने सोल्जर फिल्म में साथ काम किया था। ईशा देओल ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर एक स्टोरी साझा की और कहा, 30 साल और बहुत कुछ। और भी बहुत कुछ। बॉबी ने अपने पूरे करियर में कई फिल्मों में काम किया, लेकिन 2023 में आई संदीप रेड्डी वांगा की एनिमल ने अभिनेता को फिर से सुर्खियों में ला दिया। इस फिल्म में उन्होंने खलनायक अबरार हक की भूमिका निभाई थी। उनका नवीनतम शो द बैड्स ऑफ़ बॉलीवुड है, जो 18 सितंबर को नेटफ्लिक्स पर रिलीज हुआ। इस सीरीज का निर्देशन अभिनेता शाहरुख खान के बेटे आर्यन खान ने किया है, जिन्होंने इसके साथ निर्देशन में कदम रखा है।

मलाइका अरोड़ा का फिटनेस मंत्र

नई दिल्ली/एजेन्सी

51 साल की बॉलीवुड अभिनेत्री मलाइका अरोड़ा आज भी इतनी फिट हैं कि 31 साल की एक्ट्रेस को भी फिटनेस में टक्कर दे सकती हैं। एक्ट्रेस जिम में पसीना बहाने से लेकर शरीर को फ्लेक्सिबल बनाने के लिए योग का सहारा लेती हैं और हेल्थी डाइट फॉलो करती हैं। अब एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर कुछ योगा पोज शेयर किए हैं, जो आपके संपूर्ण स्वास्थ्य के लिए वरदान हैं। मलाइका अरोड़ा ने अपना सोशल मीडिया अपडेट किया है और छह अलग-अलग योगा पोज डाले हैं। एक्ट्रेस ने कैप्शन में लिखा, 6 जेंटल योगा पोज, जिसे करने पर आपका शरीर आपको धन्यवाद देगा। एक्ट्रेस पहले वीडियो में 'कैट एंड काऊ' पोज करती दिख रही हैं। इस आसन को करने से रीढ़ की हड्डी में रक्त संचार बढ़ता है और शरीर की मांसपेशियां भी खुला महसूस करती हैं। दूसरी वीडियो में एक्ट्रेस 'हिप स्ट्रेच' करती दिख रही हैं। ये आसन

पैरों, कुल्हे और गर्भाशय के लिए अच्छा होता है। तीसरी वीडियो में एक्ट्रेस 'पप्पी पोज' कर रही हैं। ये योगासन सिर और कंधे में पैदा होने वाली जकड़न से छुटकारा दिलाता है। अगर आप कम्प्यूटर पर काम करते हैं, तो ये आसन आपके लिए बेस्ट है। योग में इस आसन को 'उत्तान शीशोसन' कहते हैं। अगली वीडियो में एक्ट्रेस 'पिजन फॉरवर्ड पोज' या 'कपोतासन' कर रही हैं। ये आसन शरीर में लचीलापन बढ़ाकर रक्त संचार को सही करता है और कुल्हों को मजबूत करता है।

बाकी दो वीडियो में मलाइका 'भुजंगासन' और 'फ्रॉग स्ट्रेच' करती दिख रही हैं। भुजंगासन रीढ़ की हड्डी, कंधे की मांसपेशी और गर्दन के लिए लाभकारी है, जबकि फ्रॉग स्ट्रेच जांघों के अंदरूनी हिस्से, कूल्हे और पैरों की मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। ये सभी योगासन डेली लाइफस्टाइल में अपनाने से शरीर में बहुत सारे बदलाव देखने को मिलेंगे। वर्क फ्रंट की बात करें तो मलाइका अरोड़ा बतौर जज इंडियाज गॉट टैलेंट में दिखने वाली हैं। शो आज से सोनी टीवी पर टेलीकास्ट होगा। शो में मलाइका अरोड़ा के अलावा नवजोत सिंह सिद्धू और सिंगर शान भी दिखने वाले हैं। शो रात को 9 बजकर 30 मिनट पर टेलीकास्ट होगा। इसके अलावा एक्ट्रेस 'पिच टू गेट रिच' मॉडलिंग शो में करण जौहर के साथ शो को जज करेंगी। शो 20 अक्टूबर से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होगा।

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
www.dakshinbharat.com
epaper.dakshinbharat.com
बेंगलूरु | मंगलवार | 07-10-2025 /dakshinbharat /dakshinbharat DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT HINDI DAILY
RNI No. 58061/93. Regn No.: NP/KA/BGS/2050/2018-2020 Posted at Bengaluru PSO Mysore Road Bengaluru-560 026.

शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को प्रेक्षा कल्याण वर्ष पर एकदिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर का आयोजन किया गया।

आरआर नगर तेरापंथ भवन में मनाया गया अनुशासन दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अणुव्रत विश्व भारती सोसाइटी के तत्वावधान में अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के तहत सोमवार को आरआरनगर तेरापंथ भवन में अनुशासन दिवस मनाया गया। साध्वी पुण्ययशाजी के सान्निध्य में ऑल इंडिया जैन माइनॉरिटी फेडरेशन कर्नाटक के अध्यक्ष एवं अणुव्रत सलाहकार समिति के सदस्य गौतमचंद धारीवाल मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित थे। धारीवाल ने कहा कि अनुशासन जीवन का सबसे आवश्यक गुण है। यह एक ऐसी डोर है जो व्यक्ति, परिवार, समाज और राष्ट्र को एकता में बाँधती है। बिना अनुशासन के जीवन अव्यवस्थित और उद्देश्यहीन हो जाता है। अनुशासन हमें सही दिशा में चलना सिखाता है। अनुशासन अर्थात किसी नियम, आदेश या व्यवस्था का पालन करना। धारीवाल ने कहा, अनुशासन का अर्थ है, अपने व्यवहार, समय, और कार्यों को नियमों के अनुसार नियंत्रित रखना।

अनुशासित व्यक्ति अपने समय का सदुपयोग करते है, जिससे उन्हें हर क्षेत्र में सफलता मिलती है। जब नागरिक अनुशासित होते हैं, तो देश में शांति और विकास स्वतः होता है। अनुशासन हमारे जीवन की रीढ़ है। ङ्कसाध्वीश्री ने अनुशासन को लेकर कहा कि डोर पतंग से जुड़ी है, तब तक पतंग बहुत दूर तक और ऊपर तक जाती हे अगर डोर को तोड़ दिया तो पतंग हवा में लहराते हुए नीचे की ओर आ जाएगी और फिर कभी उड़ नहीं पाएगी इसलिए जीवन में डोर रूपी अनुशासन का होना बहुत जरूरी है। समिति द्वारा धारीवाल का सम्मान किया गया। कार्यक्रम में समिति के अध्यक्ष ललित बाबेल, मंत्री लाभेश कांसवा, उपाध्यक्ष चंद्रशेखरया, सहमंत्री सुरेश चावत, सूरजमल पितलिया, कविता जैन, कन्हैयालाल चिप्पड़ आदि अनेक सदस्य उपस्थित थे।

मायुमं के 'वॉकेथॉन' में शामिल हुए 250 युवा प्रतिभागी

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। अखिल भारतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा निर्देशित कार्यक्रम 'वॉकेथॉन' का आयोजन कर्नाटक प्रांतीय मारवाड़ी युवा मंच द्वारा सरजापुर रोड स्थित डीकेथॉलन परिसर में किया गया जिसमें मारवाड़ी युवा मंच (मायुमं) की बेंगलूरु शाखा, जागृति शाखा, स्टार्स शाखा एवं सेंट्रल शाखा के सदस्यों ने सहयोग दिया। कार्यक्रम में संयुक्त प्रयास से 250 युवा साथियों ने 5 एवं 3 किलोमीटर वॉक कर एकता और स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता संदेश किया। कार्यक्रम के संयोजक प्रदीप अग्रवाल ने बताया कि इस कार्यक्रम की शुरुआत जुंबा सेशन आयोजित किया। मायुमं के राष्ट्रीय उपाध्यक्ष साकेत रिटोलिया, कर्नाटक प्रांतीय अध्यक्ष मोहित शर्मा एवं उपस्थित शाखा पदाधिकारियों ने झंडे दिखा कर वॉकथॉन का शुभारंभ किया। सभी विजेताओं को मेडल देकर सम्मानित किया गया, साथ ही प्रायोजकों द्वारा उपहार, उपहार कूपन आदि प्रदान किए गए। मोहित शर्मा ने बताया कि देश भर की 850 से अधिक शाखाओं द्वारा आयोजित वॉकेथॉन में लगभग 1 लाख युवा साथियों ने भाग लिया।

राजराजेश्वरीनगर में प्रेक्षा कल्याण वर्ष पर आयोजित हुआ प्रेक्षाध्यान शिविर

दक्षिण भारत राष्ट्रमत
dakshinbharat.com

बेंगलूरु। शहर के तेरापंथ भवन आरआर नगर में साध्वीश्री पुण्ययशाजी के सान्निध्य एवं प्रेक्षा फाउंडेशन के तत्वावधान में रविवार को प्रेक्षा कल्याण वर्ष पर एकदिवसीय प्रेक्षाध्यान शिविर का आयोजन किया गया। प्रेक्षाध्यान के विषय में साध्वीश्री ने कहा कि यह जो चेतना निरन्तर पदार्थ की ओर जा रही है, यह पदार्थ से हटकर भीतर की ओर जाने लग जाए तो यही वास्तव में ध्यान है। अतीन्द्रिय चेतना और अन्तर दृष्टि के विकास का माध्यम है ध्यान। ध्यान करने का आध्यात्मिक उद्देश्य है संवर और निर्जरा का पुष्ट होना, ध्यान के व्यवहारिक उद्देश्य का विकास, भाव परिवर्तन, स्वभाव परिवर्तन, आरोग्य की प्रगति, आंतरिक शांति और अतिन्द्रिय ज्ञान की प्राप्ति। इन उद्देश्यों को प्राप्त करने के लिए ध्यान का प्रयोग उपयोगी है। साध्वी बोधिप्रभाजी ने 'प्रेक्षाध्यान जीवन के विभिन्न क्षेत्रों में किस प्रकार उपयोगी हो' इस विषय पर अपने विचार व्यक्त किए। ङ्कप्रशिक्षण की मुख्य भूमिका निभाते हुए प्रेक्षा फाउंडेशन की साउथ संयोजिका तथा प्रेक्षा प्रशिक्षिका वीणा बैद ने प्रेक्षाध्यान साधक की दिनचर्या, कायोत्सर्ग की विधि व लाभ, प्राणायाम व समताल श्वास प्रेक्षा की विधि एवं लाभ तथा नौ मंगल भावना विषय पर प्रशिक्षण दिया तथा अनेक मंत्रों का जाप करवाया। प्रेक्षा प्रशिक्षिका नीता सेठिया ने योग अभ्यास करवाया। प्रेक्षा प्रशिक्षक छत्रसिंह मालू ने दीर्घ श्वास प्रेक्षा, समताल श्वास प्रेक्षा तथा नौ मंगल भावनाओं का प्रयोग कराया। प्रेक्षा प्रशिक्षक हेमराज सेठिया ने आहार विषयक जानकारी दी। तेरापंथ सभा की उपाध्यक्ष सरोज बैद ने सभी का स्वागत किया तथा पूर्व अध्यक्ष मनोज डागा ने धन्यवाद दिया। अध्यक्ष राकेश छाजेड़ ने संयोजक विकास दुगड़ व अपनी टीम के साथ व्यवस्था संभाली। सभा द्वारा प्रेक्षा प्रशिक्षकों को सम्मानित किया गया।

आरएसएस हुब्बल्ली के पथ संचलन में दिखा स्वयंसेवकों का विशेष उत्साह

हुब्बल्ली/दक्षिण भारत। शहर के राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ(आरएसएस), हुब्बल्ली महानगर द्वारा आयोजित शताब्दी महोत्सव एवं विजयादशमी समारोह के अंतर्गत रविवार को पथ संचलन का आयोजन किया गया। इस ऐतिहासिक आयोजन में हजारों की संख्या में स्वयंसेवकों ने अनुशासन और उत्साह के साथ भाग लिया। पथ संचलन का शुभारंभ नेहरू स्टेडियम से हुआ, जिसे दो वाहिनियों में विभाजित किया गया। पहली वाहिनी स्टेशन रोड, मंगलवार पेठ, राधाकृष्ण गल्ली मार्ग से होते हुए दुर्गद बैल पहुंची, जबकि दूसरी वाहिनी जनता बाजार, दाजीबान पेठ, कंचगार गल्ली, हीरेपेठ और बेलगाम गल्ली से होते हुए दुर्गद बैल पहुंची। दुर्गदबैल में दोनों वाहिनियों का संगम हुआ, जहां हजारों की संख्या में उपस्थित नागरिकों ने भारत माता की जय और जय श्रीराम के गगनभेदी नारों से वातावरण को गुंजायमान कर दिया।

पूरे मार्ग में हुब्बल्ली की जनता ने सड़कों के दोनों ओर खड़े होकर स्वयंसेवकों पर पुष्प वर्षा की और उनका हार्दिक स्वागत किया। परिषद के वरिष्ठ नेता सुभाष चंद्रा डंक ने बताया कि इस अवसर पर राजस्थानी समाज सहित उत्तर भारतीय सदस्यों ने भाग लिया। डंक ने सभी स्वयंसेवकों को धन्यवाद दिया।

श्याम मंदिर में आयोजित भजनों पर झूमे श्याम भक्त

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्याम परिवार कीर्तन मंडल एवं माँ जीण के दीवाने के संयुक्त तत्वावधान में रविवार शाम को श्याम मन्दिर प्रांगण में भजनों का कार्यक्रम हुआ। आयोजक परिवार शुभम शालू कंदोई ने बाबा श्याम की पूजा कर कार्यक्रम की शुरुआत की। तत्पश्चात हिसार हरियाणा से आए किशोर भजन गायक अभिनव आर्यन ने गणेश वंदना से शुरुआत करते हुए 'कीर्तन की है रात, बाबा आज थाने आणो है...' जैसे अनेक मधुर भजन प्रस्तुत किए। इस आयोजन में इस मौके पर श्याम कीर्तन परिवार के देवीलाल गोयल, मुकेश जिंदल सहित बड़ी संख्या में श्याम भक्तों ने भजनों का आनंद उठाया।

लोभ सभी दुर्गुणों की खान है : साध्वी इंदुप्रभा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के श्वेतांबर स्थानकवासी जैन श्रावक संघ अलसूर के तत्वावधान में जैन भवन में आयोजित प्रवचन कार्यक्रम में साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि हम उपकारी के प्रति हमेशा कृतज्ञ भाव रखें। हम सदाचार का आचरण करें और गुणग्राही दृष्टि रखें। श्रीपाल चरित्र में धवल सेठ ने हमेशा दुर्जनता का परिचय देते हुए उपकारी श्रीपाल को मारने या उसकी सारी समृद्धि को छीनने का षडयंत्र रचा, किंतु पुण्यवान की रक्षा प्रकृति और देव शक्ति भी करती हैं। साध्वी इंदुप्रभाजी ने कहा कि लोभ सभी दुर्गुणों की खान है। तृष्णा का गुलाम व्यक्ति अर्थ अनर्थ नहीं सोचता है और पाप कर लेता है। लोभ और काम में व्यक्ति अंधा हो जाता है।

संतोषी व्यक्ति को हमेशा अनुकूल वातावरण देता है। सत्य हमेशा जीतता है और सूर्य को उगने से कोई रोक नहीं सकता है। इस मौके पर सिंधनूर निवासी गौतमचंद बंब एवं महावीर संचेती ने अपने विचार रखे। अक्कलकुआं निवासी मुमुक्षु कुशल गुलेछा का सम्मान अध्यक्ष धनपतराज बोहरा ने किया। मंत्री अभय कुमार बांठिया ने सभा का संचालन करते हुए आगामी कार्यक्रमों की जानकारी दी। साध्वी शशिप्रभाजी मंगल पाठ सुनाया।

धर्म नहीं करने वाले कर्मों से घिरे रहते हैं: संतश्री ज्ञानमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के यलहंका स्थित सुमतिनाथ जैन संघ के तत्वावधान में चातुर्मासार्थ विराजित संतश्री ज्ञानमुनिजी ने नवपद की आराधना के तहत चरित्र पद की महिमा गाई। उन्होंने कहा कि चरित्र को जानने और मानने से कुछ नहीं होता है। इसको आत्मसात करने के बाद ही मुक्ति मिल सकती है। लोक में धर्म के बिना कुछ नहीं मिलता है। ज्ञान, धर्म को चरित्र में उतारना जरूरी है। मनुष्य ही धर्म कर सकता है। धर्म को सुन कर अगर आत्मसात नहीं किया तो जीवन नहीं सुधरेगा। अगर मानव भव पाकर भी धर्म नहीं करते हैं तो मानव और जानवर में कोई अंतर नहीं होता है। बिना धर्म के जीवन शून्य है। धर्म को आचरण में लाना बहुत जरूरी है। धर्म नहीं करने वाले कर्मों से घिरे रहते हैं। मनुष्य कर्मों से घिरा हुआ है। जब तक उसका अज्ञान नहीं मिटेगा तब तक कर्मों से दूर होना संभव नहीं है। मनुष्य मेहनत करता है लेकिन कर्मों की वजह से उचित फल नहीं मिलता है। ङ्कसंतश्री ने कहा कि जब तक चरित्र को आचरण में नहीं लाएंगे तब तक जीवन नर्कों से नहीं निकलेगा। अच्छी नीयत के साथ मेहनत करने वाले को फल जरूर मिलता है। श्रावक का चरित्र देश चरित्र है, जो पूर्ण नहीं है। जीवन में सामायिक, तप, त्याग, भजन करते रहो। यह करना बहुत जरूरी होता है। जीवन में कहना पर्याप्त नहीं है। लोग धर्म, ध्यान के बारे में बार बार बोलते हैं लेकिन करने की बारी आने पर बहाना बनाने लगते हैं। बातें बनाने वाले दुनिया भर की बात कर लेते हैं लेकिन धर्म के कार्य में बहाना बनाते रहते हैं। गुरुदेव ने कहा कि दिन भर नहीं तो कम से कम एक घंटा भगवान के लिए रखो। अगर हम खाना खा रहे हैं, मस्त हैं तो यह सब भगवान की ही कृपा है, इसलिए भगवान के लिए कुछ समय जरूर निकालना चाहिए। ऐसा करके मानव अपने जीवन को बदल सकता है। गुणवान भले चले जाते हैं। जीवन में शरीर गया तो कुछ जाता है, लेकिन चरित्र गया तो सब कुछ चला जाता है। इसलिए अच्छे कर्म करके चरित्रवान बनें। इस मौके पर सिंधनूर से गौतमचंद बम्ब, चेन्नई के आरकोणम संघ के अध्यक्ष जयचंद कटारिया, उपाध्यक्ष मानमल मुथा, ज्ञानचंद गेलड़ा, जैन कॉन्फ्रेंस के पूर्व महामंत्री विमलचंद धारीवाल, जवरीलाल कटारिया एवं अन्य उपस्थित थे तथा सभी ने संतश्री से आगामी चातुर्मास के लिए निवेदन किया। कार्याध्यक्ष कांतिलाल तातेड़ ने धन्यवाद दिया। अध्यक्ष प्रकाशचंद कोठारी ने संचालन किया।

अणुव्रत समिति विजयनगर ने मनाया अनुशासन दिवस

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर की अणुव्रत समिति विजयनगर द्वारा अणुव्रत उद्बोधन सप्ताह के छठे दिवस पर सोमवार को बिंदु अनमोल अपार्टमेन्ट में 'अनुशासन दिवस' मनाया गया। समिति के अध्यक्ष महेंद्र टेबा' ने सभी का स्वागत करते हुए अणुव्रत आंदोलन की जानकारी दी। मुख्य वक्ता के रूप में अणुविभा के राष्ट्रीय संगठन मंत्री राजेश चावत ने अनुशासन दिवस के महत्व पर अणुव्रत के छोटे-छोटे नियमों की जानकारी दी। संपत चावत ने पर्यावरण संरक्षण पर अपने विचार रखे। मंडल की सदस्याओं ने अणुव्रत लघु नाटिका की प्रस्तुति दी। इस मौके पर तेरापंथ युवक परिषद विजयनगर के अध्यक्ष विकास बांठिया, टिशा नाहर, सियानी धारीवाल एवं संघ गायक संदीप बरड़िया ने अपनी अपनी प्रस्तुति दी। बरखा पुगलिया ने अनुशासन दिवस पर अपने विचार साझा किए। बिंदु अनमोल अपार्टमेंट के अध्यक्ष भगवानदास लाहोटी ने जैन धर्म एवं अणुव्रत आंदोलन की सराहना की। कार्यक्रम का संचालन सुमित्रा बरड़िया ने किया तथा सहमंत्री श्रीनिवास केजी ने धन्यवाद दिया।

नवकार महामंत्र जिनशासन का हृदय है : उपप्रवर्तक नरेशमुनि

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के मागडी रोड़ स्थित गुरु ज्येष्ठ पुष्कर दरबार में उपस्थित श्रद्धालुओं को संबोधित करते हुए उपप्रवर्तक नरेशमुनिजी ने नवपद आयंबिल ओली तप आराधना पर्व के आठवें दिन नवकार महामंत्र के अष्टम चरित्र पद पर कहा कि नवकार महामंत्र जिनशासन का हृदय है। उन्होंने कहा कि साधना आराधना में साधक की मन की सरलता, कोमलता के साथ श्रद्धा भक्ति भाव के साथ शुद्ध सदाचरण आवश्यक है। साधक अपने मन में अवश्य यह चिंतन मनन करें कि क्या हमारी साधना का उद्देश्य और आचरण भी उसी सही दिशा में मुक्ति मंजिल की प्राप्ति की राह में हो रहा है या नहीं। यह देखने समझने की जरूरत है। तभी हमारा धर्म आराधना, जप साधना में किया गया सम्यक पुरुषार्थ पराक्रम सफलता व सिद्धि प्रदान करने में सहायक बन सकेगा। उन्होंने कहा कि सम्यक दर्शन लक्ष्य निर्धारित करता है, ज्ञान उस दिशा में आगे बढ़ने में जानकारी इकट्ठी करता है और चरित्र आचरण प्रवृत्ति रूप में कार्य साधना को प्रगति प्रदान करता है। चरित्र का मतलब है पुरुषार्थ व प्रवृत्ति। धर्म में पुरुषार्थ प्रवृत्ति नहीं करेंगे तो मुक्ति नहीं मिल सकती है। अशुभ से निवृत्ति और शुभ में प्रवृत्ति, जागृति यही चरित्र है। उन्होंने आगे द्रव्य चरित्र और भाव चरित्र पर भी प्रकाश डाला। ङ्कशालिभद्र मुनिजी ने मानव जीवन की महत्ता का बोध कराने वाला एक प्रेरक भजन गाया। प्रारंभ में साध्वी समृद्धिश्रीजी ने श्रीपाल चरित्र का वाचन करते हुए आगे के कथानक के मुख्य पात्र नवकार महामंत्र के दृढ़ आराधक पुण्यशाली आत्मा श्रीपाल और धवल सेठ के घटनाक्रम पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम का संचालन शालिभद्रमुनिजी ने किया। समिति के महामंत्री महावीरचंद मेहता ने पुष्करमुनिजी की जयंती पर आयोजित किए गए गुरु गुणोत्सव कार्यक्रम को सफल बनाने में सहयोग प्रदान करने वाले सभी समिति, सहयोगियों, मंडलों, संघ को धन्यवाद दिया ।

धर्म ही जीवन की वास्तविक शोभा है : साध्वी आगमश्री

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। शहर के विल्सन गार्डन स्थित जैन स्थानक में विराजित साध्वी आगमश्री जी ने अपने प्रवचन में कहा कि धर्म ही जीवन की वास्तविक शोभा है। जब व्यक्ति अपने जीवन में सदाचार, संयम और आत्मअनुशासन को अपनाता है, तभी वह सच्चे अर्थों में मानव कहलाने का अधिकारी बनता है। हमारे जीवन का हर क्षण आत्मकल्याण की ओर अग्रसर होना चाहिए। भौतिक सुख सीमित हैं, परन्तु आत्मिक सुख अनन्त है। गुरु के सान्निध्य में रहकर साधक अपने जीवन की दिशा और दशा दोनों को पवित्र बना सकता है। गुरु वह प्रकाश है, जो अंधकार में भी सही मार्ग दिखाता है। महापुरुषों का जीवन केवल इतिहास नहीं, बल्कि मार्गदर्शन का जीवंत उदाहरण होता है। प्रवचन में श्रमण संघीय युवाचार्य महेंद्रऋषि जी का जन्मोत्सव, उपाध्याय पुष्करमुनि जी की जयंती तथा श्रमण संघीय उपप्रवर्तक श्रुतमुनि जी की जयंती पर भावपूर्ण गुणगान किए गए। साध्वीवृन्द ने तीनों संतों के तप, त्याग, अध्ययन एवं आराधना के प्रेरक जीवन से प्रेरणा लेने का संदेश दिया। इस अवसर पर आगम डेकोरेशन प्रतियोगिता का आयोजन हुआ। विजेताओं को पदाधिकारियों ने पुरस्कृत किया। गुरु दर्शन यात्रा संघ समिति के तत्वावधान में लगभग 400 श्रद्धालुओं ने साध्वीवृन्द के दर्शन, प्रवचन एवं आशीर्वाद का लाभ प्राप्त किया।

गुरु दर्शन यात्रा संघ की ओर से धर्मीचंद बोहरा ने समिति के गठन, उद्देश्यों एवं गतिविधियों की जानकारी दी। संघ के चेयरमैन मीठालाल मकाणा ने सभी का स्वागत किया। संघ के अध्यक्ष नेमीचन्द भंसाली ने आभार व्यक्त किया। सचालन संघ के मंत्री सज्जन बोहरा ने किया।

भारतीय राजपूताना संगठन ने दशहरा मिलन समारोह में की शस्त्र पूजा

बेंगलूरु/दक्षिण भारत। भारतीय राजपूताना सेवा संगठन द्वारा रविवार को अध्यक्ष टीम द्वारा दशहरा मिलन समारोह एवं शस्त्र पूजा का आयोजन बाबूसपाल्या में किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि बॉर्डर सिक्योरिटी फोर्स के डीआईजी अमरेंद्र सिंह, उनकी पत्नी पूनम रानी तथा राष्ट्रीय पदाधिकारियों ने दीप प्रज्वलन कर किया। इसके पश्चात मां दुर्गा की पूजा की गई एवं शस्त्र पूजन संपन्न हुआ। डीआईजी अमरेंद्र सिंह ने देशभक्ति, अनुशासन और क्षत्रिय समाज की गौरवशाली परंपराओं पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर संगठन के राष्ट्रीय अध्यक्ष अनिल सिंह सिकरवार ने कहा कि आज समाज का मजबूत और संस्कारित होना बेहद जरूरी है। शिक्षा के साथ-साथ संस्कार भी बच्चों के जीवन में आवश्यक हैं, ताकि वे गलत दिशा में न जाएं और राष्ट्रहित में योगदान दे सकें। हमें मिलकर एक अच्छे समाज का निर्माण करना होगा। समारोह में बच्चों ने नृत्य, गीत, भाषण, नाटक और दुर्गा वंदना जैसे रंगारंग सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किए। क्षत्राणी महिलाओं ने वीर रस भरा काव्य-पाठ एवं लोकगीत की प्रस्तुति दी। कार्यक्रम में समाज के बुजुर्गों का सम्मान किया गया। दशहरा उत्सव के अवसर पर सभी ने मिलकर डांडिया नृत्य का आनंद लिया और अंत में पुरस्कार वितरित किए गए।

Printed& Published by Devendra Sharma on behalf of owners M/s. New Media Company, 6/4 , Ist floor, Cantonment station road, Bengaluru-51 and printed at Dinasudar Printing Division, 116, Queens Road, Bengaluru-560052. **Editor-Shreekant Parashar**,
(*Responsible for selection of news under PRB Act.) Reproduction of any matter from this newspaper in whole or in part or any such manner without prior written permission from the publisher is strictly prohibited and punishable by law.
HEAD OFFICE : DAKSHIN BHARAT RASHTRAMAT, New Media Company, 6/4, Cantonment Station Road, Bangalore 560051. Editorial : 080-25363030 / 9945488003. For Advertisement : 9945488002 - email : news@dakshinbharat.com